twitter.com/divyadelhi | facebook.com/divyadelhi | infodivyadelhi@gmail.com Editor: Rajesh Chauhan

RNI No. DELHI/2013/54397

दिव्य दिल्ली

divyadelhi.com | शनिवार, 24 मई, 2025 | वर्ष: 12, अंक: 194, पृष्ठ: 08 | ₹ 05/- | दिल्ली से प्रकाशित दैनिक समाचार पत्र

नॉर्थ-ईस्ट मतलब एनर्जी का पावरहाउस: पीएम

आने वाले वर्षों में विकसित भारत का रास्ता पूर्वोत्तर से होकर जाएगा: प्रधानमंत्री

नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत मंडपम में राइजिंग नॉर्थ ईस्ट इन्वेस्टर्स समिट 2025 का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने पूर्वोत्तर को देश के विकास का इंजन बताया और कहा कि यह क्षेत्र विकास की आपार संभावनाओं से भरा पड़ा है। प्रधानमंत्री ने देश और दुनिया के निवेशकों से आग्रह किया कि वे पूर्वोत्तर के विकास में भागीदार बनें। उन्होंने विश्वास जताया कि आने वाले वर्षों में विकसित भारत का रास्ता पूर्वोत्तर से होकर जाएगा। दो दिवसीय (23-24 मई) राइजिंग नॉर्थ ईस्ट निवेश सम्मेल का उद्देश्य पूर्वोत्तर को अवसरों की भूमि के रूप में प्रस्तुत करना, निवेशकों को जोड़ना और नीति निर्माताओं के साथ संवाद को बढ़ावा देना है। इसमें पर्यटन, खाद्य प्रसंस्करण, वस्त्र, स्वास्थ्य, शिक्षा, आईटी, लॉजिस्टिक्स, ऊर्जा और खेल जैसे प्रमुख क्षेत्रों को फोकस किया गया है। इस अवसर पर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने पूर्वोत्तर को अष्टलक्ष्मी से संबोधित किया और कहा कि यह क्षेत्र व्यापार, पर्यटन, जैव-अर्थव्यवस्था, बांस उद्योग, चाय उत्पादन, खेल, ऊर्जा और कौशल विकास जैसे क्षेत्रों में विशाल संभावनाओं से भरा हुआ है। साथ ही, युवाओं के लिए स्टार्टअप, डिजिटल इनोवेशन और स्किल सेंटर खुल रहे हैं। पूर्वोत्तर में हाइड्रो और सोलर पावर में तेज होते निवेश के साथ ही प्रधानमंत्री ने ऐलान किया कि जल्द ही क्षेत्र का पहला मेड इन इंडिया चिप तैयार होगा, जिससे भारत के सेमीकंडक्टर क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव आएगा।

इस कार्यक्रम में पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया, मणिपुर के राज्यपाल अजय कुमार भल्ला, असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा, अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू, मेघालय के मुख्यमंत्री कोनराड संगमा, मिजोरम के मुख्यमंत्री लालदुहोमा, नगालैंड के मुख्यमंत्री नेफ्यू रियो, सिक्किम के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग, त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा, पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास राज्य मंत्री डॉ. सुकांत मजूमदार उपस्थित थे।

उद्योगपति गौतम अडाणी ने पूर्वोत्तर भारत में निवेश की घोषणा की

गौतम अडाणी ने नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में आयोजित राइजिंग नॉर्थ ईस्ट इन्वेस्टर्स समिट 2025 को संबोधित करते हुए पूर्वोत्तर भारत में निवेश की घोषणा की। अडाणी समूह अगले 10 सालों में क्षेत्र में ग्रीन एनर्जी, सड़कों के निर्माण और डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर विकसित करने के लिए अतिरिक्त 50,000 करोड़ रुपये निवेश करेगा। उन्होंने कहा कि उनका समूह पूर्वोत्तर में अपनी उपस्थिति का विस्तार करना चाहता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मौजूदगी में तीन महीने पहले असम में हमने 50 हजार करोड़ रुपये का निवेश करने का वादा किया था।

युवाओं के लिए स्किल सेंटर खुल रहे: पीएम मोदी

प्रधानमंत्री ने बताया कि बीते दशक में 10 हजार से अधिक युवाओं ने हथियार छोड़कर मुख्यधारा अपनाई। इससे पर्यटन को बढ़ावा मिला है। गांवों में होमस्टे, नए टूर गाइड और सांस्कृतिक आयोजन बढ़े हैं। 21 हजार करोड़ के निवेश से 800 स्कूल, 9 मेडिकल कॉलेज, 2 आईआईटी और देश का पहला स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी पूर्वोत्तर में बन रही है। साथ ही, युवाओं के लिए

स्टार्टअप, डिजिटल इनोवेशन और स्किल सेंटर खुल रहे हैं। पूर्वोत्तर में हाइड्रो और सोलर पावर में तेज होते निवेश के साथ ही प्रधानमंत्री ने ऐलान किया कि जल्द ही क्षेत्र का पहला मेड इन इंडिया चिप तैयार होगा, जिससे भारत के सेमीकंडक्टर क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव आएगा। अडाणी समूह के अध्यक्ष गौतम अडाणी ने शुक्रवार को अगले 10 वर्षों में पूर्वोत्तर क्षेत्र में 50 हजार करोड़ रुपये के अतिरिक्त निवेश का ऐलान किया। यह निवेश उस 50,000 करोड़ के अतिरिक्त है, जिसकी घोषणा अडाणी समूह ने इसी साल फरवरी में असम में निवेश के तौर पर की थी।

जमीनी स्तर पर बदलाव नजर आ रहा है: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

पीएम ने कहा कि पिछले 11 वर्षों में पूर्वोत्तर में हुए बदलाव केवल आंकड़ें नहीं हैं। जमीनी स्तर पर बदलाव नजर आ रहा है। उन्होंने 700 से अधिक बार केंद्रीय मंत्रियों की यात्राओं का हवाला देते हुए कहा कि यह क्षेत्र अब लुक ईस्ट से एक्ट ईस्ट की नीति के तहत भारत की विकास यात्रा में अग्रणी बन गया है। इस दौरान प्रधानमंत्री ने पूर्वोत्तर में हुए विकास के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि 11 हजार किमी हाई-वे निर्माण, भूपेन हजारिका ब्रिज और सेला टनल जैसे मेगा प्रोजेक्ट्स, पूर्वोत्तर गैस ग्रिड, 4जी/5जी नेटवर्क और 13 हजार किमी ऑप्टिकल फाइबर नेटवर्क का काम पूर्वोत्तर में हुआ है।

इन परियोजनाओं ने उद्योगों के लिए फर्स्ट मूवर एडवांटेज की स्थिति बना दी है। प्रधानमंत्री ने पूर्वोत्तर को भारत-आसियान व्यापार का सेतु बताया और कहा कि भारत-आसियान व्यापार जल्द ही 200 अरब डॉलर को पार करेगा।

गुवाहाटी, इंफाल और अगरतला में लॉजिस्टिक हब और मिजोरम व मेघालय में लैंड कस्टम स्टेशन, अंतरराष्ट्रीय व्यापार को नया आयाम देंगे।

प्रधानमंत्री ने बताया कि बीते दशक में 10 हजार से अधिक युवाओं ने हथियार छोड़कर मुख्यधारा अपनाई। इससे पर्यटन को बढ़ावा मिला है। गांवों में होमस्टे, नए टूर गाइड और सांस्कृतिक आयोजन बढ़े हैं। साथ ही हील इन इंडिया अभियान के अंतर्गत पूर्वोत्तर को वेलनेस टूरिज्म का केंद्र बनाया जा रहा है।

अमेरिका के बाहर बने आईफोन पर लगेगा 25 प्रतिशत टैरिफ: ट्रंप

नई दिल्ली

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने आज एक और टैरिफ लगाने की चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि अमेरिका में बिकने वाले देश के बाहर निर्मित आईफोन पर कम से कम 25 प्रतिशत टैरिफ लगाया जाएगा। ट्रंप ने कहा कि उन्होंने पहले ही एप्पल के सीईओ टिम कुक को यह जानकारी दे दी थी। सोशल मीडिया मंच ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में ट्रंप ने कहा, मैंने बहुत पहले टिम कुक को यह बता दिया था कि मुझे उम्मीद है कि अमेरिका में बिकने वाले आईफोन अमेरिका में ही बनाए और निर्मित किए जाएं। वे भारत या किसी और देश में न बनाए जाएं। अगर ऐसा नहीं होता है तो एप्पल को अमेरिका को कम से कम 25 प्रतिशत टैरिफ देना होगा।

उत्पादन लागत और श्रम खर्च की तुलना में अमेरिका में निर्माण महंगा है। कुछ विश्लेषकों का अनुमान है कि आईफोन का उत्पादन अमेरिका में किए जाने पर इसकी कीमत में कम से कम 25 प्रतिशत बढ़ जाएगी। वहीं इस पोस्ट में विशेष रूप से भारत का जिक्र होना भी अलग मायने रखता है। ट्रम्प इससे पहले भी एक पोस्ट में इस तरह की बात कह चुके हैं। यह पोस्ट ऐसे समय में आ रही है जब भारत ट्रम्प के उन बयानों का खंडन कर रहा है जिसमें वे भारत और पाकिस्तान के हालिया सैन्य संघर्ष को समाप्त करने का वे खुद को श्रेय दे रहे हैं।

भ्रष्टाचार के मामले में आप विधायक रमन अरोड़ा गिरफ्तार

चंडीगढ़

पंजाब में आम आदमी पार्टी के जालंधर सेंट्रल से विधायक रमन अरोड़ा को विजिलेंस ने शुक्रवार गिरफ्तार कर लिया। विजिलेंस टीम ने सुबह पौने नौ बजे अरोड़ा के अशोक नगर स्थित घर पर रेड की। रेड के समय विधायक अरोड़ा कहीं जा रहे थे। विजिलेंस ने घर के नजदीक मंदिर के मोड़ से उन्हें हिरासत में लिया । इसके बाद टीम उन्हें घर में ले गई और अंदर छानबीन की गई। पुख्ता सबूत हाथ लगने के बाद विधायक को गिरफ्तार कर लिया गया।

सूत्रों के अनुसार विधायक के निजी सहायक को भी टीम ने हिरासत में लिया है।

सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने मानेकशॉ सेंटर में उन वीरता पुरस्कार विजेताओं से बातचीत की, जिन्हें भारतीय सशस्त्र बलों की सर्वोच्च कमांडर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने गुरुवार को सम्मानित किया था। समारोह में आर्मी वाइव्स वेलफेयर एसोसिएशन की अध्यक्ष सुनीता द्विवेदी ने भी वीर नारियों और सम्मानित परिवारों से मुलाकात की।

सेना ने बनाया ऑपरेशन सिंदूर को सफल: शाह

नई दिल्ली

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के तीन प्रमुख कारण बताए। उन्होंने कहा कि यह ऑपरेशन प्रधानमंत्री की दृढ़ राजनीतिक इच्छाशक्ति, खुफिया एजेंसियों से मिली सटीक जानकारी और भारतीय सेना की जबरदस्त मारक क्षमता के तालमेल से संभव हुआ। इन तीनों के एकसाथ आने से देश ने दशकों से चल रहे पाकिस्तान-प्रायोजित आतंकवाद का निर्णायक उत्तर दिया। अमित शाह ने आज सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ)

के अलंकरण समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित कार्यक्रम में महानिदेशक बीएसएफ दलजीत सिंह चौधरी और अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। शाह ने बीएसएफ के अलंकरण समारोह 2025 और रुस्तमजी स्मृति व्याख्यान को संबोधित करते हुए अर्धसैनिक बल के साहस और समर्पण को सलाम किया। उन्होंने कहा कि बीएसएफ और सेना आज विश्व के सामने अद्वितीय वीरता का उदाहरण प्रस्तुत कर रहे हैं। इसी साहस का प्रतीक है ऑपरेशन सिंदूर। गृहमंत्री ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान पूरी तरह बेनकाब हो गया आतंकी ठिकानों पर हमले पर पाकिस्तान की सेना ने जवाबी कार्रवाई की। आतंकवादियों के जनाजों में पाकिस्तानी सैन्य अधिकारी शामिल हुए। इनसे स्पष्ट हो गया कि भारत में होने वाले आतंकी हमले पाकिस्तान प्रायोजित हैं।

कोटा में ही छात्र क्यों मर रहे?: राजस्थान सरकार को सुप्रीम कोर्ट ने लगाई फटकार

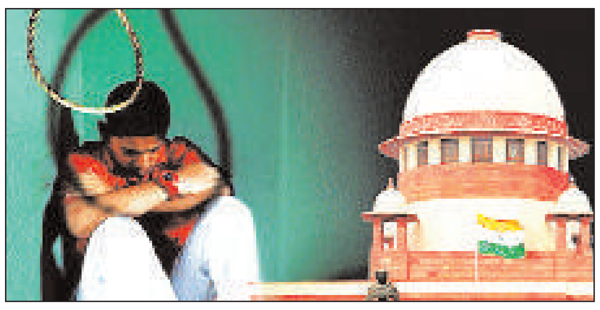

नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को राजस्थान सरकार को कोटा में छात्रों द्वारा आत्महत्या के मामले बढ़ने पर जमकर फटकारा। सुप्रीम कोर्ट ने स्थिति को बेहद गंभीर बताया। जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस आर महादेवन की पीठ ने कहा कि इस साल अब तक कोटा में 14 छात्र-छात्राएं आत्महत्या कर पीठ ने पूछा- कोटा में ही क्यों मर रहे छात्र। पीठ ने राजस्थान सरकार के प्रति नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि आप बतौर राज्य क्या कर रहे हैं? क्यों कोटा में ही ये बच्चे आत्महत्या कर रहे हैं? इस पर राजस्थान सरकार की तरफ से पेश हुए वकील ने बताया कि कोटा में छात्रों द्वारा आत्महत्या के मामलों की जांच के लिए एसआईटी का गठन किया गया था। बीती 4 मई को आईआईटी खड़गपुर में पढ़ने वाले 22 वर्षीय छात्र ने अपने हॉस्टल के कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। सुप्रीम कोर्ट ने इसी मामले पर सुनवाई करते हुए उक्त टिप्पणी की। पीठ ने नीट की तैयारी कर रही एक छात्रा के आत्महत्या मामले पर भी सुनवाई की। छात्रा कोटा में अपने कमरे में फांसी के फंदे पर झूलती मिली थी। छात्रा अपने माता-पिता के साथ रह रही थी। अदालत ने आईआईटी खड़गपुर के छात्र की आत्महत्या के मामले में एफआईआर चार दिन की से देरी से दर्ज होने पर भी नाराजगी जाहिर की। सर्वोच्च अदालत ने कहा कि इन चीजों को बिल्कुल भी हल्के में मत लीजिए, ये गंभीर चीजें हैं। पीठ ने मामले की सुनवाई के दौरान उच्च न्यायालय द्वारा दिए गए फैसले का भी जिक्र किया, जिसमें छात्रों में ऐसी घटनाओं की रोकथाम के लिए नेशनल टास्क फोर्स बनाने का निर्देश दिया था।

कोई भी संस्थान महिला को मातृत्व अवकाश के अधिकार से वंचित नहीं कर सकती: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को मातृत्व अवकाश से जुड़ा एक अहम फैसला सुनाया। अदालत ने कहा कि अनुसार मातृत्व अवकाश मातृत्व लाभ का एक अभिन्न अंग है और महिलाओं के प्रजनन अधिकारों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। शीर्ष अदालत ने आगे कहा कि कोई भी संस्था किसी महिला को मातृत्व अवकाश के अधिकार से वंचित नहीं कर सकती। यह ऐतिहासिक आदेश तमिलनाडु की

एक महिला सरकारी शिक्षिका की आरे से दायर याचिका पर आया। महिला को दूसरी शादी से हुए बच्चे के जन्म के बाद मातृत्व अवकाश देने से मना कर दिया गया था। अपनी याचिका में महिला ने कहा कि उसे मातृत्व अवकाश देने से इस आधार पर मना कर दिया गया कि उसकी पहली शादी से दो बच्चे हैं। तमिलनाडु में नियम है कि मातृत्व लाभ केवल पहले दो बच्चों को ही मिलेगा। याचिकाकर्ता ने कहा कि उसने अपनी पहली शादी से हुए दो बच्चों के लिए कोई मातृत्व अवकाश या लाभ नहीं लिया है। महिला ने यह भी दावा किया कि वह अपनी दूसरी शादी के बाद ही सरकारी सेवा में आई है। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता के.वी. मुथुकुमार ने कहा कि राज्य के निर्णय से उसके मौलिक अधिकारों का उल्लंघन हुआ है, क्योंकि उसने पहले तमिलनाडु के मातृत्व लाभ प्रावधानों का लाभ नहीं उठाया था।

चुनाव आयोग मतदान केंद्रों पर देगा मोबाइल जमा कराने की सुविधा

नई दिल्ली

चुनाव आयोग ने मतदान की प्रक्रिया को सरल और सुगम बनाने के लिए दो नई पहल की है। आयोग अब मतदान केंद्रों के बाहर मतदाताओं के लिए मोबाइल जमा करने की सुविधा प्रदान करेगा। साथ ही अब, मतदान केंद्र के 100 मीटर के दायरे के ठीक बाद उम्मीदवार मतदाताओं के सहयोग के लिए अपने बूथ लगा सकेंगे। चुनाव आयोग ने कहा है कि यह निर्णय ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में मोबाइल फोन के बढ़ते उपयोग को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार की अध्यक्षता में चुनाव आयोग कानूनी ढांचे के अनुसार सख्ती से चुनाव कराने के लिए प्रतिबद्ध है। साथ ही मतदाताओं के लिए सुविधाओं में सुधार के लिए निरंतर नवाचार भी कर रहा है। इसके साथ ही आयोग ने स्पष्ट किया कि केवल स्विच ऑफ मोबाइल फोन ही मतदान केंद्र के 100 मीटर के दायरे में लाने की अनुमति होगी।

आतंकवाद पाकिस्तान को ले डूबेगा: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

अयोध्या

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को अपने एक दिवसीय अयोध्या दौरे के दौरान हनुमानगढ़ी में श्रीहनुमत कथा मंडपम का लोकार्पण किया। इस मौके पर योगी ने सनातन धर्म को भारत के अस्तित्व और वजूद का आधार बताते हुए कहा कि इसके सम्मान और गरिमा के खिलाफ कुछ भी स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने हनुमानगढ़ी के नागाओं और संतों से आह्वान किया कि वे अपने योद्धा भाव को बनाए रखें और सनातन धर्म की रक्षा के लिए सदैव तत्पर रहें। उन्होंने पाकिस्तान के प्रायोजित आतंकवाद की कड़े शब्दों में निंदा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत छेड़ता नहीं है और कोई छेड़े तो उसे छोड़ता भी नहीं है। मुख्यमंत्री योगी ने हनुमानजी का उदाहरण देते हुए कहा कि बजरंगबली ने

रावण के दरबार में यही संदेश दिया था। पाकिस्तान आतंकवाद को बढ़ावा देकर खुद को बर्बाद कर रहा है। भारतीय सेना की कार्रवाई में 124 से अधिक आतंकवादी मारे गए हैं। यह गलती पाकिस्तान की है, जो आतंकियों को प्रश्रय दे रहा है। ये आतंकवाद पाकिस्तान को ले डूबेगा और इसमें ज्यादा दिन नहीं बचे हैं। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान का अध्यात्मिक जगत में कोई अस्तित्व नहीं है। जिसका अपना वास्तविक अस्तित्व न हो, उसकी एक निश्चित लाइफ होती है। अब पाकिस्तान का समय पूरा हो गया है। उसके अंत की शुरूआत हो चुकी है और आतंकवाद ही उसके अंत का कारण बनेगा।

उन्होंने कहा कि पिछली सरकारों में अयोध्या को अव्यवस्थाओं में झोंककर इसे अपमानित करने का कार्य किया गया। वहीं 2014 और 2017 के बाद डबल इंजन की सरकार में अयोध्या का विकास डबल स्पीड से हुआ है। योगी ने कहा कि देश को सनातन धर्म के मार्ग में बाधा डालने वालों को चिह्नित करना होगा।

सनातन धर्म भारत के अस्तित्व की पहचान है और इसकी गरिमा और सम्मान के विरुद्ध हमें कुछ भी स्वीकार नहीं है।

त्रेतायुगीन विरासत और सनातन धर्म का रक्षक है हनुमानगढ़ी

मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन की शुरूआत हनुमानगढ़ी के त्रेतायुगीन टीले को कोटि-कोटि नमन करते हुए कहा कि यहां से हनुमानजी महाराज ने अयोध्या धाम की रक्षा की है। उन्होंने बाबा अभयराम दासजी महाराज को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि यह श्रीहनुमत कथा मंडपम बाबा अभयराम दासजी की दूरदर्शिता और वैष्णव अखाड़ों की सनातन परंपरा का जीवंत प्रतीक है।

आतंकवाद के प्रसार में पाकिस्तान सरकार और उनकी आर्मी की भूमिका का पर्दाफाश कर रहे हम : संजय झा

एजेंसी
क्योटो। 'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता और पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद का पर्दाफाश करने के लिए संजय झा के नेतृत्व में भारत के सर्वदलीय सांसदों का एक प्रतिनिधिमंडल तीन दिवसीय दौरे पर जापान के क्योटो में है। क्योटो दौरे के दूसरे दिन समाचार एजेंसी के साथ बातचीत में संजय झा ने कहा, 'पहलगाम अटैक में निर्दोष लोगों को उनका धर्म पूछकर उनके परिवार के सामने मारा गया। ऐसे 26 लोग थे। ये सब कुछ पाकिस्तान में प्रशिक्षित आतंकियों ने किया। मुंबई आतंकी हमले से लेकर अब तक भारत में हुए सभी आतंकी हमलों में पाकिस्तान का हाथ रहा है। हमने इसके सबूत पाकिस्तान को दिए हैं लेकिन आतंक को बढ़ावा देने वाला देश सबूत लेकर क्या करेगा। पहलगाम अटैक से एक दिन पहले पाकिस्तान के आर्मी प्रमुख ने जो भाषण दिया था, वो उनकी सोच को दर्शाता है। संजय झा ने आगे कहा, पाकिस्तान में आतंकवाद के अस्तित्व का अंदाजा पूरी दुनिया को है। जो ओसामा बिन लादेन कहीं नहीं मिला था, वो पाकिस्तान में मिला। दुनिया में जहां भी आतंकी घटनाएं होती हैं, उनका कहीं न कहीं कोई कनेक्शन पाकिस्तान से निकल जाता है। झा ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्पष्ट कर दिया है कि हम आतंक नहीं सहेंगे और कोई भी हमला हमारे नागरिकों पर होगा तो हम आतंकी ठिकानों को

• 'जापान को हमने पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद की जानकारी दी और बताया कि वहां की आर्मी भी इसमें शामिल है।'

तो नष्ट करेंगे ही, पाकिस्तान के साथ भी वैसा ही बर्ताव करेंगे। अब पाकिस्तान के साथ बात भी सिर्फ आतंकवाद और पीओके पर होगी। यह हमारा संदेश है। झा ने कहा कि, हम जापान के विदेश मंत्री और पूर्व प्रधानमंत्री मिस्टर सुगा से मिले। जापान के सुरक्षा काउंसिल के चेयरमैन से मिले। सभी लोग आतंकवाद के खिलाफ भारत की लड़ाई में भारत के साथ मजबूती के साथ खड़े हैं। हमारे प्रधानमंत्री ने कहा है कि, आतंक और बातचीत एक साथ नहीं चल सकते, आतंक और व्यापार एक साथ नहीं चल सकते, खून और पानी एक साथ नहीं बह सकते। इससे स्पष्ट है कि पाकिस्तान से अब सिर्फ आतंकवाद और पीओके जैसे मुद्दों पर ही बात होगी और वो भी तब जब वहां की सरकार आतंकवाद को समाप्त करने के लिए कदम उठाए। जापान को हमने पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद की जानकारी दी और बताया कि वहां की आर्मी भी इसमें शामिल है। हम आतंकवाद को बढ़ाने में पाकिस्तान की बतौर प्रायोजक भूमिका का पर्दाफाश कर रहे हैं।

जयशंकर का बचाव कर रहे भाजपा सांसद को कांग्रेस का करारा जवाब

एजेंसी
चंडीगढ़। सैन्य कार्रवाई से पाकिस्तान को सूचित करने पर विदेश मंत्री एस जयशंकर को आड़े हाथ ले रहे कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद निशिकांत दुबे के पलटवार का करारा जवाब देते हुए कांग्रेस ने कहा है कि श्री दुबे जिस समय का हवाला दे रहे हैं तब तत्कालीन केंद्र सरकार से कांग्रेस समर्थन वापस ले चुकी थी। कांग्रेस संचार विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने कहा कि भाजपा सांसद जिस तथ्य को लेकर विदेश मंत्री का बचाव कर रहे हैं उसकी उन्हें सही जानकारी नहीं है इसलिए इस बारे में सहयोगी सांसद नीरज शेखर से ज्यादा जानकारी हासिल कर सकते हैं। उन्होंने भाजपा सांसद का जवाब देते हुए लिखा 'इस व्यक्ति की जानकारी दुरुस्त कर दें कि कांग्रेस पार्टी ने चंद्रशेखर सरकार से समर्थन फरवरी 1991 में ही वापस ले लिया था। दसवीं लोकसभा के चुनाव घोषित हो चुके थे। आगे की जानकारी के लिए यह अपनी पार्टी के साथी एमपी नीरज शेखर से संपर्क कर सकते हैं।' गौरतलब है कि श्री दुबे ने श्री गांधी को संबोधित करते हुए एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा था 'राहुल गांधी जी यह आपकी बनाई हुई सरकार के समय का समझौता है। वर्ष 1991 में आपकी पार्टी समर्थित सरकार ने यह समझौता किया कि किसी भी आक्रमण या सेना के मूवमेंट की जानकारी का आदान प्रदान भारत एवं पाकिस्तान एक दूसरे से करेगा। क्या यह समझौता देशद्रोह है। कांग्रेस का हाथ पाकिस्तानी वोट बैंक के साथ ,विदेश मंत्री डॉ एस जयशंकर जी पर आपत्तिजनक टिप्पणी आपको शोभा देता है।'

पूर्वोत्तर राज्य बन रहे भारत का डिजिटल गेटवे: पीएम मोदी

• **प्रधानमंत्री ने पूर्वोत्तर को देश का विविधता से परिपूर्ण हिस्सा बताया।**

एजेंसी
नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नॉर्थ ईस्ट को भारत का डिजिटल गेटवे बताया। नॉर्थ ईस्ट में एजुकेशन और स्किल डेवलपमेंट इकोसिस्टम को लेकर केंद्र सरकार की क्या प्लानिंग है और अब तक उन्होंने कैसे इस पर काम किया है इसकी जानकारी भी पीएम मोदी ने दी। पीएम मोदी ने कहा, बीते दशक में 21,000 करोड़ रुपए नॉर्थ ईस्ट के एजुकेशन सिस्टम पर निवेश किए गए हैं। करीब 850 नए स्कूलों का निर्माण किया गया है। 9 नए मेडिकल कॉलेज बनाए गए हैं। मिजोरम में इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ मास कम्युनिकेशन का कैंपस बनाया गया है। करीब 200 नए स्किल डेवलपमेंट इंस्टिट्यूट स्थापित किए

गए हैं। शुक्रवार को 'राइजिंग नॉर्थईस्ट इंवेस्टर समिट' के मंच से सभा को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि इस भव्य मंच पर आकर मन गौरव से भर गया है और यहां भविष्य को लेकर अपार विश्वास नजर आता है। उन्होंने कहा, 'अभी कुछ समय पहले यहां भारत मंडपम में हमने अष्टलक्ष्मी महोत्सव मनाया था और आज हम यहां नॉर्थईस्ट में इंवेस्टमेंट का उत्सव मना रहे हैं। इस कार्यक्रम का हिस्सा बड़ी संख्या में आए इंडस्ट्री लीडर्स बने हैं, जो दिखाता है कि नॉर्थईस्ट को लेकर सभी में उत्साह, उमंग और नए सपने हैं।' प्रधानमंत्री ने पूर्वोत्तर को देश का विविधता से परिपूर्ण हिस्सा बताया। बोले, 'भारत, दुनिया के समक्ष सबसे डायवर्स नेशन के रूप में अपनी एक अलग पहचान बनाता है और नॉर्थईस्ट इस डायवर्स नेशन का डायवर्स हिस्सा है। ट्रेड से ट्रेडिशन तक, टेक्सटाइल से टूरिज्म तक पूर्वोत्तर राज्य की डायवर्सिटी इसकी बहुत बड़ी ताकत है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि देश 2047 तक विकसित भारत बनने की राह पर अग्रसर है और इस सपने को पूरा करने के लिए पूर्वी भारत का विकास मायने रखता है। उन्होंने विकसित भारत के लक्ष्य में नॉर्थईस्ट की महत्ता पर जोर देते हुए कहा, 'पूर्वोत्तर भारत का सबसे अहम अंग है। हमारे लिए ईस्ट का मतलब, एम्पावर, एक्ट, स्ट्रेंथ और ट्रांसफॉर्म से है।'पीएम मोदी ने कहा कि पिछले 11 वर्षों में पूर्वोत्तर राज्यों में एक बड़े परिवर्तन के दौर से गुजरा है, जो आंकड़ों तक सीमित न होकर जमीन पर महसूस होने वाला बदलाव है। उन्होंने इंफ्रास्ट्रक्चर को लेकर कहा कि हमने इंफ्रास्ट्रक्चर को केवल ईंट और सीमेंट से नहीं देखा बल्कि उसे इमोशनल कनेक्ट का रास्ता बनाया। हमने लुक ईस्ट से आगे बढ़कर एक्ट ईस्ट का मंत्र अपनाया। उन्होंने आगे कहा, 'एक समय था जब नॉर्थ ईस्ट को केवल फ्रंटियर रिजन के रूप में जाना जाता था, वहीं आज नॉर्थ ईस्ट ग्रोथ का फ्रंट रनर बन रहा है।'

ग्वालियर हाईकोर्ट में अंबेडकर मूर्ति विवाद में कूदी मायावती, बोलीं राज्यपाल, कोर्ट और सीएम मूर्ति कराए स्थापित

एजेंसी
लखनऊ। ग्वालियर हाईकोर्ट में संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा लगाने को लेकर चल रहे विवाद में बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती भी कूद गई हैं। उन्होंने न्यायालय, राज्यपाल और मुख्यमंत्री से सम्मानपूर्वक मूर्ति स्थापित कराने की मांग उठाई है। बसपा मुखिया मायावती ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा कि मध्य प्रदेश हाईकोर्ट खंडपीठ ग्वालियर में अधिवक्ताओं की मांग व उन्हीं के आर्थिक सहयोग से बाबासाहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की मूर्ति लगाने की अनुमति माननीय कोर्ट द्वारा दी गई तथा कोर्ट के निर्देशन में ही स्थान का चयन एवं चबूतरा बनाया गया और मूर्ति भी बनकर तैयार हुई।

उन्होंने आगे कहा कि किंतु कुछ जातिवादी सोच से ग्रसित अधिवक्ताओं द्वारा मूर्ति स्थापना का विरोध किया जा रहा है। सोशल मीडिया पर भड़काऊ वक्तव्यों के बावजूद इन पर कार्रवाई नहीं की गई। बाबासाहेब के विरोधियों को यह समझना होगा कि सदियों से उपेक्षित बहुजन समाज अब अपना सम्मान पाना चाहता है। बसपा मुखिया मायावती ने कहा कि मध्य प्रदेश के

राज्यपाल, उच्च न्यायालय तथा माननीय मुख्यमंत्री भी मूर्ति लगाने में आ रही बाधाओं को दूर करके, तत्काल उच्च न्यायालय खण्डपीठ ग्वालियर में संविधान निर्माता, भारतरत्न बाबासाहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की मूर्ति को सम्मानपूर्वक स्थापित कराएं, यह अनुरोध।

राहुल गांधी पुंछ में पाकिस्तानी गोलाबारी के पीड़ितों से मिलेंगे

नयी दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी शनिवार को जम्मू- कश्मीर के पुंछ क्षेत्र का दौरा करेंगे और वहां सैन्य कार्रवाई के दौरान पाकिस्तानी गोलाबारी से पीड़ित लोगों से मुलाकात करेंगे। कांग्रेस संचार विभाग के प्रभारी जयराम रमेश शुक्रवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि श्री गांधी 24 मई शनिवार को जम्मू-कश्मीर के पुंछ इलाके के दौरे पर रहेंगे और इस दौरान वह पुंछ क्षेत्र में पाकिस्तान की तरफ से की गई गोलाबारी के पीड़ित लोगों से मुलाकात करेंगे। उन्होंने कहा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी कल 24 मई को पुंछ का दौरा करेंगे, जहां वे हाल ही में पाकिस्तान द्वारा की गई गोलाबारी के दौरान पीड़ित परिवारों से मिलेंगे। इससे पहले वह 25 अप्रैल को पहलगाम आतंकी हमले में घायल हुए लोगों और कई अन्य हितधारकों से मिलने श्रीनगर गए थे। उन्होंने उस समय जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा और मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला से भी मुलाकात की थी।

सीतारमण से मिले हिमाचल के मुख्यमंत्री सुक्खू

नयी दिल्ली। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से मुलाकात कर उनसे राज्य के विभिन्न बजटीय एवं वित्तीय मुद्दों के समाधान का आग्रह किया है। राज्य के सूचना विभाग में यह जानकारी देते हुए आज बताया कि उन्होंने गुरुवार रात को श्रीमती सीतारमण से भेंट कर राज्य सरकार से जुड़े मुद्दों पर ध्यान देने का आग्रह किया। इस दौरान उन्होंने तुर्की से सेब आयात के मुद्दे पर चर्चा करने के साथ ही प्रदेश के सेब उत्पादकों के हितों की रक्षा के लिए सेब पर आयात शुल्क में सर्वव्यापी वृद्धि करने का भी आग्रह किया। मुख्यमंत्री ने वित्त मंत्री से हिमाचल प्रदेश तथा अन्य विशेष श्रेणी राज्यों की उधार सीमा कम से कम दो प्रतिशत बढ़ाने का आग्रह किया। मुख्यमंत्री ने जल शक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल से भी भेंट की और जल जीवन मिशन के तहत लंबित राशि को शीघ्र जारी करने का आग्रह किया। पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत से उन्होंने पर्यटन परियोजनाओं के लिए लंबित धनराशि जारी करने का आग्रह कर प्रदेश की लम्बित विभिन्न पर्यटन परियोजनाओं को स्वीकृत करने का आग्रह किया।श्री सुक्खू ने विद्युत मंत्री मनोहर लाल खट्टर से प्रदेश के हितों से जुड़े कई अहम मुद्दों पर चर्चा कर सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों और केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों द्वारा संचालित जलविद्युत परियोजनाओं में राज्य की मुफ्त बिजली हिस्सेदारी बढ़ाने का आग्रह किया।

कार के पलटने से तीन युवकों की मौत, एक युवक घायल

भोपाल। मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल के बैरागढ़ में चिरायु अस्पताल के पास एक तेज रफ्तार कार के अनियंत्रित होकर पलट जाने से तीन युवकों की मौत हो गई और एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया है। पुलिस सूत्रों ने आज बताया कि बैरागढ़ क्षेत्र में स्थित चिरायु अस्पताल के पास कल देर रात एक कार डिवाइडर से टकरा कर पलट गई। इस हादसे में कार सवार प्रीत आहूजा, विशाल डाबी और पंकज सिसोदिया की मौत हो गई, जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। सभी युवक भोपाल के निवासी बताए गये हैं।

मोदी सरकार से पहले पाकिस्तान को कभी नहीं मिला था करारा जवाब : अमित शाह

• **'हमने न तो सेना और न ही एयरबेस को छुआ, हमने सिर्फ आतंकी अड्डों पर हमला किया था'**

एजेंसी
नई दिल्ली। सीमा सुरक्षा बल अलंकरण समारोह को संबोधित करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, '... ऑपरेशन सिंदूर तब बना जब हमारे प्रधानमंत्री की दृढ़ राजनीतिक इच्छाशक्ति, हमारी खुफिया एजेंसियों की सटीक जानकारी और सेना की मारक क्षमता का अद्भुत प्रदर्शन एक साथ आए। जब ये तीनों एक साथ आए तो ऑपरेशन सिंदूर बना... हमारा देश कई दशकों से पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद का सामना कर रहा है। पाकिस्तान ने कई बड़ी घटनाओं को सालों से अंजाम दिया लेकिन उसे माकूल जवाब नहीं दिया गया... 2014 में नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री बने, भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली सरकार बनी और पहला बड़ा हमला उरी में हमारे सैनिकों पर हुआ, उन्हें जिंदा जलाने का साहस किया और

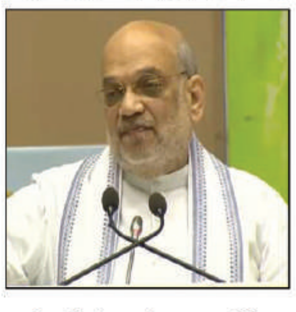

हमने उरी के तुरंत बाद सर्जिकल स्ट्राइक करके पहली बार आतंकियों के ठिकानों में घुसकर उन्हें मुंहतोड़ जवाब देने का काम किया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, '...जब यह निर्णय लिया गया कि एक सीमा पर एक बल सुरक्षा प्रदान करेगा, तो BSF को 2 सबसे कठिन सीमाओं - बांग्लादेश और पाकिस्तान की रक्षा करने की जिम्मेदारी दी गई थी और आपकी क्षमताओं को देखते हुए, आपने इसे बहुत अच्छी तरह से सुरक्षित किया है। ऑपरेशन सिंदूर की कामयाबी बताते हुए अमित शाह ने कहा, 8 मई को दो बड़े आतंकी अड्डों को ध्वस्त किया गया . हमने न तो सेना और न ही एयरबेस को छुआ, हमने सिर्फ आतंकी अड्डों पर हमला किया था, लेकिन पाकिस्तान ने साबित कर दिया कि आतंकियों पर हमला उनकी सेना पर हमला है. पाकिस्तान ने आतंकी कार्रवाई के खिलाफ हम पर सैन्य कार्रवाई की हमने 9 तारीख को उनके एयरबेस को उड़ा दिया.

पीएम मोदी के रहते दूसरे गठबंधन में नहीं जा सकता : चिराग पासवान

• **चिराग ने कहा कि एनडीए का गठबंधन काफी मजबूत है।**

एजेंसी
बिहार। बिहार में इस साल के अंत में होने वाले विधानसभा चुनाव के बीच आरजेडी नेता तेजस्वी यादव के साथ केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान की मुलाकात ने सियासी गलियारों में हलचल पैदा कर दी। राजनीति गलियारों में चर्चा होने लगी कि क्या तेजस्वी और चिराग एक साथ आ सकते हैं! राजनीति के गलियारों में लगाए जा रहे इन कयासों को केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने सिरे से नकार दिया है। समाचार एजेंसी से बातचीत के दौरान केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने कहा कि अगर दूसरे गठबंधन में मुझे जाना होता तो मैं साल 2020 में जा सकता था। 2020 में जब मैं गठबंधन से अलग हुआ था, तो मैं किसी वैकल्पिक गठबंधन में जा सकता था। संभव है कि मेरा प्रदर्शन बहुत ज्यादा बेहतर रहता और बिहार

में हमलोग एक मजबूत स्थिति में होते। पर उस वक्त भी मैंने गठबंधन से अलग होकर अकेले चुनाव लड़ना पसंद किया, किसी का वैकल्पिक गठबंधन नहीं बना। मीडिया में जिस वीडियो का जिक्र किया जा रहा है, तो मैं साफ कर देना चाहता हूं कि तेजस्वी मेरे छोटे भाई हैं, उनके परिवार को हमेशा मैंने अपना परिवार माना है। लालू प्रसाद यादव मेरे लिए पिता जैसे और राबड़ी देवी मां जैसी हैं। चिराग पासवान ने आगे कहा कि इस बात को हमेशा मैंने स्वीकार किया है। ऐसे में वो परिस्थिति जहां पर उनसे मेरी मुलाकात हुई, ये भी भारत के लोकतंत्र की उन खूबसूरत तस्वीरों में से है, जहां पक्ष, विपक्ष सब एकजुट होकर हमारे शहीद और उनके परिवारों के लिए खड़ा है। जहां वो भी उस शहीद परिवार से ही मिलने गए थे, जिन्होंने अपनों को खोया, वहीं मैं भी पहुंचा था। इस दौरान उनसे मुलाकात हुई।

सीएम साय और उपमुख्यमंत्री शर्मा ने नक्सली हमले में शहीद हुए कमांडो को दी श्रद्धांजलि

एजेंसी
रायपुर। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने नारायणपुर के अबूझमाड़ वन क्षेत्र में नक्सलियों के साथ मुठभेड़ में शहीद हुए कोबरा बटालियन के जवान सोलंकी मेहुल भाई को श्रद्धांजलि दी। दोनों नेताओं ने 21 मई को शहीद हुए सोलंकी के पार्थिव शरीर को कंधा देकर उनकी वीरता और बलिदान को नमन किया। यह मुठभेड़ बीजापुर के उसूर क्षेत्र में माओवाद विरोधी अभियान के दौरान हुई थी। मुख्यमंत्री साय ने कहा, '22 मई को बीजापुर में गुजरात के निवासी सोलंकी मेहुल भाई ने माओवादियों के खिलाफ मुकाबले में अदम्य साहस का परिचय देते हुए वीरगति प्राप्त की। हम उनकी शहादत को नमन करते हैं। भगवान से प्रार्थना है कि उनकी आत्मा को शांति प्रदान करें। मेहुल सोलंकी की शहादत व्यर्थ नहीं

जाएगी। आने वाले दिनों में बस्तर क्षेत्र में शांति स्थापित होगी।' उन्होंने आगे कहा कि पिछले डेढ़ साल से सुरक्षा बल नक्सलवाद के खिलाफ मजबूती से लड़ रहे हैं और लगातार अभियानों में सफलता हासिल कर रहे हैं। 31 मार्च 2026 तक पूरे देश से नक्सलवाद को समाप्त करने का संकल्प पूरा होगा। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने भी शहीद सोलंकी मेहुल भाई को श्रद्धांजलि अर्पित की और कहा कि उनकी वीरता और बलिदान छत्तीसगढ़ के लोगों के लिए प्रेरणा है। हमारे जवान नक्सलवाद के खिलाफ निर्णायक लड़ाई लड़ रहे हैं। यह बलिदान हमें और मजबूती से इस चुनौती का सामना करने के लिए प्रेरित करता है। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले के तुमरेल गांव के जंगल क्षेत्र में माओवादियों और सुरक्षा बलों के बीच हुई भीषण मुठभेड़ में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की कोबरा बटालियन के एक कमांडो शहीद हो गए थे, जबकि एक माओवादी मारा गया। इस मुठभेड़ में दो अन्य कोबरा कमांडो भी घायल हुए हैं। मुठभेड़ उस समय शुरू हुई, जब माओवादियों की मौजूदगी की खुफिया जानकारी के आधार पर सुरक्षा बलों ने अभियान शुरू किया था।

गंगोत्री हाईवे पर पलटी तीर्थयात्रियों की बस, दस घायल

एजेंसी
उत्तरकाशी। गंगोत्री जा रही तीर्थ यात्रियों की एक बस धरासू गंगोत्री हाईवे पर शुक्रवार सुबह सवा छह बजे अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गई। दुर्घटना में दस यात्री घायल हुए हैं, जिनमें आठ की हालत गंभीर बताई जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस, एसडीआरएफ समेत रेस्क्यू टीमें मौके लिए रवाना हुई हैं। बताया गया है कि उत्तरप्रदेश, मध्य प्रदेश के 41 श्रद्धालुओं को लेकर एक बस गंगोत्री धाम जा रही थी। गंगोत्री हाईवे पर नालूपानी के पास श्रद्धालुओं की बस सड़क पर ही पलट गई। हादसे में कम से कम दस तीर्थयात्री घायल हुए हैं। घटना की सूचना पर अपर जिलाधिकारी पीएल शाह उत्तरकाशी स्थित चार धाम यात्रा स्टार्ट कंट्रोल रूम पहुंच गए। उन्होंने बताया कि सभी घायल तीर्थयात्रियों का रेस्क्यू कर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र डुंडा भेजा जा गया, जहां उनका उपचार चल रहा है। उन्होंने बताया कि यात्री सामान्य रूप से घायल बताए गए हैं। गंगोत्री हाईवे पर बस सड़क पर ही

पलट गई। गनीमत यह रही कि बस यदि खाई में गिरती तो बड़ा हादसा हो सकता था। बस में चालक परिचालक समेत 43 तीर्थयात्री सवार थे, जिसमें 10 तीर्थयात्री घायल हो गए। इनमें कुछयात्रियों की हालत गंभीर बताई जा रही है। विस्तृत खबर की प्रतीक्षा है।

छत्तीसगढ़ के अबूझमाड़ में मारे गए केशव राव सहित 12 करोड़ 33 लाख के इनामी 27 नक्सलियों की हुई शिनाख्त

एजेंसी
नारायणपुर। छत्तीसगढ़ के सुकमा, बीजापुर और नारायणपुर जिले की सीमा पर अबूझमाड़ के गोटेर मुठभेड़ में मारे गए 27 नक्सलियों की शिनाख्त हो चुकी है। इन पर 12 करोड़ 33 लाख रुपये का इनाम था। संगठन के महासचिव और शीर्ष नक्सली लीडर नम्बाला केशव राव उर्फ बसव राजू पर 10 करोड़ रुपये का इनाम था। अकेले छत्तीसगढ़ सरकार ने उस पर एक करोड़ का इनाम घोषित किया था। मारे गए नक्सलियों में से दो आंध्र प्रदेश और तीन तेलंगाना के थे, बाकी सभी बस्तर संभाग के सात जिलों में से थे। 25 लाख का इनामी जंगु नवीन उर्फ मधु भी मारा गया है। मधु आंध्र प्रदेश के प्रकाशम जिले का निवासी था। इसके साथ ही मारे गए नक्सलियों में संगीता, भूमिका, रोशन, सोमली पर 10-10 लाख रुपये का इनाम था। उगेन्द्र उर्फ विवेक, उंगा उर्फ नवीन, बुच्ची उर्फ बसंती, बीमे उर्फ भीमे, रवि वंडो, गीता, जुगो, विज्जा, छोटी, कोसी, ईडमे, सूर्या, कोसा, राजू, बदरू, मंडको, राजेश सहित 21 नक्सलियों पर 8-8 लाख रुपये का इनाम घोषित था। इस अभियान में एक महासचिव, पोलित ब्यूरो सदस्य, एक डीकेएसजेडसीएम, चार सीवाइपीसीएम, तीन पीपीसीएम, 18 पीएम पीएलजीए कंपनी नंबर-7 के सदस्य मारे गये हैं। इन पर छत्तीसगढ़ सरकार ने कुल 3.33 करोड़ का इनाम घोषित किया था। सीपीआई (माओवादी) महासचिव नंबाला केशव राव उर्फ बसव राजू और डीकेएसजेडसी व पीएलजीए (पीपुल्स लिबरिला गुरिल्ला आर्मी) के अन्य वरिष्ठ कमांडरों की मौजूदगी की खुफिया जानकारी मिली थी।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला का नागरिक अभिनंदन समारोह 25 मई को

एजेंसी
नई दिल्ली। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला का नागरिक अभिनंदन समारोह 25 मई को रांची के डंगरा टोली स्थित स्वर्ण भूमि बैंक्वेट हॉल में आयोजित किया जाएगा। यह कार्यक्रम शाम 5 बजे से शुरू होगा। राजस्थान फाउंडेशन, रांची चैप्टर की ओर से इसका आयोजन किया जा रहा है। दरअसल, लोकसभा अध्यक्ष 25 मई को जमशेदपुर में चैंबर ऑफ कॉमर्स के 75वें वर्षगांठ समारोह में भी शामिल होंगे। इसके बाद वे रांची आएंगे, जहां उनका नागरिक अभिनंदन किया जाएगा। 26 मई को वे दिल्ली के लिए रवाना होंगे। राजस्थान फाउंडेशन के अध्यक्ष अजय मारू और संयोजक मुकेश काबरा ने रांची के लोगों से आग्रह किया है कि 25 मई को शाम 5 बजे स्वर्ण भूमि सभागार में आयोजित स्वागत अभिनंदन समारोह में पहुंचकर इस ऐतिहासिक क्षण को स्मरणीय बनाएं।

गृह मंत्री शाह ने यमुना सफाई की समीक्षा की, दिल्ली में सीवेज प्रणाली में सुधार के दिए निर्देश

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने 32 रियल-टाइम जल गुणवत्ता निगरानी स्टेशनों की स्थापना की प्रगति की समीक्षा की बाद कहा कि यमुना सिर्फ एक नदी नहीं है, बल्कि हमारे लिए आस्था का प्रतीक भी है और इसीलिए इसकी सफाई प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली सरकार की प्राथमिकता है। एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता करते हुए गृह मंत्री शाह ने यमुना की सफाई, पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने तथा दिल्ली में सीवेज प्रणाली में सुधार के निर्देश दिए। एक आधिकारिक सूत्र ने बताया कि 10 जल गुणवत्ता निगरानी स्टेशन स्थापित किए जाएंगे, जबकि शेष 22 स्टेशन नदी में गिरने वाले प्रमुख नालों में जल गुणवत्ता की निगरानी करेंगे। नदी के लिए जल निगरानी स्टेशन स्थलों में ओखला बैराज, आईटीओ ब्रिज, पल्ला, आईएसबीटी ब्रिज और निजामुद्दीन ब्रिज शामिल हैं। गृह मंत्री शाह की अध्यक्षता में हुई बैठक में केंद्रीय आवास एवं शहरी मामलों के मंत्री मनोहर लाल, केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, केंद्रीय गृह सचिव, आवास एवं शहरी मामलों के मंत्रालय और जल शक्ति मंत्रालय के सचिव, दिल्ली के मुख्य सचिव और केंद्र तथा दिल्ली सरकार के कई वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए।

सुप्रीम कोर्ट से जमानत के बाद सोनीपत जेल से रिहा हुए प्रोफेसर अली

नई दिल्ली /सोनीपत। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान विवादित पोस्ट डालकर सुर्खियों में आए अशोका यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर अली खान सोनीपत जेल से बाहर आ गए। सुप्रीम कोर्ट ने उनकी जमानत मंजूर की थी। जेल से बाहर आने के बाद प्रो. खान ने मीडिया से किसी तरह की बात नहीं की। गुरुवार की शाम अचानक जेल के बाहर चहल-पहल बढ़ गई और आरोपित अली खान को रिहा कर दिया गया। उनके वकील कोर्ट से जारी जमानत आदेश के दस्तावेज लेकर जेल पहुंचे तो 56 मिनट के बाद प्रोफेसर अली खान जेल से बाहर निकले और यूपी नंबर की क्रेटा गाड़ी में बैठाकर तुरंत रवाना हो गए। जेल गेट से निकलते ही गाड़ी इतनी तेज रफ्तार में थी कि उनकी कार एक दोपहिया वाहन से टक्कर लग गई। गनीमत यह रही कि स्कूटी सवार महिला को कोई गंभीर चोट नहीं आई। प्रोफेसर अली के वकील ने कोर्ट में यह दलील दी कि उनकी टिप्पणी अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के दायरे में आती है। कई मानवाधिकार संगठनों और शिक्षाविदों ने भी अली के समर्थन में आवाज उठाई। अंततः सुप्रीम कोर्ट ने उनकी याचिका को स्वीकारते हुए यह स्पष्ट किया कि गिरफ्तारी उचित नहीं थी और उन्हें सशर्त जमानत दे दी गई।

केंद्र सरकार ने सरकारी आवास परियोजनाओं में दिव्यांगजनों के लिए 4 फीसदी आरक्षण की घोषणा की

नई दिल्ली। आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय ने समावेशी शासन की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए केंद्र सरकार के आवास योजना में दिव्यांगजनों के लिए 4 फीसदी आरक्षण की घोषणा की है। यह पहल दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016 के प्रावधानों के अनुरूप है और इसका उद्देश्य सार्वजनिक सेवाओं में समानता, सम्मान और पहुंच सुनिश्चित करना है।मंत्रालय की ओर से जारी एक आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, केंद्र सरकार के आवास के आवंटन में विकलांग व्यक्तियों को 4 प्रतिशत का आरक्षण प्रदान किया जाएगा, जो सार्वजनिक सेवाओं में समानता, सम्मान और पहुंच की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा। यह निर्णय दिव्यांगजनों के लिए न केवल आवासीय सुविधाओं तक पहुंच को आसान बनाएगा, बल्कि उनके जीवन स्तर को बेहतर करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

ऑपरेशन सिंदूर पर यूएई में भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने किया नेतृत्व और मीडिया से संवाद

एजेंसी
नई दिल्ली। भारत के कूटनीतिक संवाद के तहत शिवसेना सांसद डॉ. श्रीकांत शिंदे के नेतृत्व में एक उच्चस्तरीय सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में वहां के नेतृत्व और मीडिया से संवाद किया। उन्होंने 'ऑपरेशन सिंदूर' की महत्ता पर प्रकाश डाला और सीमा-पार आतंकवाद के खिलाफ भारत की मजबूत नीति को स्पष्ट किया। प्रतिनिधिमंडल आज अबूधाबी पहुंचा। यूएई प्रतिनिधिमंडल के चार देशों की यात्रा का पहला पड़ाव रहा। यूएई स्थित भारतीय दूतावास ने इस संबंध में प्रेस विज्ञप्ति जारी की। इसके अनुसार, प्रतिनिधिमंडल ने यूएई के नेतृत्व और मीडिया के साथ मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल में शिंदे के अलावा सांसद बांसुरी स्वराज, मोहम्मद बशीर, अतुल गर्ग, सस्मित पात्र, मनन कुमार मिश्रा, सुरेंद्रजीत सिंह अहलूवालिया और पूर्व राजदूत सुजन चिनॉय शामिल हैं।प्रतिनिधिमंडल ने यूएई के सहिष्णुता और सह-अस्तित्व मंत्री शेख नहयान मबारक अल नहयान से मुलाकात की। उन्होंने पहलगाम आतंकी हमले पर गहरी संवेदना प्रकट की। बैठक में प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि पाकिस्तान भारत में आतंकवाद प्रायोजित कर रहा है और समाज में विघटन फैलाने की साजिशें रच रहा है। वहीं नहयान मबारक ने कहा कि भारत और यूएई मिलकर आतंकवाद का सामना करेंगे। यूएई हमेशा भारत के साथ खड़ा रहेगा। इसके अलावा प्रतिनिधिमंडल ने संघीय राष्ट्रीय परिषद की विदेश मामलों की समिति के अध्यक्ष डॉ. अली राशिद अल नुआइमी और अन्य अमीरात के अन्य सांसदों से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने ऑपरेशन सिंदूर' की सटीक, संयमित और गैर-उत्तेजक प्रकृति को रेखांकित किया। वहीं नुआइमी ने कहा कि भारत और यूएई का संबंध व्यापार और संस्कृति से आगे निकलकर सुरक्षा और रणनीतिक मुद्दों तक विस्तृत है। आतंकवाद मानवता के खिलाफ है और वैश्विक समुदाय को इसपर तत्काल कार्रवाई करनी चाहिए।

अंतिम सुनवाई के बाद भी लगे कि वक्फ कानून असवैधानिक है तो कोर्ट इसे रद्द कर सकता है : सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता

एजेंसी
नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में भी नए वक्फ कानून को चुनौती देने वाली कई याचिकाओं पर सुनवाई हुई। चीफ जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस एजी मसीह की बेंच के सामने केंद्र सरकार की तरफ से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने दलीलें रखीं।सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने किसी भी तरह के अंतरिम आदेश का विरोध करते हुए दलील दी कि अगर अंतिम सुनवाई के बाद कोर्ट को लगता है कि कानून असंवैधानिक है तो कोर्ट इसे रद्द कर सकता है। लेकिन, अगर कोर्ट अंतरिम आदेश से कानून पर रोक लगाता है और इस दौरान कोई संपत्ति वक्फ को चली जाती है, तो उसे वापस पाना मुश्किल हो जाएगा, क्योंकि वक्फ अल्लाह का होता है और एक बार जो वक्फ हो गया, उसे पाना आसान नहीं होगा। सॉलिसिटर जनरल मेहता ने कहा, ÷वक्फ बनाना और वक्फ को दान देना दोनों अलग हैं। यही कारण है कि मुसलमानों के लिए 5 साल की प्रैक्टिस की जरूरत रखी गई है, ताकि वक्फ का इस्तेमाल किसी को धोखा देने के लिए न किया जाए। तुषार मेहता ने सर्वोच्च अदालत को बताया कि मान लीजिए कि मैं हिंदू हूं और मैं वक्फ के लिए दान करना चाहता हूं, तो भी वक्फ को दान दिया जा सकता है। सॉलिसिटर जनरल ने ट्राइबल एरिया का जिक्र करते हुए कहा, ट्राइबल इलाकों में वक्फ संपत्तियों के बढ़ने के मामले में कोई आम व्यक्ति वहां जमीन नहीं खरीद सकता, क्योंकि राज्य का कानून इसकी अनुमति नहीं देता। लेकिन, अगर वही व्यक्ति वक्फ करना चाहे तो वक्फ करने के बाद मुतवल्ली (ट्रस्टी या देखभाल करने वाला) जो चाहे कर सकता है। यह व्यवस्था इतनी खतरनाक है।

भारत ने तुर्की और चीन से कहा, संबंध परस्पर संवेदनशीलता और सम्मान पर आधारित

एजेंसी
नई दिल्ली। विदेश मंत्रालय ने ऑपरेशन सिंदूर और उसके बाद पाकिस्तान के साथ खड़े तुर्कीये और चीन को स्पष्ट संदेश दिया है कि संबंध परस्पर संवेदनशीलता और सम्मान पर आधारित होते हैं। भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार ने 10 मई को चीन के विदेश मंत्री और सीमा मुद्दों पर विशेष प्रतिनिधि वांग यी से टेलीफोन पर वार्ता की। इस बातचीत के दौरान भारत ने पाकिस्तान से उत्पन्न होने वाले सीमा-पार आतंकवाद पर अपना कड़ा रुख स्पष्ट किया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता के अनुसार राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार ने वांग यी को स्पष्ट रूप से बताया कि भारत सीमा-पार आतंकवाद को किसी भी रूप में स्वीकार नहीं करता और इस संबंध में भारत का रुख पूरी तरह अडिग है। उन्होंने यह भी कहा कि भारत-चीन संबंध आपसी विश्वास, संवेदनशीलता और सम्मान की नींव पर आधारित हैं और इन मूल्यों के बिना संबंधों में

प्रगति संभव नहीं है। दूसरी ओर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने साप्ताहिक पत्रकार वार्ता में एक प्रश्न के उत्तर में तुर्कीये को भी यही संदेश दिया। प्रवक्ता ने कहा, हम अपेक्षा करते हैं कि तुर्की पाकिस्तान से सीमा-पार आतंकवाद का समर्थन बंद करने और दशकों से पाले गए 'आतंकवाद पारिस्थितिकी तंत्र' के विरुद्ध विश्वसनीय और प्रमाणिक कार्रवाई करने का आग्रह करेगा। सीमापार आतंकवाद जिसे पाकिस्तान ने दशकों से अपने यहां आश्रय दिया है। जैसा कि आप जानते हैं, रिश्ते एक-दूसरे की चिंताओं के प्रति संवेदनशीलता के आधार पर बनते हैं।

प्रवक्ता ने यह भी स्पष्ट किया कि तुर्की के 'सेलेबी' कंपनी से जुड़े मामले को भारत स्थित तुर्की दूतावास के साथ उठाया गया है। उन्होंने कहा कि इस विशेष निर्णय को 'नागर विमानन सुरक्षा ब्यूरो' द्वारा लिया गया है। भारत सरकार ने 15 मई 2025 को राष्ट्रीय सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए 'सेलेबी एयरपोर्ट सर्विसेज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड' और उसकी संबद्ध कंपनियों की 'सुरक्षा मंजूरी' रद्द कर दी। यह निर्णय 'नागर विमानन सुरक्षा ब्यूरो' द्वारा लिया गया।

रेलवे ने पिछले 11 वर्षों में अभूतपूर्व सुधार देखे हैं : अश्विनी वैष्णव

एजेंसी
नई दिल्ली।रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने राजस्थान के बीकानेर में एक कार्यक्रम में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय रेलवे ने पिछले 11 वर्षों में अभूतपूर्व सुधार देखे हैं। इन सुधारों के तहत 34,000 किलोमीटर से अधिक नई रेल पटरियों का निर्माण किया गया है और 47,000 किलोमीटर रेल मार्ग का विद्युतीकरण किया गया है। प्रधानमंत्री मोदी ने वंदे भारत, नमो भारत और अमृत भारत जैसी नई जनरेशन की ट्रेनें शुरू की हैं। इसके अलावा, पुराने आईसीएफ कोच को एलएचबी कोच में बदलने का काम मिशन मोड में किया गया है और 42,000 नए एलएचबी कोच बनाए गए हैं।प्रधानमंत्री मोदी ने रेलवे स्टेशनों के नवनिर्माण पर विशेष ध्यान दिया है। पिछले अगस्त में 1062 स्टेशनों की नींव रखी गई थी और अब 103 स्टेशनों का उद्घाटन

किया जा रहा है। अगले 8 महीनों में 100 और स्टेशनों का निर्माण पूरा हो जाएगा। 2027 तक 500 स्टेशनों का काम पूरा करने का लक्ष्य है। वैष्णव ने प्रधानमंत्री मोदी के प्रेरणादायी नेतृत्व की प्रशंसा की और कहा कि उनके नेतृत्व में रेलवे ने गरीब और मध्यम वर्ग के परिवारों के लिए एक अच्छा और सुगम साधन बन गया है।

अंतरिक्ष स्टेशन, गगनयान और चंद्र अभियानों की तैयारियों में जुटा भारतः इसरो प्रमुख

एजेंसी
नई दिल्ली। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (आईएसआरओ) के प्रमुख वी. नारायणन ने बताया कि भारत अपने पहले स्वदेशी अंतरिक्ष स्टेशन की दिशा में तेजी से काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि यह कदम देश के अंतरिक्ष कार्यक्रम को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा और भारत को वैश्विक स्तर पर अग्रणी अंतरिक्ष शक्तियों की श्रेणी में और मजबूत करेगा। कोलकाता के राममोहन मिशन में आयोजित एक कार्यक्रम के मौके पर मीडिया से बातचीत करते हुए नारायणन ने बताया कि देश की सुरक्षा और नागरिकों की भलाई के लिए अंतरिक्ष तकनीक का सक्रिय रूप से उपयोग किया जा रहा है। उन्होंने कहा, हमारे देश की समुद्री सीमा 11 हजार 500 किलोमीटर से भी अधिक है और साथ ही उत्तरी सीमा भी बेहद संवेदनशील है। इन सीमाओं की निगरानी के लिए सरकार

निरंतर कार्य कर रही है।57 सैटेलाइट दे रहे हैं सेवाएंनारायणन ने बताया कि वर्तमान में इसरो के 57 उपग्रह पृथ्वी की कक्षा में कार्यरत हैं, जो मौसम पूर्वानुमान से लेकर सुदूर क्षेत्रों में टेली-एजुकेशन तक विभिन्न सेवाएं दे रहे हैं। इन उपग्रहों की मदद से नागरिकों को समय पर जानकारी मिल रही है, जिससे कई क्षेत्रों में लाभ हो रहा है। 50 टन से अधिक वजनी होगा भारत का अंतरिक्ष स्टेशनइसरो प्रमुख ने बताया कि भारत द्वारा प्रस्तावित अंतरिक्ष स्टेशन का वजन 50 टन से अधिक होगा। यह परियोजना भारत की वैज्ञानिक क्षमता और वैश्विक स्पेस पावर बनने की महत्वाकांक्षा को दर्शाती है। हाल ही में पीएसएलवी-सी61/ईओएस-09 मिशन की विफलता पर नारायणन ने कहा कि यह इसरो के शानदार रिकॉर्ड में एक दुर्लभ अपवाद है और इससे भविष्य की योजनाओं पर कोई असर नहीं पड़ेगा।जल्द लांच होगा गगनयाननारायणन ने बताया कि भारत का पहला मानव अंतरिक्ष मिशन 'गगनयान' जल्द ही बिना किसी यात्री के परीक्षण उड़ान के रूप में प्रक्षेपित किया जाएगा। इसके बाद दो मानवयुक्त मिशन भी जल्द ही प्रक्षेपित किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि 'चंद्रयान-4' मिशन अगले ढाई वर्षों में प्रक्षेपित किया जाएगा, जिसका उद्देश्य चंद्रमा से सैंपल लाना है। वहीं, 'चंद्रयान-5' मिशन जापान के साथ मिलकर संचालित किया जाएगा। इसमें 6,400 किलोग्राम वजनी लैंडर और 350 किलोग्राम का रोवर शामिल होगा, जिसकी उम्र 100 दिन होगी। इसकी तुलना में चंद्रयान-3 का लैंडर 1,600 किलोग्राम और रोवर 25 किलोग्राम का था।

पाकिस्तान को वैश्विक स्तर पर अलग-थलग करने की कोशिश होनी चाहिएः जेएनयू अध्यक्ष नीतीश कुमार

एजेंसी
नई दिल्ली। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय छात्रसंघ (जेएनयूएसयू) के अध्यक्ष नीतीश कुमार ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए हालिया आतंकी हमले और उसके बाद भारत-पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने इस हमले की कड़ी निंदा करते हुए केंद्र सरकार की नीतियों और सुरक्षा चूक पर सवाल उठाए। साथ ही, उन्होंने कूटनीतिक समाधान पर जोर देते हुए युद्ध की स्थिति से बचने की अपील की। नीतीश कुमार ने अपने बयान में कहा कि भारत और पाकिस्तान, दोनों ही परमाणु शक्ति संपन्न देश हैं और युद्ध की स्थिति सबसे ज्यादा गरीब और कमजोर वर्गों को प्रभावित करती है। मेरा मानना है कि युद्ध की स्थिति से बचा जाए, क्योंकि इसका सबसे ज्यादा नुकसान आम जनता को उठाना पड़ता है। उन्होंने पहलगाम में हुए आतंकी हमले का जिक्र करते हुए कहा, ÷मैं इस हमले की कड़ी निंदा करता हूं, लेकिन इसके बाद देशभर में जिस तरह का नुकसान हुआ, वह सरकार की सुरक्षा चूक को दर्शाता है। सरकार ने इसकी जिम्मेदारी लिए बिना पाकिस्तान के खिलाफ कार्रवाई की, जो पहले से तय लगती है।÷

उन्होंने जोर देकर कहा कि पाकिस्तान द्वारा आतंकियों को शरण देने की समस्या को युद्ध या कूटनीतिक तरीकों से हल करना चाहिए। भारत को अपनी कूटनीतिक ताकत का उपयोग कर पाकिस्तान पर दबाव बनाना चाहिए, ताकि आतंकवाद को बढ़ावा देने वाले तत्वों को रोका जा सके।

मुख्यमंत्री तमांग ने केंद्रीय गृह मंत्री शाह को सिक्किम आने का निमंत्रण दिया

एजेंसी
गंगटोक। मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली में केंद्रीय मंत्रियों से निरंतर मुलाकात कर रहे हैं और उन्हें सिक्किम राज्य की स्थापना की 50वीं वर्षगांठ में शामिल होने का निमंत्रण दे रहे हैं। इसी क्रम में उन्होंने आज केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की। इस बैठक के दौरान मुख्यमंत्री तमांग ने सिक्किम की जनता की ओर से केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पूरे वर्ष मनाए जाने वाले स्मृति समारोहों में भाग लेने के लिए औपचारिक रूप से आमंत्रित किया।

मुख्यमंत्री ने आज सोशल मीडिया पर जानकारी दी की कि केंद्रीय गृह मंत्री ने निमंत्रण स्वीकार कर लिया है। मुख्यमंत्री ने ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के लिए केंद्रीय गृह मंत्री को हार्दिक बधाई दी। कहा कि आतंकवाद विरोधी अभियान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मजबूत नेतृत्व में आतंकवाद को खत्म करने के लिए राष्ट्र की मजबूत प्रतिबद्धता का प्रमाण है। इस मिशन की सफलता से हमारा राष्ट्रीय गौरव बढ़ा है तथा वैश्विक मोर्चे पर भारत की

बढ़ती ताकत और संकल्प का प्रदर्शन हुआ है। मुख्यमंत्री ने सिक्किम के लोगों के विकास और कल्याण के लिए केंद्रीय गृह मंत्री के समर्थन, मार्गदर्शन और प्रोत्साहन के लिए उनका हार्दिक आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग ने केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल खट्टर से मुलाकात की और उन्हें सिक्किम आने का निमंत्रण दिया। मुख्यमंत्री इससे पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से मुलाकात कर चुके हैं।

सीबीआई ने भ्रष्टाचार मामले में पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक के खिलाफ दाखिल की चार्जशीट, अस्पताल में भर्ती हैं मलिक

एजेंसी
नई दिल्ली। केन्द्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने भ्रष्टाचार के एक मामले में जम्मू-कश्मीर के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया है। सीबीआई अधिकारियों ने इसकी पुष्टि की है। आरोपपत्र में सत्यपाल मलिक के अलावा उनके दो निजी सचिवों और चार अन्य लोगों को आरोपी बनाया गया है। यह मामला जम्मू-कश्मीर में 624 मेगावाट की किरू जलविद्युत परियोजना से संबंधित है। आरोप है कि परियोजना के ठेका देने में अनियमितताएं हुई थीं। सीबीआई ने इस संबंध में 2022 में प्रारंभिक जांच शुरू की थी और बाद में मामला दर्ज किया गया था। जिसमें आज आरोप पत्र दाखिल किया गया। आरोप पत्र दाखिल होने की सूचना मिलने के कुछ देर बाद ही यह समाचार भी सामने आया है कि पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक बीमार हैं और अस्पताल में भर्ती हैं। अस्पताल में भर्ती होने की सूचना भी खुद उन्होंने ही पुष्ट की है। सत्यपाल मलिक के ट्वीटर हैंडल पर अस्पताल के बेड के चित्र समेत एक संदेश जारी किया गया है। इसमें सत्यपाल मलिक ने लिखा है नमस्कार साथियों। मेरे बहुत से शुभचिंतकों के फ़ोन आ रहे हैं जिन्हें उठाने में मैं असमर्थ हूं। अभी मेरी हालत बहुत खराब है। मैं किसी से भी बात करने की हालत में नहीं हूं। 11 मई से राम मनोहर लोहिया अस्पताल में भर्ती हूं।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने वीर जवानों को कीर्ति और शौर्य चक्र से किया सम्मानित

एजेंसी
नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राष्ट्रपति भवन में रक्षा अलंकरण समारोह 2025 के प्रथम चरण के दौरान सशस्त्र बलों, केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों और राज्य/संघ शासित प्रदेश पुलिस के कर्मियों को चार मरणोपरांत सहित छह कीर्ति चक्र और सात मरणोपरांत सहित 33 शौर्य चक्र प्रदान किए। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने जम्मू-कश्मीर राइफल्स की 5वीं बटालियन के सूबेदार संजीव सिंह जसरोटिया को शौर्य चक्र से सम्मानित किया। बारामुल्ला जिले में आतंकवाद विरोधी अभियान के दौरान उन्होंने गोलीबारी के बीच अद्वितीय साहस, निस्वार्थ समर्पण और असाधारण बहादुरी का परिचय दिया। उन्होंने एक आतंकवादी को मार गिराया और दो अन्य को घायल कर दिया था। राष्ट्रपति ने जम्मू-कश्मीर पुलिस के विशेष पुलिस अधिकारी अब्दुल लतीफ को शौर्य चक्र से सम्मानित किया। वहीं, स्क्वाड्रन लीडर दीपक कुमार, फ्लाइंग (पायलट) को शौर्य चक्र से सम्मानित किया गया। विंग कमांडर वर्नोन डेसमंड कीन, फ्लाइंग (पायलट) को शौर्य चक्र से सम्मानित किया गया। उन्होंने एक

मूल्यवान राष्ट्रीय संपत्ति की सुरक्षा सुनिश्चित करने और जमीन पर जानमाल के संभावित नुकसान को रोकने के लिए उत्कृष्ट पायलटिंग कौशल का प्रदर्शन किया था। राष्ट्रपति ने सीआरपीएफ के इंस्पेक्टर जेफरी हिंगचुल्लो को शौर्य चक्र से सम्मानित किया। झारखंड के चतरा जिले में एक ऑपरेशन में उनकी निडर कार्रवाई के परिणामस्वरूप शुरुआती गोलीबारी के दौरान दो माओवादियों को मार गिराया गया। वहीं, सीआरपीएफ के डिप्टी कमांडेंट विक्रांत कुमार को शौर्य चक्र का सम्मान मिला। उन्होंने झारखंड के चतरा जिले में उच्च जोखिम वाले नक्सल विरोधी अभियान में असाधारण वीरता और सामरिक कौशल का प्रदर्शन किया था। राष्ट्रीय राइफल्स की 44वीं बटालियन की राजपूत रेजिमेंट के मेजर विजय वर्मा को शौर्य चक्र से सम्मानित किया गया। आर्मी एविएशन स्क्वाड्रन कर्नल पवन सिंह को शौर्य चक्र से सम्मानित किया गया।

दिल्ली विधानसभा की पीएसी बैठक, प्रदूषण और शराब नीति पर सीएजी रिपोर्ट को लेकर चर्चा

एजेंसी
नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा की लोक लेखा समिति (पीएसी) की समिति प्रमुख अजय महावर की अध्यक्षता में हुई बैठक में राजधानी में वायु प्रदूषण और शराब बिक्री में अनियमितताओं पर कैग की रिपोर्ट पर चर्चा की गई। बैठक की शुरुआत सभी समिति सदस्यों के औपचारिक परिचय के साथ हुई, जिसके बाद नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) और पीएसी के बीच संबंधों और कार्य प्रक्रियाओं पर विस्तृत चर्चा हुई। बैठक में अरविंदर सिंह लवली, सतीश उपाध्याय, शिखा राय, कैलाश गहलोत, राजकुमार चौहान, आतिशी, वीरेंद्र कादयान और कुलदीप कुमार शामिल थे। बैठक में वरिष्ठ अधिकारियों में अतिरिक्त उप सीएजी, स्वास्थ्य विभाग के सचिव, आबकारी आयुक्त, परिवहन आयुक्त, अतिरिक्त मुख्य सचिव (पर्यावरण), दिल्ली विधानसभा के सचिव, वित्त सचिव और अन्य शामिल थे। पीएसी ने सीएजी रिपोर्ट में उजागर किए गए मुद्दों जैसे वायु प्रदूषण, राजधानी में शराब बिक्री में अनियमितताएं और स्वास्थ्य से जुड़े मामलों पर गंभीर चर्चा की। समिति ने पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न विभागों से विस्तृत जानकारी मांगी और भविष्य की कार्रवाई पर विचार-विमर्श किया।बैठक के दौरान पीएसी के अध्यक्ष अजय महावर ने कहा, लोक लेखा समिति का दायित्व केवल रिपोर्टों की समीक्षा करना नहीं है, बल्कि जनहित में शासन में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करना है। आज जिन विषयों पर चर्चा की गई, वे सीधे आम लोगों के जीवन से जुड़े हैं। हम यह सुनिश्चित करेंगे कि सीएजी रिपोर्ट में उठाई गई अनियमितताओं पर सार्थक चर्चा हो और सदन में एक ईमानदार रिपोर्ट पेश की जाए। इससे पहले, दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेन्द्र गुप्ता ने कहा कि विधानसभा ने सीएजी द्वारा ऑडिट पैराग्राफों की प्रभावी निगरानी के लिए केंद्र सरकार के ऑडिट पैरा मॉनिटरिंग सिस्टम (एपीएमएस) सॉफ्टवेयर का उपयोग करने का निर्णय लिया है। विजेन्द्र गुप्ता ने अतिरिक्त मुख्य सचिव (वित्त) आशीष चंद्र वर्मा को एपीएमएस को क्रियान्वित करने के निर्देश दिए।

संपादक की कलम से

सीवर में मौतों का अंतहीन सिलसिला

सीवर की सफाई करते समय मजदूरों की जान जाना कोई नहीं बात नहीं है। ये बात सुनने में थोड़ी कड़वी जरूर है, लेकिन है बिल्कुल सच। बीती छह मई को बठिंडा में एक ट्रीटमेंट प्लांट की सफाई लिए उतरे तीन लोग अपनी जान गंवा बैठे। इस घटना के हफ्ते बाद हरियाणा रोहतक के माजरा गांव में एक व्यक्ति और उसके दो बेटे एक-दूसरे को जहरीले मैनहोल से बचाने की कोशिश में एक के बाद एक मर गए। पंद्रह मई को फरीदाबाद में एक मकान मालिक ने नियुक्त सफाईकर्मी को बचाने के लिए सेप्टिक टैंक में छलांग लगा दी। दोनों की ही जहरीली गैस से दम घुटने से मौत हो गई। कितना दुखद है कि आज इक्कीसवीं सदी में भी सीवर-सेप्टिक टैंकों का काम मैनुअली कराया जाता है। इन टैंकों में सफाई करने के लिए उतारने वालों को सुरक्षा उपकरण तक मुहैया नहीं कराए जाते। दो चार दिन के हो हल्ले के बाद गाड़ी पुरानी पटरी पर दौड़ने लगती है। भले हम इस बात पर गर्व करें कि हमारा देश तकनीकी मामले में इतना आगे बढ़ गया है कि चांद पर सफलतापूर्वक चंद्रयान भेज रहा है। मंगल ग्रह पर पानी की खोज कर रहा है। पर इस बात पर शर्म महसूस होती है कि क्या हमारे पास इतनी भी क्षमता नहीं कि वह गटर या सीवर-सेप्टिक टैंकों की सफाई के लिए मशीनी तकनीक विकसित कर सके। यदि ये क्षमता है तो फिर क्यों गटरों-टैंकों की सफाई करते हुए मारे जा रहे हैं और यदि शासन-प्रशासन की लापरवाही से ये मौतें हो रही हैं तो फिर इन्हें मौतें नहीं बल्कि हत्याएं कहा जाएगा। देश में साल 1993 में पहली बार सीवरों की मैनुअल सफाई और मैला ढोने की प्रथा पर बैन लगाया गया था। इसके 20 साल बाद मैनुअल स्कैवेंजिंग एक्ट, 2013 के जरिए इस पर पूरी तरह पाबंदी लगा दी गई थी। कानून के मुताबिक, अगर मजदूरों को परिस्थितिवश अगर सीवर में उतरना पड़ता है को उनको 27 दिशानिदेर्शों का पालन करना होग।

इसके बाद भी आए दिन सीवर और सेप्टिक टैंक की सफाई के दौरान मजदूरों की मौत के मामले सामने आते रहे हैं। इससे पहले भी सीवर में सफाई के दौरान जानें जाने के मामले अलग-अलग जगहों से सामने आते रहे हैं। सामाजिक न्याय और अधिकारिता राज्य मंत्री रामदास अठावले ने राज्यसभा में आंकड़े शेयर कर बताया कि पिछले 31 सालों में 1248 जानें जा चुकी हैं। सीवर और सेप्टिक टैंक में सफाई के दौरान सबसे ज्यादा 253 जानें तमिलनाडु में गई। उसके बाद गुजरात में 183, उत्तर प्रदेश में 133 और दिल्ली में 116 लोगों की मौत हो चुकी है। देश के पास चांद तक पहुंचने की तकनीक है। लेकिन सीवर और सेप्टिक टैंक की सफाई के लिए आज भी मशीनों की कमी है। यही वजह है कि मजदूर इस जहरीली गैस वाले टैंकरों में खुद उतरकर सफाई करते हैं। कई बार तो उनकी जान तक चली जाती है।

विडंबना ही है कि रोजगार के रूप में हाथ से सफाई के रोजगार पर प्रतिबंध, सफाईकर्मियों के पुनर्वास अधिनियम 2013 तथा खतरनाक सफाई पर प्रतिबंध लगाने के सुप्रीम कोर्ट के आदेशों के बावजूद मौतों का सिलसिला थमा नहीं है। ऐसे मामलों में सुरक्षा प्रोटोकॉल की अनदेखी की जाती है। कानून के मुताबिक सफाई एजेंसियों के लिए सफाई कर्मचारियों को मास्क, दस्ताने जैसे सुरक्षात्मक उपकरण देना अनिवार्य है, लेकिन एजेंसियां अकसर ऐसा नहीं करतीं. कर्मचारियों को बिना किसी सुरक्षा के सीवरों में उतरना पड़ता है। एक सर्वे के अनुसार सीवर की सफाई में लगे लोगों में से 49 फीसदी को सांस संबंधी और 11 फीसदी से अधिक को त्वचा संबंधी कई परेशानियां हो जाती हैं। गटर/सीवर साफ करने वाले 90 फीसदी सफाई कर्मचारियों की 60 की उम्र से पहले ही मौत हो जाती है। उनके पास कोई उपकरण नहीं होता, जिससे पता लगाया जा सके कि सीवर में जहरीली गैस है या नहीं। ऐसे में ये हादसों के शिकार हो जाते हैं और अगर हादसों से बच जाते हैं तो इनके शरीर में बीमारियां घर कर जाती हैं जिससे ये भरी जवानी में ही मौत के शिकार हो जाते हैं। सीवर सफाई के लिए मशीनें खरीदने के दावों के बावजूद हाथ से सफाई का क्रम नहीं टूटता। कई जगह मशीनों के खरीदने पर करोड़ों का परिव्यय दिखाया गया, लेकिन जमीनी हकीकत नहीं बदली। मशीनें तो धूल फांक रही हैं और इंसानों को नरक में धकेला जा रहा है। प्रायः सरकारी तंत्र ठेकेदारों को दोषी ठहराकर जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लेता है। आखिर इन ठेकेदारों को काम पर कौन रखता है। निस्संदेह, सरकारी तंत्र भी इस आपराधिक लापरवाही के लिए जिम्मेदार है। आखिर सफाई कर्मियों से जुड़े सुरक्षा मानकों की निगरानी की जवाबदेही तय क्यों नहीं होती नगर पालिकाएं और राज्य एजेंसियां आउटसोर्सिंग की दुहाई देकर अपने कानूनी और नैतिक कर्तव्यों से बच नहीं सकती। निर्विवाद रूप से हमारे समाज पर मैनुअल स्कैवेंजिंग एक काला धब्बा है।

भारत में 70 फीसदी सीवेज लाइनों की सफाई आमतौर पर होती ही नहीं। 2015 में एक सर्वे में पता लगा कि तब हमारे देश में 810 सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट्स थे लेकिन चालू हालत में केवल 522 ही थे। बाकी या तो खराब थे या बनने की प्रक्रिया में थे।

मैक्सिको में सीवेज का पूरा सफाई का काम इकोलॉजिकल सेनिटेशन मॉडल पर होता है, ये मॉडल सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट्स से जुड़ा होता है। अमेरिका में मशीनों का इस्तेमाल होता है। वहां इसके लिए समुचित सुरंगें और उपकरण हैं। इससे ही काम होता है। इस काम में मानव का इस्तेमाल बहुत कम है। यूरोप में भी यही सिस्टम है। हमारे देश में सीवेज प्लांट्स में हर तरह की गंदगी गिरती है।

हीटवेव के दौरान अस्थमा मरीजों की बिगड़ सकती है सेहत

अस्थमा सांसों से जुड़ी क्रोनिक कंडीशन है. हीटवेव यानी लू और भीषण गर्मी के दौरान अस्थमा के लक्षण बढ़ने का खतरा रहता है. लू के कारण अस्थमा के मरीजों की समस्या बढ़ जाती है. ऐसे में उनको खास सावधानी बरतने की जरूरत है. हीटवेव के दौरान वायु प्रदूषण और ओजोन का स्तर बढ़ने की आशंका रहती है, जिससे अस्थमा के लक्षण गंभीर हो सकते हैं. इसके अलावा गर्मी और ह्यूमैडिटी से भी सांस की परेशानी बढ़ सकती है.

इस गंभीरता को ध्यान में रखते हुए अस्थमा के मरीजों को डॉक्टर की सलाह से नियमित दवाएं लेनी चाहिए। वायु प्रदूषण से बचने के लिए मास्क लगाना और घर में एयर प्यूरीफायर का प्रयोग भी लाभकारी हो सकता है. एक और बात का ध्यान रखें कि गर्मी के दौरान शरीर को अधिक पानी की आवश्यकता होती है. पर्याप्त पानी पीने से सांस संबंधी समस्याएं कम हो सकती हैं. सुबह-शाम नियमित रूप से हल्का व्यायाम करना और किसी अस्थमा अटैक जैसी स्थिति का सामना करने के लिए खुद को तैयार रखना भी जरूरी है. जहां तक संभव हो, घर के अंदर ही रहें. दिन में बाहर निकलना हो तो पूरी सतर्कता रखें.

अस्थमा के मरीजों कैसे रखें सेहत का ध्यान

अस्थमा के मरीजों गर्मियों के मौसम में अपने हाइड्रेशन का ध्यान रखना चाहिए.गर्मी और प्रदूषण से बचने के लिए घर के अंदर रहना और एयर प्यूरीफायर का उपयोग करना मददगार हो सकता है.अस्थमा के मरीजों को अपनी दवाएं नियमित रूप से लेना चाहिए.गर्मियों में एलर्जी के कारण अस्थमा के लक्षण बढ़ सकते हैं, इसलिए एलर्जी के स्त्रोतों से बचने का प्रयास करें. अस्थमा के मरीजों को धूल, मिट्टी से बचना चाहिए. अस्थमा के मरीजों के लिए जरूरी है कि वह अपने डॉक्टरों की सलाह पर एक्सरसाइज करना जरूरी है।

डोनाल्ड ट्रम्प ने यूक्रेन युद्ध शांति वार्ता की जिम्मेदारी पोप पर डाली

- टी एन अशोक

बहुप्रतीक्षित ट्रंप-पुतिन कॉल से पहले, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी और इटली के नेताओं ने कहा कि उन्होंने रविवार को ट्रंप से बात की। ब्रिटिश सरकार ने एक बयान में कहा कि वह 'पुतिन से शांति वार्ता को गंभीरता से लेने का आग्रह कर रही है।' बयान में कहा गया है कि उन नेताओं ने 'रूस द्वारा युद्धविराम और शांति वार्ता में गंभीरता से शामिल न होने पर प्रतिबंधों के इस्तेमाल पर भी चर्चा की'-

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने यूक्रेन और रूस के साथ चल रहे संघर्ष को समाप्त करने के लिए अपने शांति प्रयासों को लगभग बंद कर दिया है, क्योंकि सोमवार को तथाकथित दोस्त रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ उनकी दो घंटे की बातचीत नो एंट्री जोन में समाप्त हो गयी। वेटिकन अब रूसी और यूक्रेनी नेताओं के बीच शांति वार्ता की मेजबानी करने के लिए दृश्य में प्रवेश कर गया है।

कोई नहीं जानता कि राष्ट्रपति ट्रम्प ने शिकागो में जन्मे पोप लियो-१४ से मदद मांगी या नहीं, ताकि वे उन्हें बचा सकें और वार्ता की मेजबानी कर सकें, ताकि दोनों नेता उनकी बात सुन सकें। लेकिन वीपी जेडी वांस ने वास्तव में शिकागो के नये पोप लियो-१४ से मुलाकात की और यूक्रेन सहित वैश्विक स्थिति के बारे में बताया। ट्रम्प ने यूक्रेन में युद्ध के 'रक्तपात' को रोकने के प्रयास में सोमवार को रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की और अन्य नेताओं से अलग-अलग कॉल में बात की। लेकिन राष्ट्रपति की शांति पहल अनिर्णायक रही, जिससे वे निराश हो गये। ट्रम्प ने अपने सोशल नेटवर्क ट्रूथ सोशल पर एक पोस्ट में कहा कि-रूस और यूक्रेन अब 'तुरंत' युद्ध विराम पर सीधी बातचीत करेंगे।

हालांकि, यह स्पष्ट नहीं था कि ये वार्ता किस रूप में होगी या कब होगी। ट्रम्प ने कहा कि वेटिकन ने वार्ता की मेजबानी करने में रुचि व्यक्त की है। उन्होंने कहा, 'इसके लिए शर्तें दोनों पक्षों के बीच बातचीत से तय होंगी, क्योंकि ऐसा केवल इसलिए हो सकता है, क्योंकि वे वार्ता के विवरण जानते हैं, जिसके बारे में किसी और को पता नहीं होगा।' पुतिन के साथ ट्रम्प की कॉल दो घंटे से अधिक समय तक चली और 'बहुत जानकारीपूर्ण और बहुत खुली थी,' पुतिन ने रूसी राज्य मीडिया को बताया।

ट्रम्प ने जेलेंस्की के साथ अपनी बातचीत के बारे में बहुत कम कहा, जिनसे उन्होंने सबसे पहले बात की, सिवा इसके कि उन्होंने जेलेंस्की और अन्य नाटो देशों के नेताओं को वार्ता के बारे में सूचित कर दिया था। व्हाइट हाउस के अधिकारियों ने कोई और जानकारी देने से इनकार कर दिया। जेलेंस्की के अनुसार, ट्रंप ने सोमवार को जेलेंस्की से दो बार बात की, एक बार आमने-सामने, पुतिन के साथ ट्रंप की कॉल से पहले, और फिर यूक्रेनी और नाटो नेताओं के साथ एक कॉन्फ्रेंस कॉल के दौरान। जेलेंस्की ने ट्वीट किया, 'मैंने राष्ट्रपति ट्रंप से फिर से कहा कि-यूक्रेन पूर्ण और बिना शर्त युद्धविराम के लिए तैयार है।' उन्होंने लिखा, 'अगर रूसी हत्याओं को रोकने के लिए तैयार नहीं हैं, तो उन पर कड़े प्रतिबंध लगाये जाने चाहिए।' 'रूस पर दबाव उसे वास्तविक शांति की ओर ले जाएगा - यह दुनिया भर में सभी के लिए स्पष्ट है,' रोम में एनबीसी न्यूज के साथ सोमवार को एक साक्षात्कार में, जहां पोप लियो-१४ ने उनका स्वागत किया, उपराष्ट्रपति जेडी वांस ने कहा, यह जोड़ते हुए कि 'हमने पोप के साथ राष्ट्रपति की प्रमुख शांति पहलों के बारे में बात की। हमने इस बारे में बहुत बात की कि इजराइल और गाजा में क्या चल रहा है। हमने रूस-यूक्रेन की स्थिति के बारे में बहुत बात की। भविष्य की भविष्यवाणी करना कठिन है, लेकिन मुझे लगता है कि, न केवल पोप, बल्कि पूरे वेटिकन ने, आप जानते हैं, वास्तव में मददगार होने की इच्छा व्यक्त की है, और उम्मीद है कि एक शांति समझौते को सुविधाजनक बनाने के लिए मिलकर काम करना है। भविष्य की भविष्यवाणी नहीं की जा सकती, लेकिन यह बहुत सार्थक था, और मुझे उम्मीद है कि देश के लिए इसका फल मिलेगा।'

इस बीच, पुतिन के प्रवक्ता दिमित्रीपेसकोव ने कॉल से पहले कहा कि रूस 'अमेरिका को बहुत महत्व देता है' और 'अमेरिकी पक्ष का आभारी है।' पत्रकारों के साथ एक ब्रीफिंग में, उन्होंने कहा कि यदि अमेरिका 'शांतिपूर्ण तरीकों से हमारे लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद कर सकता है, तो यह वास्तव में बेहतर है।' पेसकोव से ट्रंप और पुतिन की व्यक्तिगत रूप से मुलाकात की संभावना के बारे में भी पूछा गया, जिसकी संभावना अमेरिकी राष्ट्रपति ने शुक्रवार को जताई थी। पेसकोव ने कहा, 'यह काफी हद तक इस बात पर निर्भर करेगा कि वे खुद क्या फैसला करते हैं।' उन्होंने कहा कि तारीखों और अन्य विवरणों के संदर्भ में दोनों नेताओं द्वारा बैठक पर 'काम करने की जरूरत है'।

बहुप्रतीक्षित ट्रंप-पुतिन कॉल से पहले, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी और इटली के नेताओं ने कहा कि उन्होंने रविवार को ट्रंप से बात की। ब्रिटिश सरकार ने एक बयान में कहा कि वह 'पुतिन से शांति वार्ता को गंभीरता से लेने का आग्रह कर रही है।' बयान में कहा गया है कि उन नेताओं ने 'रूस द्वारा युद्धविराम और शांति वार्ता में गंभीरता से शामिल न होने पर प्रतिबंधों के इस्तेमाल पर भी चर्चा की'- कुछ ऐसा जिसकी ट्रंप पहले भी धमकी दे चुके हैं। फरवरी २०२२ में शुरू होने के बाद से यूक्रेन पर रूसी आक्रमण को समाप्त करने के लिए कई दौर की शांति वाताएं हो चुकी हैं। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन सभी कब्जे वाली भूमि को रूसी के रूप में मान्यता देने, रूस को वे सभी क्षेत्र दिये जाने की मांग कर रहे हैं जिन पर उसका दावा है लेकिन उसका पूर्ण नियंत्रण नहीं है। फिर यह गारंटी भी कि यूक्रेन कभी भी नाटो में शामिल नहीं होगा, और वह रूस के खिलाफ प्रतिबंधों को हटाना चाहते हैं। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की रूसी सैनिकों की पूरी तरह वापसी, कैदियों और अपहृत यूक्रेनी बच्चों की वापसी, युद्ध अपराधों के लिए रूसी नेताओं पर मुकदमा चलाने और आगे रूसी आक्रमण को रोकने के लिए सुरक्षा गारंटी की मांग कर रहे हैं।

रूसी और यूक्रेनी अधिकारियों के बीच पहली बैठक आक्रमण शुरू होने के चार दिन बाद, २८ फरवरी २०२२ को बेलारूस में हुई और बिना किसी नतीजे के समाप्त हुई। बाद में वार्ता के दौर हुए- मार्च २०२२ में बेलारूस-यूक्रेन सीमा पर और तुर्की के अंताल्या में। तुर्की में बातचीत से एक समझौता हुआ जिसके अनुसार यूक्रेन नाटो में शामिल होने की योजना को छोड़ देगा और अपनी सेना पर सीमाएं लगायेगा, जबकि पश्चिमी देशों से सुरक्षा गारंटी होगी और रूस द्वारा क्रीमिया पर कब्जा करने को मान्यता देने की आवश्यकता नहीं होगी। मसौदा संधि पर लगभग सहमति बन गयी थी, लेकिन सुरक्षा गारंटी और बुचा नरसंहार पर असहमति ने अंततः वार्ता की सफलता को रोक दिया। डोनाल्ड ट्रम्प के संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति बनने के बाद २०२५ में नये सिरे से बातचीत शुरू हुई। ट्रम्प ने इस साल १२ फरवरी को पुतिन के साथ फोन पर बात की और उसके तुरंत बाद अमेरिकी अधिकारियों ने जेलेंस्की से मुलाकात की। सऊदी अरब शांति वार्ता के लिए प्राथमिक मेजबान देश के रूप में उभरा। अमेरिका-रूस शिखर सम्मेलन के बाद, ट्रम्प और जेलेंस्की के बीच संबंध खराब हो गये, जिसकी परिणति २८ फरवरी को दोनों के बीच हुई बैठक में हुई जिसमें अमेरिकी अधिकारियों ने यूक्रेफेनियों को बीच में ही चले जाने के लिए कहा और एक नियोजित यूक्रेन-अमेरिका खनिज राजस्व सौदे को छोड़ दिया। बैठक के बाद, ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टारमर और फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रोन ने यूक्रेन में सैनिकों के साथ 'इच्छुक गठबंधन' द्वारा संरक्षित युद्ध विराम की योजना बनायी। मार्च से रूस और यूक्रेन दोनों द्वारा कभी-कभी कुछ सीमित युद्ध विराम पर सहमति होती रही है।

भारत का सतर्कता बरतना आवश्यक !

हाल ही में भारत के थिंक टैंक 'सेंटर फॉर जॉइंट वारफेयर स्टडीज' ने एक खुलासा किया है कि चीन की सैटेलाइट मदद से पाकिस्तान को अपना एयर डिफेंस सिस्टम और रडार फिर से व्यवस्थित करने में मदद मिली। साथ ही चीन ने पाकिस्तान को एयर डिफेंस सिस्टम भी दिया था। वास्तव में, यह वाकई बहुत चिंताजनक बात है कि 22 अप्रैल 2025 को पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत पाकिस्तान के बीच हुए सीमा-संघर्ष में चीन ने खुलकर पाकिस्तान का समर्थन किया था।यह खुलासा हुआ है कि चीन ने पाकिस्तान को कूटनीतिक ही नहीं, बल्कि सैन्य समर्थन भी दिया था और चीन ने पाकिस्तानी सेना को सैटेलाइट सपोर्ट भी दिया था। पाठकों को बताता चलूं कि ब्लूमबर्ग ने अपनी एक रिपोर्ट में एक भारतीय थिंक टैंक के हवाले से यह दावा किया है। इस रिपोर्ट में यह बात कही गई है कि चीन ने पाकिस्तान के एयर डिफेंस सिस्टम और रडार को सही जगह पर तैनात करने के लिए अपनी सैटेलाइट्स की मदद दी थी, ताकि भारत की जवाबी कार्रवाई से बचा जा सके। कहना गलत नहीं होगा कि पाकिस्तान तो भारत के लिए सामरिक और आतंकवादी समस्या है ही, चीन भी भारत के लिए सामरिक चुनौती है। हालांकि, यह बात अलग है कि भारत सरकार ने सार्वजनिक तौर पर भारत पाकिस्तान संघर्ष में चीन के शामिल होने की बात नहीं की है, लेकिन पाकिस्तान ने कहा है कि उसने लड़ाई में चीनी हथियारों का इस्तेमाल किया। वास्तव में यह दशार्ता है कि चीन ने कूटनीतिक समर्थन से आगे बढ़कर पाकिस्तान को लॉजिस्टिक और खुफिया मदद के अलावा सैन्य मदद भी मुहैया कराई। इस रिपोर्ट की गंभीरता का अंदाजा मात्र इसी बात से लगाया जा सकता है कि जिस सेंटर फॉर जॉइंट वारफेयर स्टडीज ने यह जानकारी दी है, उसके एडवाइजरी बोर्ड में भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और भारत की तीनों सेनाओं के शीर्ष कमांडर शामिल हैं। थिंक टैंक के अनुसार चीन ने भारत-पाकिस्तान संघर्ष के दौरान एक तरह से अपने हथियारों का परीक्षण करने की कोशिश की, लेकिन चीन के एयर डिफेंस सिस्टम का प्रदर्शन बेहद खराब रहा। वहीं भारत के एयर डिफेंस सिस्टम ने काफी बेहतरीन और उल्लेखनीय काम किया और पाकिस्तान के लगभग हर हवाई हमले को असफल कर दिया। कहना गलत नहीं होगा कि यदि भविष्य में कभी भारत और चीन का संघर्ष होता है तो पाकिस्तान चीन के समर्थन में उतर सकता है। पाठक जानते हैं कि 22 अप्रैल 2025 को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम आतंकी हमले में 26 पर्यटकों की हत्या के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ गया था। भारत ने 6-7 मई की रात बदले की कार्रवाई के तहत आपरेशन 'सिंदूर' चलाकर पाकिस्तान स्थित नौ आतंकी ठिकानों पर हवाई हमले किए, जिससे भारत और पाकिस्तान में संघर्ष शुरू हो गया।

भारत पाकिस्तान संघर्ष के दौरान पाकिस्तान ने भारत के कई शहरों पर हवाई हमले किए, लेकिन भारत ने अपने एयर डिफेंस सिस्टम से पाकिस्तान के सभी हमलों को नेस्तनाबूद कर दिया। इसके बाद भारत ने भी जवाबी कार्रवाई करते हुए पाकिस्तान के कई सैन्य अड्डों और एयर बेस पर हवाई हमले किए। इसके बाद अमेरिका की मध्यस्थता के बाद 10 मई को दोनों देशों के बीच संघर्ष विराम हो गया। हाल फिलहाल,बेशक भारत और चीन अपने आपसी संबंधों को बेहतर बनाने में जुटे हैं। लद्दाख वास्तविक नियंत्रण रेखा वाले युद्ध-क्षेत्र से दोनों देशों की सेनाएं पीछे हट चुकी हैं। अमरीकी टैरिफ दबाव के मद्देनजर चीन भारत के साथ व्यापार को बढ़ाने के पक्ष में है, लेकिन चीन चुपचाप पीठ में छुरा घोंपने वाला देश रहा है। चीन हमेशा हमेशा से हिंदी चीनी भाई-भाई का राग अलापता रहा है लेकिन ड्रैगन पर कभी भी भरोसा नहीं जताया जा सकता है। दरअसल चीन कभी भी यह नहीं चाहता है कि भारत वैश्विक स्तर पर एक बड़ी आर्थिक व हथियारों के साथ ही आर्थिक मदद भी मुहैया कराता आया है। हालिया भारत पाकिस्तान सैन्य संघर्ष में चीन ने पाकिस्तान को वायु रक्षा प्रणाली, मिसाइलें व ड्रोन भी उपलब्ध कराए।

नक्सलवाद के खिलाफ बड़ी सफलता

21 मई का दिन छत्तीसगढ़ में नक्सलियों के खिलाफ छेड़े गए अभियान में काफी खास बन गया है। सुरक्षा बलों ने एक सुनियोजित अभियान चलाकर 27 नक्सलियों को मार गिराया है। मरने वालों में ईनामी नक्सली सीपीआईएम महासचिव नंबाला केशव राव उफ बसवराजू का नाम भी शामिल है। बसवराजू का नाम कई बड़ी हिंसक घटनाओं से जुड़ा रहा है। 2010 में दंतेवाड़ा 76 सीआरपीएफ जवानों की मौत, 2013 का झीरम घाटी हमला, जिसमें कांग्रेस की पहली पंक्ति के तमाम नेता मारे गए थे, 2019 का गढ़ चिरौली हमला जिसमें 15 क्यूआरटी जवान मारे गए थे, ऐसी कई और घटनाओं की योजना बसवराजू ने ही बनाई थी, ऐसा दावा है। कई छद्म नामों से भूमिगत रहते हुए नक्सल कार्रवाइयों को अंजाम देने वाले बसवराजू ने बीटेक की पढ़ाई की थी, लेकिन कॉलेज में रहते हुए ही उग्र वामपंथी विचारधारा से प्रभावित होकर नंबाला केशव राव ने अपनी राह अलग बना ली। बसवराजू को मारना सुरक्षा बलों की बड़ी सफलता बताई जा रही है, क्योंकि इसके बाद नक्सल संगठन कमजोर पड़ेगा यह दावा सरकार और पुलिस प्रशासन का है।

बुधवार को नक्सल आंदोलन के खिलाफ इस बड़ी सफलता पर भाजपा की राज्य और केंद्र सरकार दोनों अपनी पीठ थपथपा रहे हैं। इसे डबल इंजन सरकार की बड़ी उपलब्धि के तौर पर पेश किया जा रहा है। वैसे भी अमित शाह ने 2019 में ही नक्सलवाद को खत्म करने का लक्ष्य रखा था। अब सरकार मार्च 2026 तक नक्सलवाद को पूरी तरह से खत्म करने की योजना बना रही है। छत्तीसगढ़ में मिली हालिया सफलता पर अमित शाह ने ट्वीट किया कि , 'नक्सलवाद के खिलाफ भारत की लड़ाई के तीन दशकों में ऐसा पहली बार है कि हमारे बलों ने एक महासचिव स्तर के नेता को मारा है. मैं इस बड़ी सफलता के लिए हमारे बहादुर सुरक्षा बलों और एजेंसियों की सराहना करता हूं।' अमित शाह ने यह भी बताया कि ऑपरेशन 'ब्लैक फॉरेस्ट' के पूरा होने के बाद, छत्तीसगढ़, तेलंगाना और महाराष्ट्र में 54 नक्सलियों को गिरफ्तार किया गया है और 84 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है। वहीं सत्तारूढ़ भाजपा भी काफी गदगद है। कांग्रेस ने भी इस सफल अभियान के लिए खुशी जाहिर की है, मगर इस कामयाबी पर अपना हिस्से का दावा भी ठोंक दिया है। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि मैं इस बड़ी सफलता के लिए सभी जवानों को बधाई देता हूं.. जब हम सरकार में थे तब 600 गांवों को नक्सल मुक्त बनाया गया था। हमने लोगों में विश्वास पैदा किया और उन्हें भूमि अधिकार दिए, उनके कज माफ किए और यहां तक कि उन्हें उनकी जमीनें भी वापस दिलाई। अभी जो ऑपरेशन चल रहे हैं, वे बचे हुए इलाकों में हैं।'

जाहिर है इतनी बड़ी सफलता पर श्रेय लेने की होड़ तो रहेगी ही, क्योंकि अविभाजित मध्यप्रदेश के जमाने से छत्तीसगढ़ नक्सलवाद के चंगुल में रहा। भाजपा और कांग्रेस दोनों की सरकारें दोनों राज्यों में रहीं, दोनों दलों की सरकारों ने अपने-अपने शासनकाल में नक्सलवाद के खिलाफ अभियान चलाए और दोनों पर ही नक्सलियों के खात्मे की आड़ में मासूमों को निशाने पर लेने के आरोप भी लगे। अब भाजपा का पलड़ा केंद्र सरकार के सहयोग की वजह से अधिक भारी हो गया है, क्योंकि केंद्र और राज्य की भाजपा सरकार पूरे समन्वय से काम कर रही हैं। ऐसे में यह तथ्य अपने आप उभरता है कि नक्सलवाद जैसी गंभीर समस्या को हल करने में राजनैतिक स्वार्थ आड़े आ जाते हैं। बहरहाल, ऑपरेशन ब्लैक फारेस्ट के बाद अब दावा किया जा रहा है कि तिरुपति से पशुपति तक फैला लाल गलियारा अब बंद होने की कगार पर है। माओवाद की कमर टूट चुकी है। माओवादी अब वार्ता करना चाहते हैं, लेकिन सरकार उन्हें हथियार रखने पर मजबूर कर चुकी है, लिहाजा वे बेबस हैं। बसवराजू के बाद माओवादियों के पास अब कोई बड़ा नेतृत्व नहीं बचा जो युद्ध की रणनीतियां बनाएं और बड़े अभियानों को लागू करवाए। ऐसे तमाम दावों से तस्वीर यही बन रही है कि नक्सलवाद अब खत्म होने को ही है और केन्द्रीय गृहमंत्री का जो दावा है कि मार्च 26 तक यह काम पूरा जाएगा, वह भी सही साबित होगा।

इन दावों को करने का यही वक्त भी है, लेकिन इन्हीं के साथ कुछ सवाल भी उठ रहे हैं। सबसे बड़ा सवाल यही है कि नक्सलियों के बड़े नामों को खत्म करने के बाद भी क्या उन कारणों को खत्म किया जा सका है, जिनसे नक्सल आंदोलन शुरू हुआ था। पाठक जानते हैं कि 60 के दशक के अंतिम बरसों में प.बंगाल में नक्सलबाड़ी गांव से इस आंदोलन की शुरूआत हुई थी क्योंकि पूंजीवाद से निकला शोषण और अन्याय गरीब किसानों और मजदूरों की जिंदगी को अपनी चपेट में ले चुका था। अपने हक के लिए उठाई गई आवाज हिंसक कार्रवाइयों में लिप्त हुई और धीरे-धीरे नक्सलवाद का दायरा इतना बढ़ गया कि भारत का एक बड़ा हिस्सा इसकी गिरफ्त में आया। पूर्व प्रधानमंत्री डा.मनमोहन सिंह ने इसे देश की आंतरिक सुरक्षा के लिए सबसे बड़ा खतरा बताया था। उन्होंने भी ऑपरेशन ग्रीन हंट के तहत सभी नक्सल प्रभावित राज्यों की एकीकृत लड़ाई नक्सलवाद के खिलाफ शुरू की थी। वर्ना 2007-08 के पहले बिहार, झारखंड, ओडिशा, छत्तीसगढ़, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश जैसे सारे राज्य अपने-अपने अभियान नक्सलवाद के खिलाफ चलाते थे। इस ऑपरेशन में सुरक्षा बलों ने माओवादियों के गढ़ में घुसना शुरू कर दिया था, तभी से माओवादी बैकफुट पर जा रहे थे। लेकिन बीच-बीच में कुछ बड़ी घटनाओं को अंजाम देकर उन्होंने अपना आतंक बनाए रखने की कोशिश की। इसलिए अभी यह कहना शायद जल्दबाजी होगी कि माओवाद की कमर टूट गई है। क्योंकि जब तक समाज में अन्याय और शोषण के कारण बने रहेंगे, तब तक नक्सलवाद को भी सिर उठाने का बहाना मिलता रहेगा। नक्सलवादियों ने छत्तीसगढ़, झारखंड, ओडिशा, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र ऐसे तमाम राज्यों में घने जंगलों में अपने ठिकाने बनाए हैं।

गाजा में मानवीय त्रासदी: 9,000 से अधिक बच्चे कुपोषण का शिकार, यूनिसेफ ने जताई चिंता

एजेंसी

संयुक्त राष्ट्र। यूनिसेफ ने चेतावनी दी है कि गाजा में इस वर्ष अब तक 9,000 से अधिक बच्चों का कुपोषण के कारण इलाज किया जा चुका है, और अगर हालात नहीं सुधरे, तो आने वाले महीनों में दसियों हजार नए मामले सामने आ सकते हैं। यूनिसेफ का कहना है कि क्षेत्र में युद्ध और हिंसा के कारण खराब स्वास्थ्य सेवा और खाद्य असुरक्षा की वजह से बच्चे और भी अधिक संकट में हैं। खाद्य सुरक्षा विशेषज्ञों ने आगाह किया है कि अगर इजराइल अपना सैन्य अभियान जारी रखता है और गाजा पर लगा प्रतिबंध पूरी तरह नहीं हटाता है तो क्षेत्र गंभीर अकाल की स्थिति में प्रवेश कर सकता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) पहले ही कह चुका है कि लोग भूख से मरने की कगार पर नहीं, बल्कि वास्तव में मर रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष (यूएनएफपीए) के फिलिस्तीनी क्षेत्रों के प्रतिनिधि नेस्टर ओवोमुहांगी के अनुसार, जहां भी देखो, लोग भूखे हैंज वे अपनी उंगलियों से मुंह की ओर इशारा करते हैं, यह जताने के लिए कि उन्हें खाने के लिए कुछ चाहिए। गाजा में 'सबसे बुरा' पहले ही शुरू हो चुका है। यूनिसेफ की प्रवक्ता टेस इंग्राम ने कहा है कि कई बच्चे पहले ही कुपोषण के कारण अपनी जान गंवा चुके हैं। गाजा में इस समय ऐसे कई नवजात हैं जो गंभीर खतरे में हैं। अगर उन्हें शीघ्र पोषण सहायता नहीं मिली, तो उनके लिए हालात और भी घातक हो सकते हैं।

न्यायाधीश ने ट्रंप के शिक्षा विभाग को बंद करने के आदेश पर लगाई रोक, कर्मचारियों की बहाली का आदेश

बोस्टन। संघीय अदालत ने पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस कार्यकारी आदेश पर रोक लगा दी है, जिसके तहत अमेरिकी शिक्षा विभाग को बंद करने की प्रक्रिया शुरू की गई थी। यूएस डिस्ट्रिक्ट जज म्योंग जॉन ने यह अंतरिम आदेश (प्रारंभिक निषेधाज्ञा) जारी करते हुए सरकार को बड़ी संख्या में निकाले गए कर्मचारियों की तत्काल बहाली का निर्देश दिया है। कोर्ट का यह फैसला मैसाचुसेट्स राज्य के सोमरविल और ईस्टहैम्पटन स्कूल जिलों, अमेरिकन फेडरेशन ऑफ टीचर्स तथा अन्य शिक्षा संगठनों द्वारा दायर याचिका के आधार पर आया है। याचिकाकर्ता समूहों का तर्क था कि ट्रंप प्रशासन द्वारा मार्च में घोषित योजनाएं दरअसल शिक्षा विभाग को गैरकानूनी रूप से बंद करने की कोशिश है। उन्होंने कहा कि यह कदम संघीय कर्तव्यों की अनदेखी करता है, जिनमें विशेष शिक्षा का समर्थन, वित्तीय सहायता का वितरण और नागरिक अधिकार कानूनों का प्रवर्तन शामिल है। जज जॉन ने कहा कि शिक्षा विभाग की भूमिका कांग्रेस द्वारा निर्धारित महत्वपूर्ण कार्यों को पूरा करने में अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों की छंटनी से न केवल विभाग की दक्षता प्रभावित हुई है, बल्कि लाखों विद्यार्थियों के अधिकारों और सहायता सेवाओं को भी खतरा हुआ है। कोर्ट के इस निर्णय को ट्रंप प्रशासन के लिए कानूनी और राजनीतिक झटका माना जा रहा है।

उत्तर कोरिया का नया विध्वंसक युद्धपोत जलावतरण के समय दुर्घटनाग्रस्त

प्योंगयांग। उत्तर कोरिया के वायुसेना के सुदृढ़ीकरण कार्यक्रम को तगड़ा झटका लगा। एक नए विध्वंसक युद्धपोत के जलावतरण समारोह में खुशी मनाने के लिए मौजूद देश के सर्वोच्च नेता किम जोंग-उन 'दुर्घटना' देखते ही भड़क गए। उन्होंने कहा कि यह आपराधिक कृत्य है। इसके दोषियों को कठोर सजा मिलेगी। उत्तर कोरिया की आधिकारिक कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी (केसीएनए) के अनुसार पूर्वी बंदरगाह शहर चोंगजिन में एक नए 5,000 टन के युद्धपोत के जलावतरण समारोह में गंभीर दुर्घटना हुई। जलावतरण के समय युद्धपोत के निचले हिस्से में खराबी आ गई। इससे उसका संतुलन बिगड़ गया। इस वजह से जलावतरण विफल रहा। पूर्वी बंदरगाह शहर चोंगजिन रूस के व्लादिवोस्तोक बंदरगाह के नजदीक है। इस नए नौसैनिक विध्वंसक युद्धपोत की विफलता पर किम जोंग-उन आगबबूला हो गए। उन्होंने इस दुर्घटना को आपराधिक कृत्य कहा। किम जोन-उन ने विफलता को अनुभवहीन कमांड और परिचालन लापरवाही को दोषी ठहराया। उन्होंने कहा कि इसके लिए जिम्मेदार अधिकारियों को अगले महीने होने वाली पार्टी सेंट्रल कमेटी की पूर्ण बैठक में दोषी ठहराते हुए सजा की घोषणा की जाएगी।

राजतंत्र समर्थक राजनीतिक दल और संगठनों पर प्रतिबंध लगाने की सरकार ने दी चेतावनी

काठमांडू। नेपाल सरकार ने राजतंत्र समर्थक राजनीतिक दल और अन्य संगठनों पर प्रतिबंध लगाने की चेतावनी दी है। सरकार ने कहा है कि राजतंत्र समर्थक राजनीतिक दल 29 मई से प्रस्तावित अपने प्रदर्शन कार्यक्रम को संयमित रखें और कोई भी अराजक गतिविधि न होने दें। यदि पिछली बार की तरह इस बार भी प्रदर्शन के दौरान कोई भी अराजक गतिविधि हुई, तो सबसे पहले इन संगठनों पर प्रतिबंध लगाया जाएगा। नेपाल सरकार के प्रवक्ता पृथ्वी सुब्बा गुरूंग ने नियमित पत्रकार सम्मेलन में कहा कि अराजक गतिविधि, तोड़फोड़, आगजनी जैसी घटनाएं हुई तो सरकार उन सबसे सख्ती से निपटेगी। आरपीपी ने 29 मई से राजतंत्र समर्थक दल राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी के नेतृत्व में 40 से अधिक संगठनों ने अनिश्चितकालीन प्रदर्शन की घोषणा की है। आरपीपी ने काठमांडू केन्द्रित इस प्रदर्शन में सहभागी होने के लिए सभी से अपील की है। हालांकि अभी तक सरकार ने इनके प्रदर्शन के लिए कोई भी स्थान उपलब्ध नहीं कराई है।

यूरेनियम संवर्धन बंद करने की शर्त पर अमेरिका से कोई समझौता नहीं : ईरानी विदेश मंत्री

एजेंसी

तेहरान । ईरान के विदेश मंत्री सईद अब्बास अराघची ने सख्त लहजे में अपनी बात स्पष्ट कर दी है कि 'ईरान यूरेनियम संवर्धन कार्यक्रम रोकने की शर्त पर अमेरिका के साथ कोई भी परमाणु समझौता नहीं करेगा।' अराघची ने रोम में ईरानी और अमेरिकी प्रतिनिधिमंडलों के बीच अप्रत्यक्ष परमाणु वार्ता के पांचवें दौर से पहले आईआरआईबी टीवी को दिए एक में अपनी बात रखी। ईरानी विदेश मंत्री ने कहा, 'हमारे बीच अभी भी बुनियादी मतभेद हैं। अमेरिका ईरान में यूरेनियम संवर्धन में विश्वास नहीं करता है। यदि उनका यही उद्देश्य है, तो कोई समझौता नहीं होगा।' अराघची का यह बयान अमेरिकी अधिकारियों की उस 'मांग' के बाद आया है जिसमें उन्होंने कहा था कि तेहरान अपनी धरती पर यूरेनियम संवर्धन को पूरी तरह से रोक दे। हालांकि उन्होंने कहा, अगर अमेरिका

चाहता है कि ईरान परमाणु हथियारों की ओर न बढ़े, तो ऐसा हो सकता है। हम भी परमाणु हथियार नहीं चाहते हैं। समाचार एजेंसी के मुताबिक, ईरानी विदेश मंत्री ने कहा कि 2015 में ईरान और कई अन्य देशों के बीच हुआ परमाणु समझौता अब प्रभावी नहीं है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि समझौता खत्म हो गया है। इसे औपचारिक रूप से संयुक्त व्यापक कार्य योजना के रूप में जाना जाता है और इसे पुनर्जीवित किया जा सकता है। अराघची ने इस बात पर जोर दिया कि ईरान यूरेनियम संवर्धन सहित अपने परमाणु कार्यक्रम को नहीं छोड़ेगा।ईरान और अमेरिका ने अप्रैल से तेहरान के परमाणु कार्यक्रम और अमेरिकी प्रतिबंधों को हटाने पर चार दौर की अप्रत्यक्ष वार्ता की है। इन बैठकों के दौरान अमेरिकी अधिकारियों ने ईरान से उसके यूरेनियम संवर्धन गतिविधियों को पूरी तरह से बंद करने की मांग की है, जिसे ईरान ने ठुकरा दिया है।इससे पहले, व्हाइट हाउस की तरफ से आई खबर के मुताबिक, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इजरायल के प्रधान मंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने ईरान के साथ एक संभावित सौदे पर चर्चा की, जिसके बारे में राष्ट्रपति का मानना है कि यह सही दिशा में आगे बढ़ रहा है। व्हाइट हाउस के मीडिया विभाग की सचिन लेविट ने कहा, जैसा कि राष्ट्रपति ने मुझे बताया, और उन्होंने आप सभी को बताया है, ईरान के साथ यह सौदा दो तरह से समाप्त हो सकता है। यह एक बहुत ही सकारात्मक कूटनीतिक समाधान में समाप्त हो सकता है, या यह ईरान के लिए बहुत ही नकारात्मक स्थिति में समाप्त हो सकता है। इसी वजह से वार्ता सप्ताह के अंत में हो रही है। 2018 में, अपने पहले कार्यकाल के दौरान, राष्ट्रपति ट्रंप ईरान और छह विश्व शक्तियों के बीच हुए 2015 के परमाणु समझौते से पीछे हट गए थे।

नेतन्याहू ने अदालत के आदेश को दरकिनार कर डेविड जिनी को शिन बेट प्रमुख नियुक्त किया

एजेंसी

तेल अवीव। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने मेजर जनरल डेविड जिनी को देश की आंतरिक सुरक्षा एजेंसी शिन बेट का अगला प्रमुख नियुक्त करने की घोषणा की है। यह नियुक्ति ऐसे समय में हुई है जब इजराइल के अटॉर्नी जनरल ने स्पष्ट किया था कि नेतन्याहू को नई नियुक्ति का अधिकार नहीं है।

नेतन्याहू की यह घोषणा सुप्रीम कोर्ट के हालिया फैसले के प्रतिकूल है, जिसमें सरकार द्वारा पूर्व शिन बेट प्रमुख रोनेन बार को हटाए जाने को अवैध बताया गया था। इसके बाद अटॉर्नी जनरल गली बहारव मियारा ने नेतन्याहू को चेतावनी दी थी कि वे इस संवेदनशील पद पर नई नियुक्ति नहीं कर सकते। मेजर जनरल डेविड जिनी फिलहाल इजराइल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) के ट्रेनिंग कमांड और जनरल स्टाफ कोर के

प्रमुख हैं। सुरक्षा मामलों में उनका लंबा अनुभव रहा है, लेकिन उनकी नियुक्ति की वैधता पर अब गंभीर सवाल उठ रहे हैं।

तिब्बत में महसूस किए गए भूकंप के झटके, तीव्रता 4.2

एजेंसी

तिब्बत । पड़ोसी देश तिब्बत में सुबह भूकंप के झटके महसूस किए गए। हालांकि इससे किसी भी तरह के नुकसान की कोई खबर नहीं है। तिब्बत में शुक्रवार को भूकंप के झटके महसूस किए गए। भारतीय समयानुसार भूकंप 9 बजकर 27 मिनट और 27 सेकंड पर आया था। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 4.2 मापी गई। इसकी गहराई 20 किलोमीटर थी। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र ने इसकी जानकारी दी। रविवार को भी यहां भूकंप आया था। इसकी तीव्रता 3.8 थी। भूकंप की गहराई 10 किलोमीटर थी। इसमें जानमाल की हानि नहीं पहुंची थी। यह भूकंप 12 मई को इसी क्षेत्र में आए 5.7 तीव्रता के भूकंप के बाद आया था।

तिब्बती पठार टेक्टोनिक प्लेट टकराव के कारण होने वाली भूकंपीय गतिविधि के लिए जाना जाता है। तिब्बत और नेपाल एक प्रमुख भूगर्भीय रेखा पर स्थित हैं, जहां भारतीय टेक्टोनिक प्लेट यूरेशियन प्लेट में ऊपर की ओर धकेलती है। यह हिमालय की चोटियों की ऊंचाई

को बदलने के लिए जिम्मेदार हो सकते हैं। इस गतिविधि के कारण ही तिब्बत में भूकंप आते रहते हैं।शुक्रवार को ही पड़ोसी देश नेपाल में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए। नेपाल में गुरुवार की रात 10:30 बजे के आसपास भूकंप आया था। इसकी तीव्रता रिक्टर स्केल पर 4.3 मापी गई और यह 10 किलोमीटर की गहराई पर आया था। नेपाल के अलावा इंडोनेशिया और ताजिकिस्तान में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए। ताजिकिस्तान में आए भूकंप की तीव्रता 3.9 थी। वहीं, इंडोनेशिया के दक्षिणी सुमात्रा में धरती कांपी। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 5.9 मापी गई है। जर्मन रिसर्च सेंटर फॉर जियोसाइंसेज के मुताबिक, भूकंप जमीन के 10 किलोमीटर अंदर था। भूकंप के इतने तेज झटके महसूस होने के बाद लोग अपने-अपने घरों से बाहर निकल आए। फिलहाल किसी के घायल होने या जानमाल के नुकसान की कोई खबर नहीं है।

यमन से इजराइल पर दागी गई बैलिस्टिक मिसाइल, तेल अवीव में बजे सायरन

एजेंसी

तेल अवीव। यमन से आज सुबह इजराइल पर बैलिस्टिक मिसाइल दागी गई। इजराइल ने इस बैलिस्टिक मिसाइल को मार गिराने का दावा किया है। इस दौरान राजधानी तेल अवीव, यरूशलम, यहूदिया और सामरिया में सायरन बजने शुरू हो गए। बैलिस्टिक मिसाइल दागे जाने के बाद समूचे मध्य इजराइल में काफी समय सन्नाटा पसरा रहा। द टाइम्स ऑफ इजराइल अखबार की खबर के अनुसार, इजराइली सुरक्षा बलों (आईडीएफ) ने यमन से दागी गई बैलिस्टिक मिसाइल को हवा में ही मार गिराया गया। मैगन डेविड एडोम एम्बुलेंस ने कहा कि उसे अभी तक किसी के घायल होने की कोई रिपोर्ट नहीं मिली है। आईडीएफ का कहना है कि हवाई सुरक्षा खतरे को रोकने के लिए काम किया जा रहा है। फिलिस्तीनी मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार, उत्तरी वेस्ट बैंक के ब्रुकिन गांव में रात भर उग्र लोगों ने तांडव

किया है। पांच घरों और पांच वाहनों में आग लगा दी। इससे आठ लोग झुलस गए। इस गांव में उस आतंकवादी नाएल समारा का घर है जिसने पिछले हफ्ते गर्भवती महिला तजीला गेज की प्रसव पीड़ा के दौरान अस्पताल ले जाते समय रास्ते में हत्या कर दी थी। आईडीएफ के बयान में कहा गया है कि जब तक इजराइली सैनिक पहुंचे, तब तक संदिग्ध भाग चुके थे। आईडीएफ ने कहा कि तजीला गेज की हत्या करने वाले आतंकवादी के दो कथित साथियों के घरों को तबाह कर दिया गया है। आतंकवादी के दो साथियों की पहचान माहेर समाराह और जाबिल समाराह के रूप में की गई है। आईडीएफ ने पुष्टि की कि नाएल समारा को मार गिराया गया है।

पाकिस्तानी सेना फिर बेनकाब, बोल रही आतंकी हाफिज सईद की ही जुबान, सिंधु जल समझौते पर दिया विवादित बयान

एजेंसी

इस्लामाबाद । पाकिस्तानी सेना ने एक बार फिर जाहिर कर दिया है कि वो आतंकियों की बोली बोलती है। सैन्य प्रवक्ता लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ चौधरी ने लश्कर ए तैयबा (एलईटी) के आतंकी हाफिज सईद की ही तरह सिंधु जल समझौते को लेकर भारत के खिलाफ जहर उगला है। चौधरी ने एक सार्वजनिक सभा में सिंधु जल संधि स्थगित करने के फैसले पर चेतावनी भरे अंदाज में कहा कि यदि आप हमारा पानी रोकेंगे, तो हम आपकी सांसें रोक देंगे। ये अंदाज और बोल ठीक वैसे ही हैं जैसे हाफिज सईद ने हाल ही में उगले थे। शरीफ चौधरी सिंधु जल संधि को तब तक स्थगित रखने के भारत के फैसले पर बोल रहे थे। दरअसल, भारत पहले ही कह चुका है कि जब तक इस्लामाबाद आतंकवाद को समाप्त नहीं कर देता और अपनी धरती से उत्पन्न होने वाले आतंकवादी समूहों को सहायता, वित्त पोषण और समर्थन बंद नहीं कर देता, तब तक सिंधु जल संधि स्थगित ही रहेगी। चौधरी ने कथित तौर पर पाकिस्तान के एक विश्वविद्यालय में भाषण के दौरान यह टिप्पणी की। उनका बयान लश्कर-ए-तैयबा के संस्थापक हाफिज सईद द्वारा इस्तेमाल की गई बयानबाजी से हूबहू मेल खाता है। सईद 2008 के मुंबई आतंकवादी हमलों का मास्टरमाइंड है। वह भारत और अमेरिका के खिलाफ अपने भड़काऊ भाषणों के लिए जाना जाता है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे एक वीडियो में हाफिज सईद को यही शब्द कहते हुए सुना जा सकता है। ये बयान ऐसे समय में आए हैं जब भारत ने 23 अप्रैल को सिंधु जल संधि के कुछ हिस्सों को निलंबित कर दिया था। यह संधि पहलगाम में हुए आतंकी हमले के एक दिन बाद की है जिसमें 26 लोगों की निर्मम हत्या कर दी गई थी। 1960 में हस्ताक्षरित और विश्व बैंक द्वारा मध्यस्थता की गई यह संधि सिंधु नदी और उसकी सहायक नदियों के जल के बंटवारे को दोनों देशों के बीच नियंत्रित करती है। इस बीच, नई दिल्ली ने बार-बार कहा है कि खून और पानी एक साथ नहीं बह सकते; बातचीत और आतंक एक साथ नहीं चल सकते, जो सीमा पार आतंकवाद के लिए पाकिस्तान के कथित समर्थन पर सख्त रुख का संकेत देता है। निलंबन इस्लामाबाद के खिलाफ उठाए गए जवाबी उपायों का एक हिस्सा था, जिसमें 7 मई को 'ऑपरेशन सिंदूर' भी शामिल था, जिसमें पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में नौ आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया गया था।

भारत के विदेश मंत्रालय ने घोषणा की कि पाकिस्तान के साथ भविष्य की कोई भी बातचीत केवल जम्मू और कश्मीर में अवैध रूप से कब्जे वाले भारतीय क्षेत्र को खाली करने पर केंद्रित होगी। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने दृढ़ता से कहा कि आतंकवाद और बातचीत एक साथ नहीं हो सकते, उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि भारत केवल वांछित आतंकवादियों के प्रत्यर्पण पर चर्चा को तैयार है, जिन्हें पहले से ही सूचीबद्ध किया गया है और इस्लामाबाद के साथ साझा किया गया है। कश्मीर मुद्दे पर भारत के रुख को स्पष्ट करते हुए, जायसवाल ने रेखांकित किया, कोई भी द्विपक्षीय चर्चा केवल पाकिस्तान द्वारा अवैध रूप से कब्जाए गए भारतीय क्षेत्र को खाली करने पर होगी।

ईरान का अमेरिका को कड़ा संदेश, न्यूक्लियर ठिकानों पर इजरायली हमले के लिए अमेरिका होगा जिम्मेदार

एजेंसी

तेहरान। ईरान ने चेतावनी दी है कि यदि उसके परमाणु ठिकानों पर इजराइल हमला करता है, तो वह अमेरिका को इसके लिए पूरी तरह जिम्मेदार ठहराएगा। यह सख्त बयान ऐसे समय में आया है जब ईरान और अमेरिका के बीच ईरानी परमाणु कार्यक्रम को लेकर बेहद अहम पांचवें दौर की बातचीत होने वाली है। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अरागची ने संयुक्त राष्ट्र को भेजे पत्र में कहा, ईरान ज़ायोनिस्ट शासन (इजराइल) की किसी भी दुस्साहसी कार्रवाई के खिलाफ सख्त चेतावनी देता है और किसी भी अवैध या उकसाने वाले कदम का निर्णायक जवाब देगा।

अमेरिकी मीडिया में हाल ही में आई रिपोर्टों के अनुसार, अमेरिका की खुफिया एजेंसियों को पता चला है कि इजराइल, बातचीत विफल होने की स्थिति में, अमेरिका की सहमति हो या न हो, ईरान के परमाणु ठिकानों पर हमला करने की योजना बना रहा है। वैसे इजरायल पहले भी कई मौकों पर सार्वजनिक रूप से कह चुका है कि वह ईरान के परमाणु कार्यक्रम को किसी भी कीमत पर रोकने के लिए सैन्य कार्रवाई कर सकता है।इस रिपोर्ट के मद्देनजर ही अरागची ने कहा कि तेहरान अमेरिका को ऐसे किसी भी हमले में सहभागी मानेगा, और अपनी परमाणु सामग्री और ठिकानों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए विशेष कदम उठाएगा। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि इन उपायों की जानकारी संयुक्त राष्ट्र की परमाणु निगरानी संस्था आईएईए को बाद में दी जाएगी।

कान्स फिल्म फेस्टिवल में एक बार फिर छाईं ऐश्वर्या राय, नए लुक ने खींचा सबका ध्यान

एजेंसी

कान्स । कान्स फिल्म फेस्टिवल 2025 में ऐश्वर्या राय बच्चन ने एक बार फिर अपने अनोखे और सांस्कृतिक अंदाज़ से सबका ध्यान खींचा। पहले दिन उन्होंने सफेद साड़ी और मांग में सिंदूर लगाकर भारतीय पारंपरिकता को गर्व से प्रस्तुत किया। लेकिन असली चर्चा का विषय बना उनका दूसरा दिन, जब उन्होंने एक शानदार गाउन पहना, जिस पर भगवद गीता का एक श्लोक उकेरा गया था। ऐश्वर्या की ड्रेस को लेकर चर्चाकान्स फिल्म फेस्टिवल में ऐश्वर्या राय बच्चन जब अपने शानदार अंदाज़ में पहुंचीं, तो अगले ही दिन उनके आउटफिट डिज़ाइनर गौरव गुप्ता ने सोशल मीडिया पर एक खास पोस्ट साझा की। इस पोस्ट में उन्होंने ऐश्वर्या की ड्रेस के पीछे की सोच और डिज़ाइन की बारीकियों का

ज़िक्र किया। खास बात यह रही कि ऐश्वर्या के गाउन पर भगवद गीता का एक प्रेरणादायक श्लोक उकेरा गया था। श्लोक के ज़रिए न सिर्फ़ आध्यात्मिकता और भारतीय दर्शन को सम्मान मिला, बल्कि ऐश्वर्या ने एक बार फिर ग्लोबल मंच पर भारतीय संस्कृति की गरिमा को बखूबी पेश किया। उनके इस पारंपरिक मॉडर्न लुक ने यह साफ़ कर दिया कि फैशन और संस्कृति एक साथ कैसे आगे बढ़ सकते हैं। ऐश्वर्या राय बच्चन ने एक बार फिर अपनी शाही मौजूदगी से सभी का ध्यान खींच लिया। वह गौरव गुप्ता द्वारा डिज़ाइन की गई खास कस्टम कॉउचर ड्रेस में नज़र आईं, जिसे हेरिस ऑफ क्लैम थीम पर तैयार किया गया था। इस खास आउटफिट की सबसे आकर्षक बात थी उसका ब्रोकेड केप, जिस पर बारीकी से सोने और चांदी के धागों से कढ़ाई की गई थी, जो पारंपरिक भारतीय शिल्पकला का शानदार उदाहरण पेश करता है। इस मौके पर ऐश्वर्या के साथ उनकी बेटी आराध्या बच्चन भी मौजूद रहीं, जिन्होंने अपनी मां के इस खास लम्हे को और भी खास बना दिया। कुल मिलाकर, ऐश्वर्या ने एक बार फिर साबित कर दिया कि वह सिर्फ एक अभिनेत्री ही नहीं, बल्कि भारतीय सौंदर्य और परंपरा की ग्लोबल एंबेसडर भी हैं।

चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने फ्रांस के साथ वैश्विक व्यवस्था बनाए रखने की अपील की

एजेंसी

बीजिंग। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के साथ टेलीफोन पर बातचीत में कहा कि चीन और फ्रांस को अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को बनाए रखने, वैश्विक विकास को प्रोत्साहित करने और बहुपक्षीय सहयोग को दिशा देने वाली भरोसेमंद शक्तियों के रूप में काम करना चाहिए।शी ने संयुक्त राष्ट्र की सर्वोच्चता और स्थिति की संयुक्त रूप से रक्षा करने, अंतरराष्ट्रीय व्यापार नियमों और वैश्विक आर्थिक व्यवस्था को बनाए रखने तथा सच्चे बहुपक्षवाद को अपनाने की अपील की। उन्होंने याद दिलाया कि मई 2024 में अपनी फ्रांस यात्रा के दौरान दोनों पक्षों ने चीन-फ्रांस संबंधों की उस भावना को आगे बढ़ाने का निर्णय लिया था, जो स्वतंत्रता, पारस्परिक समझ, रणनीतिक दृष्टिकोण और 'विन-विन' सहयोग पर आधारित है। शी ने कहा कि तब से लेकर अब तक द्विपक्षीय सहयोग में कई नए आयाम जुड़े हैं। राष्ट्रपति शी ने दोनों देशों के बीच रणनीतिक संवाद को और गहन करने और पारंपरिक क्षेत्रों जैसे निवेश, एयरोस्पेस और परमाणु ऊर्जा में सहयोग को गहरा करने के साथ-साथ डिजिटल अर्थव्यवस्था, हरित विकास, जैव चिकित्सा और वरिष्ठ नागरिकों की अर्थव्यवस्था जैसे उभरते क्षेत्रों में सहयोग का विस्तार करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने जन-संपर्क और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देने की भी वकालत की, जिससे दोनों देशों के लोगों के बीच मित्रता और समझ और मजबूत हो सके। शी जिनपिंग ने कहा कि इस वर्ष द्वितीय विश्व युद्ध में विजय और संयुक्त राष्ट्र की स्थापना की 80वीं वर्षगांठ है। उन्होंने जोर देकर कहा कि दोनों देश (संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के स्थायी सदस्य होने के नाते) द्वितीय विश्व युद्ध के बाद की अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था के निर्माता और संरक्षक हैं। ऐसे में दोनों देशों को वैश्विक एकजुटता और सहयोग को मजबूत करना चाहिए। शी ने कहा, जितनी जटिल अंतरराष्ट्रीय स्थिति होती जा रही है, उतनी ही अधिक आवश्यकता है कि चीन और फ्रांस सही रणनीतिक विकल्प अपनाएं।राष्ट्रपति शी ने कहा कि चीन हमेशा से यूरोप को बहुध्रुवीय विश्व में एक स्वतंत्र ध्रुव के रूप में देखता है और यूरोपीय संघ की रणनीतिक स्वायत्तता बढ़ाने और अंतरराष्ट्रीय मामलों में उसकी अधिक सक्रिय भूमिका का समर्थन करता है।

नेतन्याहू का तीखा हमला: फ्रांस, ब्रिटेन और कनाडा के नेता इतिहास के गलत पक्ष पर हैं

एजेंसी

जेरूसलम। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने एक वीडियो बयान में फ्रांस, ब्रिटेन और कनाडा के नेताओं पर तीखा हमला करते हुए कहा है कि वे इतिहास, न्याय और मानवता के गलत पक्ष पर खड़े हैं। यह बयान ऐसे समय में आया है जब इन देशों ने गाजा में तुरंत युद्धविराम की मांग की है और इजराइल पर संभावित प्रतिबंधों की चेतावनी दी है। नेतन्याहू ने वाशिंगटन में हुई एक भीषण गोलीबारी की घटना का हवाला देते हुए बताया कि एक निर्दयी आतंकवादी ने एक यहूदी जोड़े यारोन लिशिंस्की और सारा मिलग्रम की हत्या कर दी। उन्होंने कहा कि यह आतंकवादी सिर्फ इसलिए मार रहा था क्योंकि वे यहूदी थे। नेतन्याहू ने फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों, ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टारमर और कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी को संबोधित करते हुए कहा कि आप लोग हमसे चाहते हैं कि हम युद्धविराम कर लें, जबकि हम मास मर्डरर संगठन हमास से लड़ रहे हैं। आप चाहते हैं कि हमास फिर से खड़ा हो, अपनी सेना बनाएं और फिर से हमला करें। बेंजामिन नेतन्याहू आगे कहा, आप न्याय के खिलाफ हैं, मानवता के खिलाफ हैं, और इतिहास के गलत पक्ष पर खड़े हैं। उल्लेखनीय है कि फ्रांस, ब्रिटेन और कनाडा की सरकारों ने हाल ही में गाजा में मानवीय हालात को देखते हुए इजराइल से तत्काल युद्धविराम की अपील की थी।

हार्वर्ड विवि में अब नहीं पढ़ सकेंगे विदेशी छात्र, ट्रंप प्रशासन ने प्रवेश देने का अधिकार छीना

एजेंसी

वाशिंगटन। संयुक्त राज्य अमेरिका के बाहर के देशों के युवाओं का अब उच्च शिक्षा के लिए हार्वर्ड विश्वविद्यालय में पढ़ने का सपना पूरा नहीं हो पाएगा। कुछ समय से चल रहे टकराव के बाद आखिरकार ट्रंप प्रशासन ने हार्वर्ड विश्वविद्यालय की अंतरराष्ट्रीय छात्रों को दाखिला देने की पात्रता को रद्द कर दिया। इससे अमेरिका का सबसे पुराना यह शिक्षण संस्थान सकते में है। सीएनएन चैनल की खबर के अनुसार, हार्वर्ड विश्वविद्यालय को ट्रंप प्रशासन की नीतिगत मांगों के आगे झुकने से इनकार करने की कड़ी सजा मिली है। अमेरिकी गृह सुरक्षा विभाग ने बयान में कहा, हार्वर्ड अब विदेशी छात्रों को दाखिला नहीं दे सकता है और मौजूदा विदेशी छात्रों को स्थानांतरित होना होगा या अपनी कानूनी स्थिति खोनी होगी। गृह सुरक्षा सचिव क्रिस्टी नोएम ने अपने विभाग को हार्वर्ड विश्वविद्यालय के छात्र और विनिमय आगंतुक कार्यक्रम प्रमाणन को समाप्त करने का आदेश दिया है। दरअसल गृह सुरक्षा विभाग ने पिछले महीने हार्वर्ड से अनुरोध कर विदेशी छात्रों के आचरण का रिकॉर्ड तलब किया था। हार्वर्ड ने यह रिकार्ड विभाग को सौंपने से इनकार कर दिया था। ट्रंप प्रशासन के फैसले पर यहां के प्रोफेसर्स ने कहा कि हार्वर्ड इस समय अपनी वैचारिक स्वायत्तता के लिए प्रशासन से सीधी लड़ाई लड़ रहा है। उन्होंने चेतावनी दी है कि विदेशी छात्रों के बड़े पैमाने पर पलायन से संस्थान की शैक्षणिक क्षमता को नुकसान पहुंचने का खतरा है। व्हाइट हाउस ने ट्रंप प्रशासन के फैसले का बचाव करते हुए कहा, विदेशी छात्रों का नामांकन एक विशेषाधिकार है। वह अधिकार नहीं है। साथ ही हार्वर्ड अपनी महानता खो

चुका है। परिसर अमेरिका विरोधी, यहूदी विरोधी और आतंकवाद समर्थक आंदोलनकारियों का अड्डा बन गया है। व्हाइट हाउस की प्रवक्ता अबीगैल जैक्सन ने बयान में कहा, हार्वर्ड देश के छात्रों पर नकारात्मक प्रभाव डालने वाली गतिविधियों को बंद नहीं करा पाया है। अब उसे इस ढिलाई की कीमत तो चुकानी ही होगी। उल्लेखनीय है कि हार्वर्ड विश्वविद्यालय और ट्रंप प्रशासन के अधिकारी महीनों से टकराव में उलझे हुए हैं। प्रशासन ने विश्वविद्यालय से कई बार कहा कि वह कैंपस प्रोग्रामिंग, नीतियों, भर्ती और प्रवेश प्रक्रिया में बदलाव करे, जिससे कैंपस में यहूदी विरोधी भावना को जड़ से खत्म किया जा सके।प्रशासन का दावा है कि इजराइल-हमास युद्ध पर परिसर में विरोध प्रदर्शनों का सिलसिला थम नहीं सका है। विश्वविद्यालय के नेतृत्व का तर्क है कि उसके छात्रों और कर्मचारियों के दृष्टिकोण का मूल्यांकन संघीय सरकार की भूमिका से बहुत आगे हैं। हार्वर्ड के संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन कोई नहीं कर सकता। हार्वर्ड अपनी अकादमिक स्वतंत्रता की रक्षा हर हाल में करेगा। हार्वर्ड विश्वविद्यालय ने ट्रंप प्रशासन की तीखी आलोचना की है। विश्वविद्यालय के प्रवक्ता जेसन न्यूटन ने इस फैसले को गैरकानूनी बताया। उन्होंने बयान में कहा कि विश्वविद्यालय 140 से अधिक देशों से आने वाले छात्रों और विद्वानों की मेजबानी करने के लिए प्रतिबद्ध है। ट्रंप प्रशासन की प्रतिशोधात्मक कार्रवाई हार्वर्ड समुदाय और अमेरिका को गंभीर नुकसान पहुंचा सकती है। उन्होंने कहा कि इस समय विश्वविद्यालय में 9,970 विदेशी छात्र पढ़ रहे हैं। 2024-25 शैक्षणिक वर्ष में 6,793 अंतरराष्ट्रीय छात्रों का नामांकन हुआ है।

आरसीबी ने टिम सीफर्ट को किया साइन, जैकब बेटल इंग्लैंड ड्यूटी के लिए होंगे रवाना

एजेंसी

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के बचे मैचों के लिए रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने न्यूजीलैंड के विकेटकीपर-बल्लेबाज टिम सीफर्ट को अपनी टीम में शामिल किया है। यह फैसला टीम के खिलाड़ी जैकब बेटल के इंग्लैंड की राष्ट्रीय टीम से जुड़ने के चलते लिया गया है। जैकब बेटल 23 मई को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ आरसीबी का लीग चरण का आखिरी मुकाबला खेलने के बाद 24 मई को इंग्लैंड रवाना होंगे। इसके बाद से टिम सीफर्ट की टीम में एंट्री प्रभावी मानी जाएगी। न्यूजीलैंड के इस अनुभवी खिलाड़ी ने अब तक 66 टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले हैं, जिनमें उन्होंने 1540 रन बनाए हैं। सीफर्ट को आरसीबी ने 2 करोड़ रुपये में साइन किया है। प्लेऑफ की दौड़ में टीम की संभावनाओं को देखते हुए उनकी मौजूदगी से आरसीबी के बल्लेबाजी क्रम को मजबूती मिलने की उम्मीद है।

खेलो इंडिया बीच गेम्स 2025 की बदौलत नए पंख लगाकर उड़ान भरने को तैयार 'दीव'

दीव। दीव का नाम शायद आपने बहुत कम सुना होगा, लेकिन अब यह सब बदलने जा रहा है और इसका श्रेय जाता है खेलो इंडिया बीच गेम्स (केआईबीजी) 2025 को। यह कहना गलत नहीं होगा कि भारत सरकार द्वारा आयोजित इन खेलों ने दीव को दोबारा राष्ट्रीय चेतना में ला दिया है और भारत के सबसे सुंदर समुद्र तटीय शहरों में से एक दीव अब इन खेलों की बदौलत नए पंख लगाकर उड़ान भरने को तैयार है। हालांकि इसकी पहली नींव पिछले साल स्थानीय प्रशासन ने रखी थी, जब उसने भारत में पहली बार किसी समुद्र तट पर मल्टी-स्पोर्ट्स इवेंट का आयोजन किया था। यह आयोजन उसी घोघला बीच पर हुआ था, जो खेलों इंडिया बीच गेम्स की मेजबानी कर रहा है। इस केंद्रशासित प्रदेश में एक लंबा समुद्री किनारा है और नागोआ और घोघला जैसे शानदार समुद्र तट हैं। दादरा एवं नगर हवेली और दमन एवं दीव के सचिव (खेल एवं युवा मामले विभाग) डॉ. अरुण टी ने एक बयान में कहा, पर्यटन के दृष्टिकोण से, केआईबीजी दीव की प्राकृतिक सुंदरता, समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और अनोखे तटीय आकर्षण को उजागर करेगा। इससे राष्ट्रीय स्तर पर ध्यान आकर्षित होगा। देशभर से पर्यटकों की संख्या बढ़ेगी और हमारा संघ प्रदेश एक पसंदीदा तटीय और खेल पर्यटन स्थल के रूप में उभरेगा।

किदांबी श्रीकांत मलेशिया मास्टर्स के क्वार्टरफाइनल में, एचएस प्रणॉय हुए बाहर

बुकित जलील। भारत के स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत ने मलेशिया मास्टर्स 2025 बैडमिंटन टूर्नामेंट के दूसरे राउंड में जीत दर्जकर अगले दौर में जगह बनाई। वहीं मिश्रित युगल में तनीषा क्रास्टो और ध्रुव कपिला की जोड़ी ने भी क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया। आज यहां एक्सियाटा एरिना केएल स्पोर्ट्स सिटी स्टेडियम में 59 मिनट तक चले मुकाबले में किदांबी ने आयरलैंड के न्हाट गुयेन को सीधेगेम में 23-21, 21-17 हराकर अगले दौर में जगह बनाई। किदांबी ने पहले गेम की शुरुआत से ही अपना दबदबा कायम रखते हुए अपनी बढ़त बनाए रखा। न्हाट ने किदांबी को कड़ी टक्कर दी, लेकिन आखिर में किदांबी ने अंक अर्जित कर पहला गेम जीत लिया। दूसरे गेम में भी किदांबी ने आक्रामक खेल का प्रदर्शन जारी रखते हुए आयरलैंड के बैडमिंटन खिलाड़ी को हराकर क्वार्टरफाइनल में जगह बनाई। क्वार्टरफाइनल में किदांबी का मुकाबला फ्रांस के टोमा जूनियर पोपोव से होगा। इसके अलावा विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता एचएस प्रणॉय को 23वें रैंक के खिलाड़ी जापान के युशी तनाका से सीधे गेम में 9-21, 18-21 से हार मिली। पुरुष एकल के अन्य मुकाबले में आयुष शेट्टी को फ्रांस के टोमा जूनियर पोपोव से 13-21, 17-21 से हार मिली, जबकि पुरुष एकल रैंकिंग में 51वें स्थान पर काबिज सतीश करुणाकरन भी राउंड ऑफ 16 में रैंकिंग में 18वें स्थान के खिलाड़ी फ्रांस के क्रिस्टो पोपोव से 13-21, 17-21 से हार का सामना करना पड़ा।

रोमांचक मुकाबले में लखनऊ सुपर जायंट्स ने गुजरात टाइटंस को 33 रनों से हराया

अहमदाबाद। मिचेल मार्श (117) और निकोलस पूरन (नाबाद 56) की आतिशी पारियों के बाद विलियम ओरूर्क (तीन विकेट), आवेश खान और आयुष बडोनी (दो-दो विकेट) की शानदार गेंदबाजी की बदौलत लखनऊ सुपर जायंट्स ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 65वें मुकाबले में गुजरात टाइटंस को 33 रनों से हरा दिया। आज यहां गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल ने टॉस जीतकर लखनऊ सुपर जायंट्स का पहले बल्लेबाजी का न्यौता दिया। बल्लेबाजी करने उतरी लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए एडन मारक्रम मिचेल मार्श की सलामी जोड़ी ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहले विकेट लिये 91 रन जोड़े। 10वें ओवर में साई किशोर ने मारक्रम 24 गेंदों में (36) रन को आउटकर गुजरात को पहली सफलता दिलाई। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये तीसरे बल्लेबाज निकोलस पूरन ने मिचेल मार्श के साथ दूसरे विकेट लिए 121 रनों की साझेदारी की। इन दोनों बल्लेबाजों ने गुजरात टाइटंस के गेंदबाजों की खूब खबर ली। 19वें ओवर की दूसरी गेंद पर अरशद खान ने शतकवीर मिचेल मार्श को आउटकर पवेलियन भेजा। मिचेल मार्श ने 64 गेंदों में 10 चौके और आठ छक्के लगाते हुए (117) रनों की पारी खेली। लखनऊ सुपर जायंट्स ने निर्धारित 20 ओवरों में दो विकेट पर 235 रन बनाकर आईपीएल का तीसरा सबसे बड़ा स्कोर खड़ा किया।

ओलंपिक मार्केटिंग के दिग्गज माइकल पेन बने वॉलीबॉल वर्ल्ड के चेयरमैन

एजेंसी

जिनेवा। ओलंपिक और खेल विपणन (स्पोर्ट्स मार्केटिंग) जगत के प्रसिद्ध विशेषज्ञ माइकल पेन को वॉलीबॉल वर्ल्ड का नया चेयरमैन नियुक्त किया गया है। अंतरराष्ट्रीय वॉलीबॉल महासंघ (एफआईवीबी) ने उक्त घोषणा की।

ओलंपिक मार्केटिंग में दो दशक से अधिक का अनुभव

67 वर्षीय माइकल पेन 1983 से 2004 तक इंटरनेशनल ओलंपिक कमेटी (आईओसी) में मार्केटिंग और ग्लोबल ब्रॉडकास्ट राइट्स के निदेशक रहे। इस दौरान उन्होंने 15 ओलंपिक खेलों के लिए मार्केटिंग कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की और उन्हें सफलतापूर्वक लागू किया।

खेल संगठनों के साथ रणनीतिक सलाहकार की भूमिका: एथेंस 2004 ओलंपिक के बाद पेन ने 'पेन स्पोर्ट्स मीडिया

स्ट्रैटेजीज' की स्थापना की, जिसके माध्यम से उन्होंने फॉर्मूला वन, एफआईवीबी और सीवीसी कैपिटल पार्टनर्स जैसे शीर्ष वैश्विक खेल संगठनों को सलाह दी।

वॉलीबॉल वर्ल्ड को वैश्विक मंच पर ले जाने का लक्ष्य: एफआईवीबी के अंतर्गत 2021 में स्थापित वॉलीबॉल वर्ल्ड अंतरराष्ट्रीय वॉलीबॉल और बीच वॉलीबॉल इवेंट्स का वाणिज्यिक संचालन करता है। पेन ने कहा, पिछले चार वर्षों में वॉलीबॉल वर्ल्ड ने खेल को वैश्विक मनोरंजन उत्पाद के रूप में नई ऊँचाइयों तक पहुँचाया है। मैं इस रोमांचक सफर का हिस्सा बनने और इस गर्मी होने वाली वॉलीबॉल नेशंस लीग और विश्व चैंपियनशिप जैसे बड़े इवेंट्स में योगदान देने को लेकर उत्साहित हूँ। माइकल पेन ने फर्नांडो लीमा की जगह ली है, जो वॉलीबॉल वर्ल्ड के पहले चेयरमैन रहे। हालांकि लीमा बोर्ड में बने रहेंगे और एफआईवीई में एक नई नेतृत्व भूमिका निभाएंगे। उन्होंने कहा, मैं अपने कार्यकाल पर गर्व महसूस करता हूँ और मुझे विश्वास है कि माइकल के नेतृत्व में हमारी विकास गति और तेज़ होगी। यह बदलाव वॉलीबॉल को वैश्विक खेल बाजार में और अधिक सशक्त स्थिति में पहुँचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

हिमाचल क्रिकेट टीम का चयन 27 मई को धर्मशाला में

एजेंसी

धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा 2025-26 सीजन के लिए हिमाचल की सीनियर टीम का चयन किया जाएगा। यह चयन प्रक्रिया अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम धर्मशाला में 27 मई को आयोजित की जाएगी। टीम का चयन वनडे और T20 प्रतियोगिता के लिए किया जा रहा है। एचपीसीए के सचिव अवनीश परमार ने बताया कि 27 मई को यह चयन प्रक्रिया धर्मशाला स्टेडियम में आयोजित की जाएगी। चयन प्रक्रिया में हिस्सा लेने के लिए किसी तरह की आयु सीमा की बंदिश नहीं है। इसके अलावा चयन प्रक्रिया में हिस्सा लेने वाले खिलाड़ियों को अपने साथ अपनी किट लानी होगी।

वहीं हिमाचली बोनाफाइड, आधार कार्ड, जन्म प्रमाण पत्र और दसवीं का प्रमाण पत्र भी साथ लाना होगा। उन्होंने बताया कि इस चयन प्रक्रिया में सिर्फ वही खिलाड़ी हिस्सा ले सकते हैं जो एचपीसीए के साथ पंजीकृत हैं।

लुका मोड्रिच कहेंगे रियल मैड्रिड को अलविदा, क्लब वर्ल्ड कप के बाद लेंगे विदाई

एजेंसी

नई दिल्ली। फुटबॉल की दुनिया के सबसे बेहतरीन मिडफील्डरों में शुमार लुका मोड्रिच जल्द ही रियल मैड्रिड को अलविदा कहने जा रहे हैं। क्लब के सबसे सफल खिलाड़ियों में से एक, मोड्रिच ने पुष्टि की कि वह क्लब वर्ल्ड कप के बाद क्लब को छोड़ देंगे। 2018 के बैलन डी'ऑर विजेता मोड्रिच 2012 से क्लब से जुड़े हुए हैं और लगभग 600 मैचों में रियल के लिए मैदान में उतरे हैं।

बर्नबू में आखिरी मुकाबला 39 वर्षीय क्रोएशियाई मिडफील्डर का आखिरी घरेलू मुकाबला शनिवार को रियल सोसिएदाद के खिलाफ ला लीगा का अंतिम मैच होगा। इसके बाद वह जून में शुरू होने वाले क्लब वर्ल्ड कप में टीम का हिस्सा रहेंगे और फिर विदाई लेंगे।

इमोशनल इंस्टाग्राम पोस्ट में दी विदाई की जानकारी

मोड्रिच ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा, वो पल आ गया है, जो मैं कभी नहीं चाहता था। लेकिन फुटबॉल और जिंदगी में हर चीज की एक शुरुआत होती है और एक अंत। शनिवार को मैं सैंटियागो बर्नबू में

अपना आखिरी मैच खेलूंगा। उन्होंने आगे लिखा, रियल मैड्रिड के लिए खेलना मेरी जिंदगी बदल देने वाला अनुभव रहा। इस क्लब की सबसे सफल पीढ़ी का हिस्सा बनकर मुझे गर्व है। क्लब वर्ल्ड कप के बाद भले ही मैं इस जर्सी में मैदान पर नहीं उतरूंगा, लेकिन दिल से हमेशा एक 'मेड्रिडिस्ता' रहूंगा।

रियल मैड्रिड के साथ लुका मोड्रिच की उपलब्धियां:

ला लीगा: 2016-17, 2019-20, 2021-22, 2023-24

कोपा डेल रे: 2013-14, 2022-23

सुपरकोपा डे एस्पाना: 2012, 2017, 2020, 2022, 2024

यूईएफए चैंपियंस लीग:2013-14, 2015-16, 2016-17, 2017-18, 2021-22, 2023-24

यूईएफए सुपर कप: 2014, 2016, 2017, 2022, 2024

फीफा क्लब वर्ल्ड कप: 2014, 2016, 2017, 2018, 2022

फीफा इंटरकॉन्टिनेंटल कप: 2024

फ्रेंच ओपन 2025 ड्रॉ: जोकोविच, सिनर एक ही हाफ में, पहले मैच में अल्कराज की टक्कर निशिकोरी से

एजेंसी

नई दिल्ली। पेरिस के रोलां गैरो में हुए ड्रॉ के अनुसार, वर्ल्ड नंबर 2 कार्लोस अल्कराज फ्रेंच ओपन 2025 में अपने खिताबी बचाव अभियान की शुरुआत जापान के अनुभवी खिलाड़ी केई निशिकोरी के खिलाफ मुकाबले से करेंगे। वहीं, विश्व के नंबर 1 खिलाड़ी जैनिक सिनर टूर्नामेंट की शुरुआत फ्रांस के आर्थर रिंडरनेश के खिलाफ करेंगे।

सिनर, जोकोविच और ज़्वेरेव एक ही हाफ में 23 वर्षीय सिनर, जिन्होंने हाल ही में इटैलियन ओपन से तीन महीने के डोपिंग प्रतिबंध के बाद वापसी की है, दूसरे दौर में फ्रेंच वाइल्डकार्ड रिचर्ड गैस्के से भिड़ सकते हैं। 38 वर्षीय गैस्के अपने करियर का आखिरी फ्रेंच ओपन खेल रहे हैं और यह उनका 22वां व अंतिम रोलां गैरो अभियान होगा।

पिछले साल के रनर-अप अलेक्जेंडर ज़्वेरेव और तीन बार के चैंपियन नोवाक जोकोविच भी सिन्नर के साथ इसी हाफ में हैं। ज़्वेरेव और जोकोविच के क्वार्टरफाइनल में आमने-सामने होने की संभावना है, जहां से विजेता सिनर के खिलाफ सेमीफाइनल में

भिड़ सकता है।

पहले दौर के रोमांचक मुकाबले:

कार्लोस अल्कराज (स्पेन) बनाम केई निशिकोरी (जापान)

अलेक्जेंडर ज़्वेरेव (जर्मनी) बनाम लर्नर टिएन (अमेरिका)

नोवाक जोकोविच (सर्बिया) बनाम मैकेंज़ी मैकडोनाल्ड (अमेरिका)

बेन शेल्टन (अमेरिका) बनाम लोरेंजो सोनेगो (इटली)

आर्थर फिस (फ्रांस) बनाम निकोलस जैरी (चिली)

ह्यूबर्ट हर्काच (पोलैंड) बनाम जोआओ फोंसेका (ब्राजील)

दानिल मेदवेदेव (रूस) बनाम कैमरन नोरी (ब्रिटेन)

न्यूजीलैंड की ऑलराउंडर हेले जेनसेन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से लिया संन्यास, 11 साल के करियर का अंत

एजेंसी

वेलिंगटन। न्यूजीलैंड महिला क्रिकेट टीम की अनुभवी ऑलराउंडर हेले जेनसेन ने 11 साल लंबे अंतरराष्ट्रीय करियर के बाद क्रिकेट को अलविदा कह दिया है। 32 वर्षीय जेनसेन ने 35 वनडे और 53 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में अपने देश का प्रतिनिधित्व किया। उन्होंने 2014 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया था। हेले जेनसेन चार टी20 वर्ल्ड कप टीमों का हिस्सा रही हैं, जिनमें 2020 में ऑस्ट्रेलिया में हुए टूर्नामेंट में वह न्यूजीलैंड की ओर से सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली गेंदबाज रहीं। इसके अलावा वह 2022 में न्यूजीलैंड में आयोजित वनडे वर्ल्ड कप में भी खेली थीं। उन्होंने 2022 के कॉमनवेल्थ गेम्स में भी शानदार

प्रदर्शन किया था, जहां इंग्लैंड के खिलाफ कांस्य पदक मैच में 3 विकेट लेकर न्यूजीलैंड को जीत दिलाई थी।हालांकि, वह 2022 के अंत के बाद से वनडे टीम से बाहर चल रही थीं। मार्च 2024 में श्रीलंका के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए उन्हें टीम में वापस बुलाया गया था, लेकिन चोट के चलते वह सीरीज नहीं खेल सकीं। संन्यास की घोषणा करते हुए जेनसेन ने कहा, जब मैं 10 साल की थी, तभी से मैंने तय कर लिया था कि मुझे वाइट फर्न्स टीम में खेलना है। इस सपने को जीने का मौका मिलना मेरे लिए बेहद खास रहा है। यह एक अविश्वसनीय यात्रा रही - जिसमें चुनौतियाँ, विकास, और ढेर सारी यादगार पल शामिल हैं।न्यूजीलैंड महिला टीम के मुख्य कोच बेन सॉयर ने जेनसेन के करियर की सराहना करते हुए कहा, हेले ने मैदान पर बल्ले और गेंद दोनों से अहम योगदान दिया है। उनकी क्रिकेट के प्रति निष्ठा और जुनून काबिले तारीफ है। हम उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हैं। हेले जेनसेन ने यह स्पष्ट किया है कि वह घरेलू क्रिकेट में खेलना जारी रखेंगी या नहीं, इस पर फैसला बाद में लेंगी।

आईसीसी ने इलिंगवर्थ को 100 वनडे मैचों में अंपायरिंग की उपलब्धि पर दी बधाई

एजेंसी

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने रिचर्ड इलिंगवर्थ को 100 पुरुष एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैचों में अंपायर के रूप में कार्य करने के लिए बधाई दी है। आईसीसी अंपायर ऑफ द ईयर पुरस्कार के चार बार के विजेता इलिंगवर्थ ने बुधवार को डबलिन में आयरलैंड और वेस्टइंडीज के बीच पहले एकदिवसीय मैच में इस उपलब्धि को छुआ। 61 वर्षीय इलिंगवर्थ ने 2010 में अंपायरिंग में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण करने के बाद से 76 पुरुष टेस्ट, 35 पुरुष टी20, एक महिला टेस्ट, छह महिला वनडे और 13 महिला टी20 मैचों में मैदानी अंपायर रह चुके हैं। आईसीसी के चेयरमैन जय शाह ने इस उपलब्धि पर इलिंगवर्थ को बधाई दी। आईसीसी की ओर से जारी बयान में शाह ने कहा कि यह एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है जो पिछले कुछ वर्षों में उनके द्वारा दिखाई गई निरंतरता को दर्शाता है। हमें उम्मीद है कि रिचर्ड आने वाले वर्षों में भी इसी तरह सफल होते रहेंगे। आईसीसी की ओर से मैं उन्हें इस महत्वपूर्ण उपलब्धि तक पहुंचने के लिए बधाई देता हूं। रिचर्ड इलिंगवर्थ ने इस मुकाम को हासिल करने पर कहा कि अपने 100वें एकदिवसीय मैच में अंपायरिंग करना बहुत अच्छा लग रहा है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अंपायरिंग करना चुनौतीपूर्ण है, लेकिन मुझे इसका हर पहलू पसंद है। मैं इस सर्किट का हिस्सा बनकर बहुत भाग्यशाली महसूस कर रहा हूं, क्योंकि क्रिकेट मेरे लिए आजीवन जुनून रहा है। खेल को इतने करीब से देख पाना सम्मान और सौभाग्य की बात है।

इंग्लैंड दौरे के लिए क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी पटना से हुए रवाना

एजेंसी

पटना। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने 22 मई 2025 को इंग्लैंड दौरे के लिए अंडर-19 क्रिकेट टीम की घोषणा की है, जिसमें बिहार के होनहार खिलाड़ी 14 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी को भी शामिल किया गया है। टीम इंडिया अंडर-19 में चयन के बाद इंग्लैंड दौरे पर जाने के लिए वैभव पटना से बेंगलुरू के लिए रवाना हो गए।

वैभव बिहार के समस्तीपुर आए हुए थे, जहां उनका परिवार रहता है। यह दौरा 24 जून से 23 जुलाई 2025 तक होगा। बेंगलुरु के लिए फ्लाइट पकड़ने के लिए वैभव करीब 4 बजे समस्तीपुर से पटना एयरपोर्ट पहुंचे। वैभव के साथ उनके पिता और चाचा भी थे। मीडिया कर्मियों ने वैभव से बात करनी चाही, लेकिन वो थैक्यू कहकर आगे बढ़ गये। वैभव के चाचा ने मीडिया से बात की और कहा कि भतीजे की कामयाबी से वो बहुत खुश हैं। बिहार के लिए यह

गर्व की बात है। वैभव ने आईपीएल में इतना अच्छा परफॉर्मेंस किया है और आगे भी वह अच्छा करेगा। हम बहुत खुश हैं कि हमारा भतीजा भारतीय टीम का हिस्सा बनने जा रहा है।

आईपीएल 2025 में 35 गेंदों में रिकॉर्ड शतक बना चुके हैं वैभव

उल्लेखनीय है कि वैभव ने आईपीएल 2025 में राजस्थान रॉयल्स के लिए शानदार प्रदर्शन किया। अब अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए बिल्कुल तैयार हैं। वैभव ने आईपीएल 2025 में राजस्थान रॉयल्स के लिए सात मैचों में 252 रन बनाए हैं, जिसमें 35 गेंदों में एक रिकॉर्ड शतक (101 रन, गुजरात टाइटंस के खिलाफ) और एक अर्धशतक (57 रन, चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ) शामिल है। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 206.55 रहा, जिसमें 18 चौके और 24 छक्के शामिल थे। 14 साल और 32 दिन की उम्र में वह पुरुष टी-20 क्रिकेट में सबसे कम उम्र के शतकवीर बने और उनका 35 गेंदों का शतक क्रिस गेल के बाद आईपीएल इतिहास का दूसरा सबसे तेज शतक था।

पंजाब किंग्स का लक्ष्य शीर्ष दो में जगह बनाना

जयपुर।पंजाब किंग्स का लक्ष्य 11 साल बाद इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के प्लेऑफ में जगह पक्की करने के बाद शीर्ष दो में जगह बनाना है। वर्तमान में, टीम तीसरे स्थान पर है और उसका लक्ष्य शीर्ष दो में जगह बनाकर क्वालिफायर 1 में खेलने और फाइनल में पहुंचने का मौका बनाना है.श्रेयस अय्यर की अगुआई वाली पंजाब किंग्स टीम का सामना शनिवार को जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में 66वें मैच में दिल्ली कैपिटल्स से होगा, जो पहले ही प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो चुकी है और अपने निराशाजनक सीजन का शानदार तरीके से अंत करना चाहेगी। पंजाब इस सीजन में सबसे लगातार अच्छा प्रदर्शन करने वाली टीम रही है, जिसने 12 मैचों में 17 अंक प्राप्त किये हैं और दो मैच शेष रहते प्लेऑफ में जगह पक्की कर ली है। अय्यर ने आईपीएल 2025 में 175 के स्ट्राइक रेट से 435 रन बनाए हैं।

तेज गेंदबाज मुकेश कुमार पर आचार संहिता उल्लंघन के लिए जुर्माना

एजेंसी

मुंबई। मुंबई इंडियंस और दिल्ली कैपिटल्स के बीच वानखेड़े स्टेडियम में खेले गए आईपीएल 2025 के 63वें मुकाबले के दौरान दिल्ली कैपिटल्स के तेज गेंदबाज मुकेश कुमार को आचार संहिता का उल्लंघन करने के चलते मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। साथ ही, उनके नाम पर एक डिमेरिट पॉइंट भी दर्ज किया गया है। आईपीएल की ओर से जारी बयान के अनुसार, मुकेश कुमार ने लेवल 1 का उल्लंघन - अनुच्छेद 2.2 स्वीकार किया है, जो कि मैच के दौरान क्रिकेट उपकरण, परिधान, मैदान के उपकरण या स्थायी ढांचे को नुकसान या दुरुपयोग से संबंधित है। मुकेश ने मैच रैफरी के निर्णय को स्वीकार कर लिया है, जिससे उन्हें आगे की सुनवाई से छूट मिल गई।

आईपीएल आचार संहिता के नियमों के तहत लेवल 1 के उल्लंघन की स्थिति में मैच रैफरी का निर्णय अंतिम और बाध्यकारी होता है। यह घटना उस समय घटी जब मुकाबले के दौरान मुकेश कुमार ने अपना आपा खो दिया और क्रिकेट उपकरण पर नाराजगी जाहिर की। हालांकि, उन्होंने तुरंत अपनी गलती स्वीकार की और फैसले को मान लिया।

खेलो इंडिया बीच गेम्स- महाराष्ट्र की दीक्षा यादव का स्वर्णिम जलवा, पेंचक सिलाट में मणिपुर और नगालैंड की चमक

एजेंसी

दीव। दीव में आयोजित पहले खेलो इंडिया बीच गेम्स 2025 में गुरुवार का दिन उत्साह, प्रतिस्पर्धा और नई उपलब्धियों से भरा रहा। महाराष्ट्र की दीक्षा यादव ने ओपन सी स्विमिंग में स्वर्ण पदकों की हैट्रिक लगाते हुए अपने अद्भुत कौशल का प्रदर्शन किया। वहीं पेंचक सिलाट जैसे पारंपरिक खेल में मणिपुर, नगालैंड और जम्मू-कश्मीर जैसे राज्यों ने अपने शानदार प्रदर्शन से सबका ध्यान खींचा।

दीक्षा यादव का गोल्डन डबल

19 वर्षीय दीक्षा ने 5 किलोमीटर ओपन सी स्विमिंग में जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए 01 घंटा 10 मिनट 12 सेकेंड में रेस पूरी कर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। बुधवार को उन्होंने 10 किलोमीटर रेस में भी पहला स्थान हासिल किया था। यह दीक्षा का इस प्रतियोगिता में दूसरा स्वर्ण पदक है। उनकी टीममेट पूर्वा गवड़े ने 13 सेकेंड के अंतर से रजत और कर्नाटक की आसरा आर. सुधीर ने कांस्य पदक जीता।

पेंचक सिलाट में उभरे पूर्वोत्तर के सितारे

इंडोनेशियाई मूल की पारंपरिक मार्शल आर्ट पेंचक सिलाट में कुल 46 स्वर्ण पदकों में से 28 पदक दांव पर थे। मणिपुर और दादरा एवं नगर हवेली और दमन दीव ने चार-चार स्वर्ण पदक जीतकर शानदार प्रदर्शन किया। नगालैंड को भी दो स्वर्ण मिले। जबकि जम्मू-कश्मीर ने पहला स्वर्ण पदक हासिल किया, जब सज्जाद अहमद बेग ने सीनियर पुरुष 55-60 किग्रा श्रेणी में ओडिशा

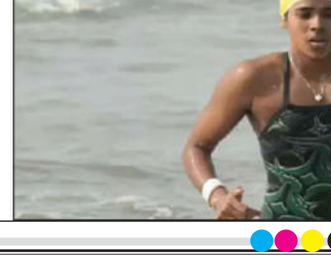

के खिलाड़ी को 9-0 से हराया।

सेपक टकरॉ में हरियाणा और केरल की धाक: हरियाणा की पुरुष टीम ने गोवा को 2-0 (15-4, 15-11) से हराकर डबल्स इवेंट का स्वर्ण जीता। केरल की महिला टीम ने ओडिशा को 2-0 (15-4, 15-9) से हराकर डबल्स इवेंट में जीत दर्ज की। दिल्ली, जिसने पहले त्रयी टीम इवेंट में स्वर्ण जीता था, को डबल्स में कांस्य से संतोष करना पड़ा।

बीच सॉकः मध्य प्रदेश ने महिला वर्ग में आंध्र प्रदेश को 6-1 से हराया। पुरुष वर्ग में महाराष्ट्र ने गुजरात को 6-5 से मात दी।

बीच वॉलीबॉर्लः पुरुष और महिला वर्ग के क्वार्टर फाइनल में तमिलनाडु, केरल और पुडुचेरी ने दमदार प्रदर्शन किया।

पांच किलोमीटर ओपन सी स्विमिंग के पुरुष वर्ग मुकाबले में ध्रुपद रामकृष्ण (कर्नाटक) ने 1:06:46 मिनट का टाइम लेते हुए स्वर्ण पदक जीता। जबकि गुंडु विष्णु वर्धन (तेलंगाना) ने 1:06:58 समय के साथ रजत तथा हेमंत ए (तमिलनाडु) ने 1:07:41 मिनट का समय निकालते हुए कांस्य पदक अपने नाम किया।

अरब सागर में संभावित चक्रवात की चेतावनी के कारण खेलों का समापन शुक्रवार को ही किया जाएगा। अंतिम दिन सेपक टकरॉ, कबड्डी, बीच वॉलीबॉल और सॉकर के कई रोमांचक फाइनल मुकाबले खेले जाएंगे।

कसौटी जीवनसाथी की

हम सभी चाहते हैं हमें मिले एक ऐसा जीवनसाथी जिसके साथ जिंदगी एक खूबसूरत सफर बन जाए। अब सवाल यह उठता है कि सही जीवनसाथी का पैमाना क्या है। एक ऐसा हमसफर तलाश करना, जो आपके हर सुख-दुख का साथी बने, अंतर्मन को समझे और जिंदगी में आपकी ताकत बन सके, आसान नहीं होता। किसी भी शख्स को समझने में समय लगता है। यद्यपि इस मामले में हम अपने दिल की सुनते हैं, पर अंतिम निर्णय पर पहुंचने से पहले भली प्रकार सोच-विचार करना आवश्यक है। कोई शख्स आपके लिए सही जीवनसाथी है, इस संबंध में फैसला लेने के लिए कुछ बातों पर अवश्य गौर करें:

आप दोनों एक-दूसरे का सम्मान करते हैं

आप दोनों की नजर में एक-दूसरे के लिए सम्मान का भाव होना जरूरी है। वह आपकी इज्जत करें और आप उनकी, तभी सफल हो सकता है

आपका दांपत्य।

उनके मन में आपके लिए कितनी इज्जत है, इसका निर्णय आप स्वयं कर सकती हैं, यदि

- वह समझौता करने के लिए तैयार हैं
- उन्हें आपकी भावनाओं की फिक्र है
- अगर आपके साथ कुछ गलत होता है तो वह आपसे इस बारे में पूछते हैं
- आपकी राय को महत्व देते हैं
- आपके प्रति प्रशंसा का भाव रखते हैं
- जब आपको किसी प्रकार की सफलता मिलती हैं तो उन्हें खुशी मिलती है

अगर एक-दूसरे की सफलता को देखकर आपके मन में उत्साह और सहयोग की भावना उत्पन्न होने के बजाय ईर्ष्या का भाव पैदा होता है तो आपको कुछ क्षणों के लिए रुककर यह विचार करने की आवश्यकता है कि क्या वास्तव में आपके हृदय में एक-दूसरे के लिए सम्मान है।

उनमें वे गुण हैं,

जिनकी आपको तलाश है

आपको पूर्व में ही भली प्रकार यह पता होना चाहिए कि अपने हमसफर में आप कौन से गुण देखना चाहती हैं। अगर आपको यह पता होगा कि आप किन गुणों की तलाश में हैं तो आपको यह फैसला लेने में मदद मिलेगी कि वह शख्स आपके लिए सही है। इस संबंध में आप एक लिस्ट भी तैयार कर सकती हैं। अपने होने वाले जीवनसाथी में जिन दस गुणों को देखना चाहती हैं, उन्हें सूचीबद्ध करें। जो गुण आपके लिए अधिक मायने रखते हैं, उन्हें इस सूची में क्रम से ऊपर रखें। इस सूची पर एक बार पुनः निगाह डालें और जो गुण आपके लिए बहुत अधिक मायने नहीं रखते उन्हें काट दें। कुछ गुणों को लेकर समझौता भी किया जा सकता है। यदि ऐसा है तो उन्हें आप लिस्ट से हटा भी सकती हैं। इस तरह आप उन पांच अहम् गुणों को चिन्हित कर पाएंगी, जिनको लेकर किसी प्रकार का समझौता नहीं किया जा सकता।

यह सब करने के दरम्यान आपको दो अहम् बातें ध्यान में रखनी होंगी। पहला, कोई भी इंसान संपूर्ण नहीं है। अगर आप अपने लिए मिस्टर परफेक्ट की तलाश में हैं तो आपको इस तलाश पर विराम लगाना होगा और यह समझना होगा कि परफेक्शन जैसी कोई चीज है ही नहीं। इसके साथ ही आपके मन मस्तिष्क में यह स्पष्ट होना चाहिए कि किसी भी स्थिति में आपको कोई समझौता नहीं करना है। चूंकि वह शख्स एक अच्छा विकल्प है, इसलिए आपने उसे हमसफर के रूप में स्वीकार किया, इस सोच के साथ आगे बढ़ना ठीक नहीं है। आपके भीतर इस बात का विश्वास होना चाहिए कि आपने उन्हें सिर्फ अच्छा विकल्प मानकर अपना हमसफर नहीं चुना है, बल्कि वह वास्तव में आपके लिए सही शख्स हैं।

यह विचार करें कि जो शख्स आपके सामने है, उसमें क्या वे पांच जरूरी गुण हैं, जिन्हें लेकर आप कोई समझौता नहीं करना चाहती हैं। अगर वह आपके उस सांचे में फिट नहीं है तो इस बात की संभावना अधिक है कि वह आपके लिए सही जीवनसाथी नहीं है। कई बार ऐसा होता है कि किसी प्रभाव में आकर हम अपने मानक बदलने को तैयार हो जाते हैं, पर किसी की खातिर आपको अपने मानक कभी नहीं बदलने चाहिए। आप किसी इंसान को वह बनने पर मजबूर नहीं कर सकतीं, जो वह नहीं है। यदि वह शख्स लिस्ट में मौजूद पांच महत्वपूर्ण गुणों की कसौटी पर खरा उतरता है तो इस बात की संभावना अधिक है कि वह आपके लिए सही हमसफर साबित होगा।

आप दोनों के मूल्य एक जैसे हैं

आप अपनी जिंदगी में किन चीजों को सबसे ज्यादा महत्व देती हैं? आप अपनी जिंदगी को किन मूल्यों और आदर्शों के अनुसार जीने का ख्वाब देखती हैं? ये सवाल अहम् हैं। जिस तरह आप कुछ अनिवार्य गुणों के आधार पर यह परखने का प्रयास करती हैं कि कोई शख्स आपके लिए सही है, ठीक उसी प्रकार आपको सही फैसला लेने में मदद करेंगे आपके जीवन मूल्य। अगर आपके मूल्य एक जैसे नहीं हैं तो आगाह हो जाएं। वास्तव में हमारे मूल्य परिभाषित करते हैं व्यक्तित्व को। अगर किसी को खुश करने के लिए आप अपने आदर्शो और मूल्यों को बदलने को तैयार हो जाती हैं तो इसका अर्थ हुआ कि आप खुद को बदलने की कोशिश कर रही हैं। किसी भी रिश्ते में ऐसा करना ठीक नहींहै।

जीवन मूल्यों को लेकर काफी पहले ही आपस में विचार-विमर्श कर लेना चाहिए। यह कयास लगाने की कोशिश न करें कि उनके लिए जीवन में सबसे महत्वपूर्ण क्या है। बेहतर होगा कि इस संबंध में उनसे खुलकर पूछें। अगर जीवन मूल्यों को लेकर उनका कोई नजरिया ही नहीं है या वह आपको इस बारे में बता पाने में सक्षम नहीं हैं तो आपको सचेत हो जाना चाहिए। एक सशक्त व्यक्तित्व का स्वामी वही है, जो परिस्थितियों के अनुसार अपना व्यवहार ढाल सके, पर जीवन मूल्यों को लेकर उसका नजरिया स्पष्ट होना चाहिए।

अंतर्मन की आवाज

अपने अंतर्मन की आवाज की कभी उपेक्षा नहींकरनी चाहिए। इसके साथ ही साथ आपको इस बात का भी ख्याल रखना चाहिए कि आपके फैसले का आधार सिर्फ वही तो नहीं है। जीवनसाथी का चुनाव करते समय आप अपने अंतर्मन पर भरोसा कर सकती हैं। किसी शख्स के बाह्मं व्यक्तित्व के प्रति आकर्षण से आगे जाकर उसे समझने में मदद करता है आपका अंतर्मन। कई बार हमें आभास हो जाता है कि कोई शख्स हमारे लिए सही है या नहीं। कभी-कभी ऐसा हो सकता है कि कोई व्यक्ति स्वयं को उस रूप में पेश करने की कोशिश करे जो वह नहींहै। ऐसे में भावी जीवनसाथी के बारे में कोई फैसला लेने में अंतर्मन की आवाज काम आती है।

उनके साथ रहने पर आपको कोई दिखावा न करना पड़े

यदि कोई शख्स आपको बदलने की कोशिश करता है तो इसका अर्थ हुआ कि उसकी नजर में आपका अपना कोई महत्व नहीं है। असल में आप जैसी हैं, वैसे ही उनके साथ भी रहती हैं और उन्हें इस बात से कोई फर्क नहींपड़ता तो यह संकेत है कि वह आपके लिए सही हमसफर हो सकते हैं। इसका अर्थ यह हुआ कि उन्होंने आपको न सिर्फ आपकी अच्छाईयों के साथ स्वीकार किया है, बल्कि आपकी कमजोरियों के साथ भी अपनाया है। अगर उनके साथ रहते हुए आप दिखावे से दूर व सहज रह सकें तो आपको अपने अनुसार जिंदगी जीने की आजादी महसूस होगी। आपको यह लगेगा कि उन्होंने आपको उसी रूप में स्वीकार किया है जैसी आप हैं।

सच्चे हमसफर की तलाश के दौरान उपरोक्त बातों को ध्यान में रखना आपके लिए होगा मददगार। इसमें कोई दो राय नहीं कि एक-दूसरे के प्रति सम्मान, चाहत, विश्वास और जिंदगी को लेकर साझा आदर्शो और प्राथमिकताओं की मजबूत बुनियाद पर ही खड़ी होती है सफल दांपत्य की इमारत।

दिल को देखो, चेहरा न देखो

शादी एक बहुत बड़ी जिम्मेदारी है। एक अनजान से जिंदगीभर का साथ निभाना आसान काम नहीं है। मेरे ख्याल से अपने संभावित हमसफर में यह चीज ढूंढ़ने की कोशिश करें कि वह आपका सम्मान करता है कि नहीं। चाहे आप कामकाजी हों या हाउसवाइफ रहने वाली हों। वह आपको आपके मौजूदा रूप में स्वीकार करने की स्थिति में है तो समझें कि आप दोनों की खूब जमने वाली है। मामला थोड़ा भी आपको चेंज करने वाला हो तो समझ लें कि कुछ गड़बड़ होगी। इसलिए मुझे ऐसे साथी की तलाश है, जो मुझे मेरे रूप में स्वीकारे। मुझे पूरा सम्मान दे, मुझे समझे। मेरी कमजोरियों का इस्तेमाल मेरे खिलाफ न करे। हालांकि ऐसे लड़के का मिलना मुश्किल होता है, पर अगर परफेक्ट वन की बात करें तो मेरे ख्याल से उसमें उपरोक्त खूबी होनी चाहिए। लुक पर न जाएं। देखें कि उसका दिल सच्चा है कि नहीं। इस संदर्भ में मशहूर गाना बिल्कुल सटीक बैठता है कि दिल को देखो, चेहरा न देखो, चेहरों ने लाखों को लूटा, दिल सच्चा और चेहरा झूठा।

अनुष्का शर्मा, अभिनेत्री

जजमेंटल न हो

ठीक ही कहा गया है हर बीमारी का इलाज है, पर शक का कोई ईलाज नहीं। कहने का तात्पर्य यह कि अगर किसी को शक्की हमसफर मिल जाए तो दूसरे साथी की जिंदगी तबाह होनी ही है। सिद्धार्थ के रूप में मुझे ऐसा हमसफर मिला, जो जजमेंटल नहीं है। शक की बीमारी नहीं है, जो बहुत कम लोगों में देखा जाता है। खासकर जिसकी बीवी खूबसूरत और सोशल लाइफ में काफी सक्रिय हो। वे मेरे, दोस्तों और अपने सहकर्मियों के संग समान भाव से पेश आते हैं। हर किसी के साथ अलग-अलग अवतार नहीं लेते। वे अपनी बातें दूसरों के ऊपर नहीं थोपते। शादी के बाद भी उन्होंने मुझे पूरी आजादी दी है कि मैं शादी से पहले जैसी थी, वैसी ही रहूं। वे सामने वाले को भी अपनी बातें रखने का पूरा समय देते हैं। इस तरह का विश्वास ही किसी भी तरह की पति-पत्नी के बीच रिश्ते को गहरा करता है। देखा जाता है कि ज्यादा पढ़े लिखे लोग बात-बात पर जजमेंटल हो जाते हैं। वह गलत है। बेहतर तरीका यह है कि किसी के बारे में ठीक-ठाक अनुमान लगाने के लिए आप खुद को सामने वाली की जगह रखकर देखिए। आपको उसकी वस्तुस्थिति का पता चल जाएगा। इनसेक्योरिटी दूसरा पहलू है। यह सुनिश्चित करें कि आप जिसके साथ फेरे लेने वाली हों वह इनसेक्योर शख्स न हो तो आप की शादीशुदा जिंदगी आसानी से चलती रहेगी।

घर सजाने के दस नियम

अपने सपनों का घर आप से बेहतर भला कौन सजा सकता है। अगर आप अपने घर को अपने तरीके से सजाना चाहते हैं तो कुछ साधारण नियमों को अपना सकते हैं। जब आप उसे सजाएंगे तो उसका अहसास ही अलग होगा और आपको संतोष भी मिलेगा। यहां दिए गए कुछ नियमों को अपनाकर घर के इंटीरियर को नया अंदाज दे सकते हैं-

पहला नियम

इंटीरियर डेकोरेशन के तमाम तरीके हैं लेकिन घर की सजावट आपको अपनी पसंद के अनुरूप करनी चाहिए। पहला नियम यह है कि आपको घर में आपकी छवि/व्यक्तित्व दिखनी चाहिए। यह हमेशा ध्यान रखें कि घर आपका है न कि मेहमानों का। अपनी सुविधा को प्राथमिकता दें, दूसरों से राय लें, लेकिन उसे उतना ही मानें जितनी की जरूरत हो।

दूसरा नियम

जल्दबाजी में घर की सज्जा न करें। पहले सोचें कि आपको क्या और कैसा सामान चाहिए। आपका बजट चेक करें कि आप किन चीज़ों पर अधिक और कम खर्च कर सकते हैं।

तीसरा नियम

ज्यादातर चीजें 90 डिग्री कोण के हिसाब से रखें मसलन रग्स, टेबल, चेयर व पिक्चर्स आदि। रूम को सजाने का एक खास तरीका है- कोने का सॉफ्ट होना या अगर आप शार्प कॉर्नर नहीं चाहते तो कुछ गोलाकार चीजों का संयोजन भी कर सकते हैं। एक राउंड कॉफी टेबल या रग आपके कमरे को अधिक आकर्षक बना सकता है।

चौथा नियम

स्टोर जाकर हर चीज का सेट न खरीदें। इससे ऐसा लगेगा जैसे सब कुछ आपने एक ही दिन में किया है। वह गड़बड़ और बिखरा हुआ दिखेगा। ब्लेंडिंग ज्यादा बेहतर होती है। आपको कॉम्बिनेशन पर ध्यान देना है। कौन सी चीजें किसके साथ व कैसे अच्छी लगेंगी इस ओर ध्यान दें। मसलन रूम के कलर्स के साथ फर्नीचर व एक्सेसरीज का कॉम्बिनेशन बनाएं। सब कुछ मैचिंग का न रखें। यह तभी संभव होगा जब आप अलग-अलग जगह से चीजें जुटाई जाएंगी।

पांचवां नियम

आप रूम को सफेद रखना चाहते हैं तो सही रंग चुनें। बाजार में तमाम तरह के सफेद रंग उपलब्ध हैं, जो पिंक, ब्ल्यू या यलो टोन में भी दिख सकते हैं। आपको सही सफेद यानी व्हाइट डायमंड कलर, कूल इफेक्ट देने के लिए प्योर व्हाइट और वार्मर इंटीरियर के लिए व्हाइट डव कलर बेस्ट होते हैं। इसे जांचने का सही तरीका है कि आप एक छोटे बोर्ड में अपनी पसंद या सफेद रंग भरें और उसे रूम में अलग-अलग जगह और अलग रोशनी में रखकर देखें कि वह दिन व रात में कैसा लगता है।

छठा नियम

घर को सुंदर और सबसे अनूठा बनाने की चाहत के कारण अकसर हम ओवर थीम क्रिएट कर देते हैं। यह सब नॉटिकल रूम के साथ अच्छा लगता है लेकिन उसके साथ सिर्फ ब्ल्यू और व्हाइट स्ट्रिप ही अच्छी दिखती है। अब इसके साथ आप अगर रोप नॉट पिलो और पोर्थोल मिरर का इस्तेमाल करेंगे तो वह अच्छा नहीं लगेगा। किसी एक थीम पर फोकस करना बेहतर रहेगा। इससे आप खुद देखेंगे कि आपका कमरा कितना सुंदर नजर आ रहा है।

सातवां नियम

डिजाइन से पहले फ्लोर प्लान बनाएं। कमरों का डाइमेंशन, खिड़कियों, दरवाज़ों व अन्य फीचर्स को मापें। ताकि जो सामान आप खरीदें वह अच्छी तरह फिट हो जाए।

आठवां नियम

सबसे पहले अपने स्पेस और वातावरण पर ध्यान दें। क्लाइमेट का असर भी रंगों पर पड़ता है। रूम किस किस्म का है, यह ध्यान देना ज़रूरी है। मसलन अगर बच्चों का कमरा है तो उसके लिए वाइब्रेंट कलर्स चुनें। उसी तरह ड्राइंगरूम के लिए ब्राउंस और अन्य एलिगेंट डार्क शेड्स चुनें। आप चाहें तो अपनी थीम के हिसाब से भी कलर चुन सकते हैं और इसके लिए किसी इंटीरियर डिजाइनर से भी सलाह ली जा सकती है।

नौवां नियम

इंटीरियर का नया रूल यह है कि आप पूरे घर को एक थीम पर ही सजा सकते हैं। या फिर हर रूम के लिए अलग अलग थीम्स रखी जा सकती हैं। यह न सोचें कि अगर आपका किचन मॉर्डन किचन के कांसेप्ट पर है तो बेडरूम को ट्रेडिशनल अंदाज नहीं दिया जा सकता। प्रयोग का ज़माना है आप प्रयोग करिये। बस इतना ध्यान रखिए कि कुछ ओवर डू ने होने पाए।

दसवां नियम

एक साथ पूरे घर में सब कुछ डिस्प्ले करना जरूरी नहीं है। इस तरह घर भरा-भरा व अजीब लगेगा। बेहतर होगा कि आप हर महीने भर में सजावटी सामानों की अदला-बदली कर लें। इससे घर में ताजगी का अहसास तो होगा ही साथ ही हर बार इंटीरियर में नयापन देखने को भी मिलेगा।

आप चाहें तो रूम में कुछ प्लांट्स भी सजा सकते हैं। इससे आपका घर नेचर के करीब दिखाई देगा और आपको ताजगी का अहसास मिलेगा। सूरज की रोशनी को घर में आने का जरिया बनाना न भूलें। सनलाइट का अपना अलग प्रभाव रहता है। ऐसे में कुछ इस तरह के पर्दे रखें कि जरूरत पड़ने पर खिड़कियां से भरपूर रोशनी घर के भीतर आ सके। सजावट में फैब्रिक और फ्लोरिंग की भूमिका बेहद अहम होती है। ऐसे में इनके को-आर्डिनेशन पर भी जरूर ध्यान दें।

व्हाइट एंड ब्लू में है मैजिक

घर की सजावट के मामले में इन दिनों टॉप पर है ब्लू एंड व्हाइट कांबिनेशन। घर को पेंट कराना हो या पर्दे, कालीन, सोफा, कुशन इत्यादि या आकर्षक एक्सेसरीज से कमरे को सजाना, यह कलर कांबिनेशन बेस्ट है। इंटीरियर डिजाइनर्स भी इस कांबिनेशन को देते हैं खास तवज्जो, क्योंकि यह न सिर्फ आपके घर को खूबसूरत बनाता है, बल्कि मानसिक सुकून भी देता है। वैसे तो व्हाइट के संग ब्लू के सभी शेड्स अच्छे लगते हैं। हां, अगर आप एक जैसे शेड्स के विभिन्न फैब्रिक में अलग-अलग पैटर्न और टेक्सचर का चुनाव करती हैं तो यह और भी खूबसूरत लगता है।

घर में विशेष महत्व रखते हैं आपका ड्राइंग रूम और लिविंग रूम। इनकी साज-सज्जा में झलकती है आपकी अभिरुचि। लिविंग रूम और ड्राइंग रूम की साज-सज्जा देखकर मेहमान आपके बारे में धारणा बनाते हैं। जब ऐसा है तो क्यों न यहीं से करें घर को सजाने की शुरुआत। सोफे का कलर बदलना भले ही मुश्किल हो, पर कुशन और सोफा बैक के जरिए आप यहां जोड़ सकती हैं व्हाइट एंड ब्लू कांबिनेशन का आकर्षण। व्हाइट एंड ब्लू में पोल्का डॉट्स प्रिंट के कुशन भी अच्छे लगेंगे।

वहीं डाइनिंग टेबल पर ब्लू और व्हाइट मैट्स सेट कर सकती हैं। जहां तक टेबल क्लॉथ की बात है तो ब्लू डेनिम में व्हाइट लेस लगाकर बिछाने से कमरे की शोभा बढ़ जाएगी। अगर कमरे का रंग डार्क ब्लू है तो व्हाइट फर्निशिंग का चुनाव करें। व्हाइट कुशन, डोर मैट्स इत्यादि से कमरे को मिलेगा मॉर्डन एवं ट्रेंडी लुक। डार्क ब्लू शेड की एक खासियत है कि इससे कमरा बड़ा लगता है।

कमरे में सौंदर्य और सुकून का अहसास जगाने के लिए व्हाइट एंड ब्लू के कांबिनेशन वाले कालीन एवं रग्स का चुनाव भी है अच्छा आइडिया। यदि कमरे की दीवारें सफेद हैं तो ब्लू रंग के पर्दो का चुनाव करना बेहतर रहेगा। खिड़कियों के लिए ब्लू कलर में शिफॉन के पर्दे चुन सकती हैं। यदि कमरे की दीवारें ब्लू कलर में हैं तो व्हाइट एवं ब्लू कलर के प्रिंटेड पर्दे चुनें। यहां व्हाइट के बेस में ब्लू का प्रिंट अच्छा लगेगा।

बेडरूम के लिए भी परफेक्ट है व्हाइट एंड ब्लू कांबिनेशन। डार्क ब्लू रंग की दीवारों के साथ खूबसूरत लुक देगा व्हाइट गिलाफ से सजा बेड। वहींव्हाइट बेडशीट्स और टॉप शीट के साथ ब्लू तकिए अच्छे लगेंगे। इनके साथ व्हाइट एंड ब्लू स्ट्राइप्स वाला कालीन और रग्स डालने से इस कलर कांबिनेशन का आकर्षण और भी बढ़ जाएगा।

इस संबंध में अब न करें ज्यादा सोच-विचार, क्योंकि ब्लू एंड व्हाइट कांबिनेशन में है कुछ ऐसा जादू, जो बिखेर देगा हर ओर प्रकृति की सुरम्यता और सुकून।

सेना शौर्य आपरेशन सिन्दूर की गाथा दिखायेंगी रामलीलाएं

दिव्य दिल्ली : नई दिल्ली। राजधानी की समस्त रामलीला कमेटियों की संस्था श्री रामलीला महासंघ की एक विशेष बैठक कांस्टीयूशन क्लब नई दिल्ली में महासंघ के अध्यक्ष श्री अर्जुन कुमार की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई । रामलीला आयोजन के दौरान होने वाली समस्याओं का एक मंच पर निवारण करने के उद्देश्य से आयोजित इस बैठक में चांदनी चौक क्षेत्र के सांसद श्री प्रवीण खण्डेलवाल विशेष रूप से उपस्थित हुए। इस बैठक में कमेटियों के सैकड़ों प्रतिनिधियों ने अपनी-अपनी समस्यों से सांसद महोदय एवं प्रशासनिक अधिकारियों को अवगत कराया। श्री रामलीला महासंघ के अध्यक्ष श्री अर्जुन कुमार ने कहा कि जिस प्रकार दिल्ली सरकार कावड़ सेवा एवं दिल्ली हज को सभी सुविधाएं निःशुल्क प्रदान करती है। उसी प्रकार प्रभु श्रीराम का संदेश घर-घर पहुंचाने में वर्षों से लगी रामलीला कमेटियों को भी बिजली, पानी, ग्रांउण्ड, सफाई आदि भी सुविधाएं निःशुल्क प्रदान की जाये।

उन्होंने बताया कि मुगलों और अंग्रेजों के शासन काल में भी रामलीलाओं को सभी सुविधाएं निःशुल्क मिलती थी। दिल्ली की रामलीला कमेटियां रामलीला में सेना शौर्य आपरेशन सिन्दूर की गाथा दिखायेगी । महासंघ अध्यक्ष अर्जुन कुमार ने यह भी बताया कि पिछले वर्ष डीडीए आन लाईन बुकिंग रामलीलाओं के लिए ग्राउण्ड 10 दिन से ज्यादा बुक नहीं किये, कुछ रामलीला ग्राउण्ड आक्शन के लिए रिजर्व किए। रामलीला मंचन की तैयारियों के लिए कम से कम 45 दिन लगते हैं, डीडीए एवं अन्य सभी विभाग 45 दिनों के लिए ग्राउण्ड निःशुल्क बुक करें।

दिल्ली पुलिस द्वारा रामलीलाओं के लिए लाईसेंस आवेदन बहुत कठिन प्रकिया है, लाईसेंस सरल किया जाये और जिला स्तर पर एप्लाई किया जाये। इसी तरह दिल्ली की बिजली कम्पनी रामलीलाओं के लिए बिजली उपलब्ध कराने के लिए बहुत ही जटिल प्रक्रिया है उसे भी आसान किया जाये। अर्जुन कुमार ने श्री प्रवीण खण्डेलवाल सांसद को सभी समस्याओं से अवगत कराया कि हर वर्ष रामलीलाओं को सभी एजेंसी के आदेश के कारण रामलीला कमेटियों को परेशानियां उठानी पड़ती अलग-अलग विभागों में चक्कर लगाने पड़ते है, आप दिल्ली की रामलीलाओं के लिए सिंगल विंडों सिस्टम लागू करवायें जिससे की दिल्ली की समस्त रामलीलाओं को राहत मिलें।चांदनी चौक क्षेत्र के सांसद श्री प्रवीण खण्डेलवाल ने दिल्ली की रामलीला कमेटियों को आश्वासन दिया कि मैं व्यक्तिगत रूप से दिल्ली की रामलीला आयोजन से जुड़ी सभी सिविक एजेंसियों से सभी समस्याओं को लीला आयोजन से पूर्व ही समाधान हो जायेगा।

दिल्ली में रामलीला मंचन गत वर्षो की भांति ही इस वर्ष बहुत ही भव्य एवं शांतिपूर्ण वातावरण सम्पन्न होगा। प्रभु श्री राम का आशीर्वाद हम सब पर है और इसी प्रकार बना रहेगा । श्री रामलीला महासंघ के महामंत्री श्री सुभाष गोयल ने बताया कि इस वर्ष रामलीला महोत्सव 22 सितम्बर 2025 से 3 अक्तूबर 2025 तक मनाया जायेगा एवं दशहरा पर्व 2 अक्तूबर 2025 को पूरे विश्व में धूम धाम से मनाया जायेगा। सुभाष गोयल यह भी बताया कि इस अवसर पर सांसद श्री प्रवीण खण्डेलवाल का शक्ति की प्रतीक हनुमान जी गदा भेंट कर सम्मान किया गया।

इस अवसर सर्वश्री लव कुश रामलीला कमेटी के पवन गुप्ता, सत्यभूषण जैन, अशोक विहार रामलीला कमेटी महेन्द्र नागपाल, कश्मीरीगेट रामलीला कमेटी जत्थेदार अवतार सिंह पूर्व मेयर, पीतमपुरा रामलीला कमेटी के कृष्ण बासिया, करोलबाग श्री सनातन धर्म रामलीला समिति, सम्पूर्ण रामायण, एनएसपी, आजाद मार्किट रामलीला कमेटी, केशव धार्मिक रामलीला कमेटी त्रिनगर, धार्मिक एकता मंच सावन पार्क, शालीमार बाग रामलीला कमेटी, श्री रामलीला कमेटी ढक्का गांव, श्री धार्मिक रामलीला कमेटी पश्चिम विहार, श्री सनातन धर्म रामलीला समिति पंजाबी बाग, सियाराम लीला मंचन बुद्ध विहार, न्यू वक्त क्लब मंगोलपुरी, हिन्दू पर्व समारोह समिति रोहिणी, श्री रघुनन्दन लीला समिति दिल्ली केन्ट, श्री रामलीला कमेटी शाहदरा, श्री बालाजी रामलीला कमेटी सूरजमल विहार, श्री रामलीला कमेटी इन्द्रप्रस्थ विस्तार, श्री हनुमत धार्मिक रामलीला कमेटी सीबीडी शाहदरा, आदर्श रामलीला कमेटी जीटीवी आदि के गणमान्य व्यक्ति सम्मिलित हुए ।

भारत ने ब्रिक्स देशों के बीच निर्यात नियंत्रण समाप्त करने का किया आह्वान

नई दिल्ली

भारत ने 15वीं ब्रिक्स व्यापार मंत्रियों की बैठक में ब्रिक्स सदस्यों के बीच निर्यात नियंत्रण समाप्त करने का आह्वान किया। भारत ने यह अपील बुधवार को ब्राजील की अध्यक्षता में 15वीं ब्रिक्स व्यापार मंत्रियों की बैठक के दौरान की। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने शुक्रवार को जारी बयान में बताया कि भारत ने ब्रिक्स देशों के बीच निर्यात नियंत्रण को खत्म करने का आह्वान किया है ताकि अंतर-ब्लॉक व्यापार को मजबूत किया जा सके और वैश्विक दक्षिण के भीतर अधिक एकजुटता को बढ़ावा दिया जा सके। मंत्रालय ने बताया कि 15वीं ब्रिक्स व्यापार मंत्रियों की बैठक 21 मई को ब्राजील की अध्यक्षता में आयोजित की गई। इसका विषय "अधिक समावेशी और टिकाऊ शासन के लिए वैश्विक दक्षिण सहयोग को मजबूती" था। भारत ने इस मंच का उपयोग ब्रिक्स सदस्यों के बीच निर्यात नियंत्रण का विरोध करने के लिए किया, जिससे ब्लॉक के भीतर आपसी सहयोग को बढ़ावा मिला।

15वीं ब्रिक्स व्यापार मंत्रियों की बैठक का एक प्रमुख परिणाम तीन अनुलग्नकों सहित संयुक्त घोषणा का अनुमोदन था:-

-विश्व व्यापार संगठन में सुधार और बहुपक्षीय व्यापार प्रणाली को मजबूत बनाने पर ब्रिक्स घोषणापत्र।

-ब्रिक्स डेटा अर्थव्यवस्था शासन समझ।

-ब्रिक्स व्यापार और सतत विकास कार्यक्रम।

भारत साल 2026 में ब्रिक्स की अध्यक्षता संभालने की तैयारी कर रहा है। भारत ने महत्वपूर्ण व्यापार मुद्दों का समाधान करने में ब्राजील की अध्यक्षता के समाधान-उन्मुख दृष्टिकोण की सराहना की। भारत ने लंबे समय से चले आ रहे विकास संबंधी मुद्दों को हल करने की जरूरतों पर प्रकाश डाला, विशेष रूप से खाद्य सुरक्षा के लिए सार्वजनिक भंडारण (पीएसएच) के स्थायी समाधान की मांग की। "30 फॉर 30" के भारतीय प्रस्ताव पर भी जोर दिया गया, जो 2025 में डब्ल्यूटीओ की 30वीं वर्षगांठ को चिह्नित करने के लिए 30 वृद्धिशील सुधार पेश करने का प्रयास करता है।

ऑनलाइन सट्टेबाजी ऐप्स को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र को जारी किया नोटिस

नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने सट्टा लगाने वाली ऑनलाइन और ऑफलाइन ऐप को रेगुलेट करने की मांग करने वाली याचिका पर सुनवाई करते हुए केंद्र सरकार को नोटिस जारी किया है। जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच ने नोटिस जारी करने का आदेश दिया। याचिका केए पॉल ने दायर की है। याचिका में कहा गया है कि सट्टा और जुए की लत की वजह से कई बच्चों ने खुदकुशी कर ली। याचिका में कहा गया है कि ऑनलाइन इंफ्लूएंसर्स, कलाकार और क्रिकेटर आनलाइन ऐप का प्रमोशन कर रहे हैं। उनके प्रमोशन की वजह से बच्चे सट्टा की ओर आकर्षित हो जा रहे हैं। पिछले दो वर्षों में सट्टा और जुए के ऐप की वजह से हजारों बच्चों ने अपनी जान दे दी है। पिछले दो वर्षों में तेलेंगाना में 1023 लोगों ने खुदकुशी की।

ऐसा इसलिए हो रहा है क्योंकि इंफ्ल्यूएंसर्स लोगों को सट्टा और जुए के ऐप से जुड़ने के लिए विज्ञापन और प्रमोशन कर रहे हैं। इसे लेकर तेलंगाना में एक एफआईआर भी दर्ज की गई है। सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि समाज में भटकाव आ गया है और केवल कानून बनाने से कुछ नहीं होगा, क्योंकि लोग खुद सट्टा और जुए से जुड़े हैं। कोर्ट ने याचिकाकर्ता से कहा कि सिद्धांत रुप से हम आपके साथ जुड़े हैं, लेकिन केवल कानून सब कुछ नहीं कर सकता है। तब याचिकाकर्ता ने कहा कि कुछ पूर्व क्रिकेटर भी इसे प्रमोट कर रहे हैं।

नागरिकों को अधिकार दिलाने नए आपराधिक कानून का जमीनी स्तर पर क्रियान्वयन आवश्यक: शाह

नई दिल्ली

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने आज नई दिल्ली में आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू के साथ राज्य में तीन नए आपराधिक कानूनों के कार्यान्वयन की समीक्षा की। बैठक में पुलिस, जेल, कोर्ट, अभियोजन और फॉरेन्सिक से संबंधित विभिन्न नए प्रावधानों के कार्यान्वयन और वर्तमान स्थिति की समीक्षा की गई।

बैठक में केंद्रीय गृह सचिव, आंध्र प्रदेश के मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक, महानिदेशक, बीपीआरडी और

निदेशक, एनसीआरबी सहित गृह मंत्रालय और आंध्र प्रदेश के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। अपने संबोधन में गृहमंत्री शाह ने कहा कि नए आपराधिक कानूनों के पूर्ण अमल से ही नागरिकों को उनके अधिकार मिल सकते हैं जिसके लिए तकनीक का उपयोग और निरंतर निगरानी अति आवश्यक है।

गृहमंत्री ने कहा कि आंध्र प्रदेश को नए आपराधिक कानूनों के पूर्ण कार्यान्वयन के लिए पिन-पॉइंटेड प्रारूप में समीक्षा करनी चाहिए जिससे राज्य में नए कानूनों पर जल्द से जल्द अमल सुनिश्चित हो सके। उन्होंने कहा कि 60 और 90 दिन की समयसीमा के अंदर आरोपपत्र दाखिल करने और आरोप तय करने के लिए समयसीमा तय करने पर जोर देना जरूरी है। मुख्यमंत्री नायडू ने नए आपराधिक कानूनों पर अमल के माध्यम से भारतीय आपराधिक न्याय प्रक्रिया में आमूलचूल परिवर्तन करने के लिए गृहमंत्री शाह के नेतृत्व में किए जा रहे प्रयासों के लिए उनका आभार प्रकट किया।

भारत ने पाकिस्तानी विमानों के लिए वायुक्षेत्र के उपयोग से जुड़ा प्रतिबंध बढ़ाया

नई दिल्ली

भारत ने पाकिस्तान के विमानों के लिए अपने वायु क्षेत्र के उपयोग से जुड़े प्रतिबंध को एक माह और बढ़ा दिया है। भारत सरकार ने यह निर्णय पाकिस्तान के जवाब में लिया है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने भारत की ओर से जारी नोटम की जानकारी दी। इसके अनुसार पाकिस्तान पंजीकृत विमानों और पाकिस्तान की वायुसेवा कंपनियों या संचालकों द्वारा संचालित, स्वामित्व या पट्टे पर लिए गए विमानों और सैन्य विमानों पर भारतीय वायु क्षेत्र में प्रवेश पर लगे प्रतिबंध को एक माह और बढ़ा दिया है। यह प्रतिबंध अब 23 जून तक प्रभावी रहेगा। इससे पहले पाकिस्तान ने भी भारत के विमानों के लिए अपने वायु क्षेत्र के उपयोग पर प्रतिबंध 23 जून तक बढ़ा दिया है। वर्तमान में दोनों देशों के बीच वायु मार्ग बंद हैं। इस स्थिति को ध्यान में रखते हुए भारत ने अपनी उड़ानों की योजना में बदलाव किया है। अतिरिक्त दूरी और उड़ान समय को उनकी समय-सारिणी में पहले से जोड़ा जा चुका है। उल्लेखनीय है कि आज ही इंडिगो का विमान एक हेलस्टॉर्म में फंस गया। विमान ने लाहौर एटीसी से पाकिस्तान के वायु क्षेत्र में थोड़े समय के लिए प्रवेश की अनुमति मांगी। लाहौर एटीसी ने नोटम का हवाला देते हुए इनकार कर दिया। इसके बाद भारतीय अधिकारियों ने विमान को सुरक्षित रूप से श्रीनगर की ओर मोड़ दिया।

नीति आयोग की गर्वनिंग काउंसिल की 10वीं बैठक शनिवार को, पीएम मोदी करेंगे अध्यक्षता

नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शनिवार को नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में आयोजित नीति आयोग की शासी परिषद (गवर्निंग काउंसिल) की 10वीं बैठक की अध्यक्षता करेंगे। बैठक में साल 2047 तक भारत को एक विकसित देश बनाने के लक्ष्य को हासिल करने के रोडमैप पर चर्चा की जाएगी। इस बैठक में देशभर के मुख्यमंत्री, उप-राज्यपाल और प्रशासक शामिल होंगे। नति आयोग ने शुक्रवार को जारी एक बयान में कहा कि विकसित भारत के लिए सभी राज्यों को "टीम इंडिया" के रूप में साथ लेकर चलने की अपनी प्रतिबद्धता के अनुरूप प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 24 मई को नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में नीति आयोग की 10वीं गवर्निंग काउंसिल की बैठक की अध्यक्षता करेंगे। इस वर्ष बैठक की थीम विकसित भारत के लिए विकसित राज्य@2047 है, जिसमें राज्यों पर मुख्य रूप से ध्यान दिया जाएगा। इस प्रकार भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाया जाएगा। गवर्निंग काउंसिल की बैठक में विकसित भारत@2047 के लिए विकसित राज्य के दृष्टिकोण पर चर्चा की जाएगी।

जस्टिस ओका हुए रिटायर, कार्यकाल के आखिरी दिन 11 फैसले सुनाए

नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस अभय श्रीनिवास ओका के कार्यकाल का आज आखिरी दिन था। उन्होंने पुरानी परम्पराओं को तोड़ते हुए आज कुल 11 फैसले सुनाए। उनके विदाई समारोह में चीफ जस्टिस बीआर गवई ने कहा कि जस्टिस ओका को एक शानदार जज के रुप में याद किया जाएगा। सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन (एससीबीए) की ओर से आयोजित विदाई समारोह में वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने कहा कि जस्टिस ओका ने देश के महान न्यायाधीशों में अपना स्थान बनाया है। उनको उनकी स्पष्टवादिता और पारदर्शिता के लिए याद किया जाएगा। जब सुप्रीम कोर्ट का इतिहास लिखा जाएगा, तो उसमें एक चैप्टर ग्रैंड ओका पर होगा। इस मौके पर चीफ जस्टिस बीआर गवई ने कहा कि जस्टिस ओका को एक शानदार जज के रुप में याद किया जाएगा।

गुरु महाराज के इस वार्षिक भंडारे में दया की बरसात होगी: बाबा उमाकान्त जी महाराज

दिव्य दिल्ली : उज्जैन। परम सन्त परम पूज्य बाबा उमाकान्त जी महाराज ने सतसंग संदेश में कहा कि देखो प्रेमियों! साधक समाज बनाना पड़ेगा। बगैर साधक समाज बनाए हुए ये दुःख तकलीफ, ये रोना - धोना जाने वाला नहीं है। यह जो घर का झगड़ा - झंझट है, एक दूसरे का विरोध करते हैं, बात नहीं मानते हैं। शांति - सुख के लिए करते सब कुछ हैं, लेकिन वह उनका बर्बाद जा रहा है। इसके लिए साधक समाज बनाने की जरूरत है। साधक समाज अगर बन जाएगा तो इसी से सब काम बन जाएगा। तो साधक समाज कैसे बनेगा? कौन बनाएगा? अकेला या दो, चार - पांच लोग नहीं बना सकते हैं। जितने लोग साधना किए हैं, सब मिलकर साधक समाज बनाएंगे।आत्मधन (साधना में अंतर में तरक्की) कोई कल्पना नहीं है, करने पर यह मिल सकता है इस साधना शिविर में इतना देर तक बैठना, होश- हवाश नहीं है,

शरीर खाली यहां है, आत्मा ऊपरी लोकों में है, जरूर कोई बात है। आपको इसलिए बता रहा हूं कि जिनको आत्मधन (साधना में अंतर में तरक्की) कुछ नहीं मिला, उनके अंदर इच्छा जगनी चाहिए कि मिल सकता है, यह कोई कल्पना या गप्प नहीं है। यह मिलती है पर लेने और देने वाले पर निर्भर करता है। जो ले पाता है, ले लेता है। जब बरसात होती है तो जो पानी इकट्ठा कर लेता है, उसे मिल जाता है। यह इसलिए कहा जा रहा है ताकि आपको विश्वास हो जाए ।इस वार्षिक भंडारा कार्यक्रम के रक्षक - दाता हमारे गुरु महाराज (बाबा जयगुरुदेव जी महाराज) हैं।

इससे पहले जो गुरु हुए हैं, वे दया बरसाएंगे। मैं भी मांगूंगा उन्हीं से अपने लिए, आपके लिए भी शुभकामना मागूंगा। यह लोगों को समझाओ कि वह समय निकल गया, जब बाबा के पास आते थे, अपनी दुःख - तकलीफें मुंह से बोल कर के, ना बोल पाने पर मन में ही कह कर चले जाते थे तो कुछ फायदा हो जाता था। अब उसकी जिम्मेदारी कोई लेने वाला नहीं है। अब दया कहां से मिलेगी? यह जो साधना में बैठाया जाएगा। वहां दया बंटेगी नहीं; दया की बरसात होगी।

Published, printed and owned by Rajesh.Chauhan, printed at B B Graphic printer Z--57 Okhla Industrial Area ph.2 New Delhi -110020 and published at BG 6 305 B Paschim Vihar New Delhi --110063 Editor Rajesh.Chauhan. E mail ID-rajeshchauhan4569@gmail.com, Contact No. - 9873104569, RNI No DELENG/2013/54397